राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 24 दिसंबर 2024 वर्ष-7, अंक-328 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

संभल और वाराणसी के बाद बुलंदशहर जिले के खुर्जा में मिला 50 साल पुराना बंद मंदिर

जाटव समुदाय ने मंदिर का जीर्णोद्धार करने का आग्रह किया

नई दिल्ली । संभल और वाराणसी के बाद बुलंदशहर जिले के खुर्जा में भी सालों से बंद एक मंदिर मिला है। बताया जा रहा है कि ये मंदिर करीब 50 साल पुराना है, जोकि 1990 के दंगों के बाद से बंद कर दिया गया है। हिंदू संगठनों ने प्रशासन से इस मंदिर का जीर्णोद्वार कराने की अपील की है ताकि मंदिर में पूजा-पाठ शुरु हो सके। दरअसल, खुर्जा के एसडीएम दुर्गेश सिंह ने बताया कि सलमा हकन मोहल्ले में मंदिर का निर्माण जाटव समुदाय द्वारा किया गया था, जो वहां पूजा भी करते थे। एसडीएम ने बताया कि करीब तीन दशक पहले जाटव समुदाय ये मोहल्ला छोड़कर चले गए थे। इस बीच विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और जाटव विकास मंच ने अधिकारियों से मंदिर का जीर्णोद्धार करने का आग्रह किया है ताकि धार्मिक गतिविधियां फिर से शुरू हो सकें। वीएचपी की मेरठ इकाई के पदाधिकारी सुनील सोलंकी के अनुसार, यह मंदिर 1990 से बंद था, जब इस क्षेत्र में रहने वाले हिंदू परिवार पलायन कर गए थे। सोलंकी ने कहा कि अधिकारियों को एक ज्ञापन सौंपकर मंदिर की सफाई और सौंदर्यीकरण का अनुरोध किया गया है ताकि सुचारू रूप से पूजा-अर्चना हो सके। वहीं जाटव विकास मंच के अध्यक्ष कैलाश भागमल गौतम ने कहा कि मंदिर करीब 50 साल पुराना है, जिसे मूल रूप से जाटव समुदाय के सदस्यों ने बनवाया था। गौतम ने बताया कि 1990 के दंगों के बाद समुदाय ने अपना घर बदल लिया और तब से मंदिर बंद है। उन्होंने कहा कि मंच ने वीएचपी के साथ मिलकर मंदिर में धार्मिक गतिविधियों को फिर से शुरू करने का औपचारिक अनुरोध किया है।

धक्काकांड में घायल प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को अस्पताल से मिली छुट्टी

नई दिल्ली । संसद भवन धक्काकांड में घायल भाजपा सांसदों प्रताप सारंगी और मुकेश राजपूत को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। दोनों सांसदों को दिल्ली के राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया था। सांसदों का आरोप था कि लोकसभा में नेता विपक्ष और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने धक्कामुक्की की थी, जिसमें वे गिर गए थे और इस दौरान उन्हें चोटें आई थीं। सांसद सारंगी का कहना था कि राहुल गांधी संसद के अंदर जा रहे थे और तभी उन्होंने एक सांसद को धक्का दिया था, जो उनके ऊपर आकर गिरा। गुरुवार को संसद परिसर के बाहर कांग्रेस सहित कई विपक्षी दलों के सांसद आंबेडकर के अपमान के मुद्दे पर प्रदर्शन कर रहे थे। भाजपा की ओर से भी प्रदर्शन किया जा रहा था। तभी संसद के मकर द्वार के पास दोनों तरफ के सांसद आमने-सामने आ गए। कहा जा रहा कि इस बीच राहुल गांधी संसद के अंदर जाने लगे और धक्कामुक्की में भाजपा सांसद गिर गए। भाजपा सांसदों ने दावा किया था कि राहुल गांधी के धक्के के चलते वह गिरे हैं और उन्हें चोट लगी है। इस मामले में पुलिस में शिकायत भी भाजपा की ओर से दर्ज कराई गई थी। भाजपा ने राहुल गांधी के खिलाफ पुलिस को एक शिकायत देकर उन पर संसद परिसर में ''धक्का-मुक्की'' के दौरान ''शारीरिक हमला और उकसावे'' में शामिल होने का आरोप लगाया था। इस बीच पुलिस ने कांग्रेस द्वारा दी गई उस शिकायत पर एक अलग प्राथमिकी दर्ज करने पर कानूनी सलाह मांगी है, जिसमें भाजपा सांसदों पर संसद परिसर में कांग्रेस प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया गया है।

अखिलेश का योगी सरकार पर हमला, यूपी अब ईज ऑफ डूइंग क्राइम में नंबर-वन

लखनऊ । समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर कानून व्यवस्था को लेकर बड़ा हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि यूपी अब ईज ऑफ डूइंग क्राइम में नंबर-वन बन गया है। सपा प्रमुख ने लखनऊ और सहारनपुर के बैंकों में हुई चोरी और लूट की घटनाओं का जिक्र कर कहा कि उप्र अब इज ऑफ डूइंग क्राइम में हुआ नंबर एक। अखिलेश ने चिनहट इलाके में एक बैंक में बड़े पैमाने पर लॉकरों को काटकर हुई चोरी की तस्वीर साझा कर कहा कि आज का एपिसोड.. लखनऊ का ओवरसीज बैंक, जहां लॉकर काटकर बहुमूल्य संपदा चोरी हुई। रविवार को सहारनपुर में बैंक लुटा था। अखिलेश ने पोस्ट में चोरी का सहारनपुर का वीडियो साझा किया। लखनऊ में इंडियन ओवरसीज बैंक की चिनहट शाखा में करीब 30 लॉकर टूटे हुए पाए गए और उनमें से सामान गायब था। चोरी लखनऊ के मटियारी स्थित शाखा में हुई।

राहुल गांधी आज परभणी दौरे पर, पीड़ित परिवारों से करेंगे मुलाकात

मुंबई। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी आज सोमवार को महाराष्ट्र के परभणी पहुंचने वाले हैं। यहां वो मृतकों के परिजनों से मुलाकात करेंगे। गौरतलब है कि 10 दिसंबर को अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ की घटना के बाद भड़की हिंसा में एक व्यक्ति की मौत हो गई थी, जबकि एक की मौत पुलिस कस्टडी में हुई थी, जिसे लेकर क्षेत्र में तनाव की स्थिति रही है।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी परभणी में मृतकों सोमनाथ सूर्यवंशी और विजय वाकोडे के परिवारों से मिलेंगे। अंबेडकर स्मारक में तोड़फोड़ की घटना के विरोध में हुई हिंसा के बाद सोमनाथ और विजय की मौत हुई थी। यहां बताते चलें कि सोमनाथ सूर्यवंशी की मौत पुलिस कस्टडी में हुई थी, जिसके कारण लोगों में आक्रोश है। वहीं विजय वाकोडे की मृत्यु हिंसा के दौरान हुई थी। इन दोनों ही घटनाओं से दलित समुदाय में गुस्सा बढ़ा हुआ है। कांग्रेस नेता राहुल इन घटनाओं में मारे गए दोनों व्यक्तियों के परिवारजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना देंगे। कांग्रेस ने यह दौरा दलित समुदाय के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दिखाने का कदम बताया है।

कड़ाके की ठंड और बर्फबारी जारी, श्रीनगर की डल झील और बद्रीनाथ का झरना जमा

उत्तराखंड में पारा माइनस 10 डिग्री, मध्यप्रदेश-राजस्थान में बारिश का अलर्ट जारी

नई दिल्ली।

जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। उत्तराखंड में तापमान माइनस 10 डिग्री पर पहुंच गया है। बद्रीनाथ धाम के पास उर्वशी धारा झरना जम गया है। वहीं, श्रीनगर की डल झील पर आधे इंच मोटी बर्फ की परत जमा हो गई। 21 दिसंबर की रात श्रीनगर में 50 सालों की सबसे ठंडी रात रही, जहां तापमान माइनस 8 डिग्री तक पहुंच गया था। जम्मू-कश्मीर में चिल्लई कलां का दौर शुरू हो गया है, जिसमें ठंड अपने चरम पर होती है। जोजिला में तापमान माइनस 25 डिग्री तक पहुंच गया। अन्य इलाकों में सोनमर्ग -5.1, पहलगाम -5.0, गुलमर्ग -4.8, और लेह -9.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कश्मीर के कई हिस्सों में झीलें और जलस्रोत जमने लगे हैं।

मध्यप्रदेश में 23 से 28 दिसंबर के बीच बारिश और ओलों का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन में मौसम बदलने की संभावना जताई है। वहीं, राजस्थान में भी बारिश हो सकती है। 24 दिसंबर यानी मंगलवार को पंजाब, हरियाणा, असम और मेघालय में घने कोहरे का अलर्ट जारी किया है। हिमाचल, जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में शीतलहर और दक्षिण भारत में रायलसीमा और आंध्र प्रदेश में तेज बारिश हो सकती है।

25 दिसंबर को पंजाब, चंडीगढ़, दिल्ली और हिमाचल में सीवियर कोल्डवेव। दक्षिण भारत में तमिलनाडु और पुडुचेरी में भारी बारिश की संभावना है। वहीं 26 दिसंबर को जम्मू-कश्मीर, हिमाचल और मध्य प्रदेश में तेज बारिश हो सकती है। महाराष्ट्र और दक्षिण भारत के कुछ हिस्सों में भी बारिश का अनुमान है।

जम्मू-कश्मीर सरकार ने चिल्लई कलां के मद्देनजर कॉलेजों में विंटर वेकेशन की घोषणा कर दी गई है। कश्मीर और जम्मू के विंटर जोन के कॉलेज 27 दिसंबर से 14 फरवरी तक बंद रहेंगे। जम्मू के समर जोन के कॉलेज में 1 जनवरी से 10 जनवरी तक छुट्टियां रहेंगी। कड़ाके की ठंड के बावजूद कश्मीर घाटी में पर्यटकों की संख्या लगातार बढ़ रही है। गुलमर्ग और पहलगाम जैसे इलाकों में बर्फबारी का आनंद लेने पर्यटक पहुंच रहे हैं। मौसम के इस बदलाव से न सिर्फ जनजीवन पर असर पड़ रहा है, बल्कि खेती और जल स्रोतों पर भी इसका गहरा असर पड़ने की संभावना है।

पीएम मोदी ने 71 हजार युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सौंपे नियुक्ति पत्र

कहा-सरकारी नौकरियां अब पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रहीं

नई दिल्ली।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोमवार को देशभर में आयोजित रोजगार मेले में 71 हजार युवाओं को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जॉइनिंग लेटर सौंपे। यह रोजगार मेला पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल का दूसरा आयोजन है। उन्होंने कहा कि पिछले डेढ़ साल में हमारी सरकार ने करीब 10 लाख पक्की नौकरियां दी हैं। ऐसा पहले की सरकारों में नहीं हुआ। युवाओं के लिए नए अवसरों का निर्माण हो रहा है।

पीएम मोदी ने बताया कि रोजगार मेले की शुरुआत अक्टूबर 2022 में हुई थी और अब तक 14 मेले आयोजित हो चुके हैं। इन मेलों में 9.22 लाख से ज्यादा युवाओं को नौकरी दी जा चुकी है। पिछला मेला 29 अक्टूबर 2024 को हुआ था, जिसमें 51 हजार से ज्यादा नियुक्तियां हुई थीं। उन्होंने कहा कि 2047 तक विकसित भारत का सपना साकार करने का संकल्प लिया। हर नीति और निर्णय के केंद्र में युवा शक्ति है। सरकारी नौकरियां अब पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ दी जा रही हैं। किसी भी देश का विकास युवाओं के श्रम, सामर्थ्य और नेतृत्व से होता है।

पीएम ने भारत की अर्थव्यवस्था की उपलब्धियों को लेकर कहा कि भारत आज दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है और तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है। स्पेस और डिफेंस सेक्टर में नीतियां बदली गईं और मैन्युफैक्चरिंग पर जोर दिया गया, जिससे युवाओं को नए अवसर मिले हैं। उन्होंने कहा कि आज हजारों बेटियों को नियुक्ति पत्र मिले हैं। हमारी सरकार का लक्ष्य है कि महिलाएं हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनें। गर्भवती महिलाओं के लिए 26 हफ्ते की छुट्टी, सुकन्या समृद्धि योजना, जनधन खाते और मुद्रा योजना जैसे कदमों ने महिलाओं को मजबूत किया है।

पीएम मोदी ने कहा कि आज का युवा अपने स्टार्टअप के लिए पूरा इकोसिस्टम तैयार पाता है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग में भारत दुनिया में दूसरा सबसे बड़ा देश है। स्पेस, डिफेंस, टूरिज्म और वेलनेस जैसे क्षेत्रों में भारत नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे देश के विकास में योगदान दें और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

केजरीवाल ने नीली और पीली पर्ची बांटकर शुरु किया जनसंपर्क अभियान

नई दिल्ली ।

आम आदमी पार्टी ने सोमवार से महिला सम्मान और संजीवनी योजना के रजिस्ट्रेशन की शुरुआत कर दी है। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने अपनी सीट नई दिल्ली में लोगों को नीली और पीली पर्ची बांटकर प्रक्रिया की शुरुआत की।

इसके तहत लोगों को एक कार्ड और पर्ची दी जा रही है, जिसमें चुनाव बाद महिलाओं को 2100 रुपए और 60 साल से अधिक के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज का वादा है। अभी यह साफ नहीं है कि क्या यह पर्ची पाने से ही रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया पूरी होगी या फिर उन्हें किसी वेबसाइट पर अपने कागजात अपलोड करके लाभार्थी बनना होगा।

केजरीवाल ने बताया था कि सोमवार से दोनों योजनाओं के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू होगा, लेकिन उसके लिए लोगों को अपना वोटर कार्ड तैयार रखना होगा। उन्होंने कहा था कि रजिस्ट्रेशन के लिए कहीं जाने की जरूरत नहीं है। हमारे कार्यकर्ता आपके घर पहुंचकर आपका पंजीकरण करने वाले है। आज केजरीवाल ने खुद लोगों के घरों तक पहुंचकर उनका वोटर कार्ड चेक किया फिर उन्हें एक नंबर पर मिस कॉल देने के लिए और फिर एक पर्ची दी।

बता दें, दिल्ली सरकार ने 2024-25 के अपने बजट में 18 वर्ष से अधिक उम्र की सभी महिलाओं को 1,000 रुपये प्रति माह प्रदान करने की योजना की घोषणा की थी।

केजरीवाल ने हालांकि हाल ही में घोषणा की थी कि अगर उनकी पार्टी अगले साल दिल्ली में होने वाले विधानसभा चुनाव में सत्ता बरकरार रखती है, तब यह राशि बढ़ाकर 2,100 रुपये कर दी जाएगी।

जज ने महिला वकील से कहा, नकाब हटाकर चेहरा दिखाए, महिला वकील ने किया मना, सुनवाई टली

नई दिल्ली ।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख हाईकोर्ट ने पिछले दिनों ऐसी मुस्लिम महिला वकील की बात सुनने से इंकार किया, जिसने सुनवाई के दौरान अपना चेहरा ढका हुआ था। सुनवाई के दौरान जज ने महिला से नकाब हटाकर चेहरा दिखाने को कहा था, कथित वकील ने चेहरा दिखाने से मना कर दिया। इसके बाद जज ने मामले की सुनवाई करने से इंकार किया और हाई कोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल से रिपोर्ट मांगी कि क्या किसी महिला वकील को चेहरा ढककर किसी मामले की पैरवी करने की अनुमति है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाई कोर्ट की जस्टिस मोक्ष खजूरिया काजमी ने अपने आदेश में कहा कि बार काउंसिल ऑफ इंडिया (बीसीआई) द्वारा निर्धारित नियमों में से किहीं उल्लेख नहीं है, जिसके तहत कोई भी महिला चेहरे पर नकाब लगाकर या बुर्का पहनकर अदालत में मामले की पैरवी कर सकें।

कोर्ट ने कहा कि बीसीआई की नियमावली के अध्याय में महिला अधिवक्ताओं के लिए अनुमत ड्रेस कोड का विवरण है। कोर्ट ने कहा, इन नियमों में कहीं भी यह नहीं कहा गया है कि इस न्यायालय के समक्ष उपस्थित होने के लिए इस तरह की कोई पोशाक स्वीकार्य है। दरअसल, 27 नवंबर को हाई कोर्ट में कथित तौर पर एक महिला वकील पेश हुई थीं, महिला वकील ने अपना नाम सैयद एनैन कादरी बताया था और घरेलू हिंसा से जुड़े मामले में याचिकाकर्ता की तरफ से पेश होकर मामले को रद्द करने की मांग की। इस दौरान वह कोर्ट रूम में वकील की ड्रेस में थीं लेकिन अपने चेहरे को ढक रखा था।

तब जस्टिस राहुल भारती मामले की सुनवाई कर रहे थे। जस्टिस भारती ने तब उस महिला वकील से चेहरे पर से नकाब हटाने को कहा लेकिन कादरी ने मना कर दिया। महिला वकील ने जोर देकर कहा कि चेहरा ढकना उसका मौलिक अधिकार है और कोर्ट उससे जबरन ऐसा करने को नहीं कह सकता।

इसके बाद जस्टिस भारती ने अर्जी पर सुनवाई करने से इंकार कर कहा कि मामले में पैरवी के लिए पेश हुई महिला को वकील के तौर पर ना विचार कर सकते हैं और न ही नियमों के मुताबिक स्वीकार्य कर सकते हैं क्योंकि चेहरा ढके होने की स्थिति में यह तय नहीं हो सका कि वह महिला कौन है या उसकी पहचान क्या है। कोर्ट ने मामले सुनवाई स्थगित करते हुए आगे की तारीख दे दी और रजिस्ट्रार जनरल से बीसीआई के नियमों के तहत यह पुष्टि करने को कहा कि क्या ऐसा कोई नियम है, जिसके तहत महिला वकील चेहरा ढक कर पेश हो सकें और मामले की पैरवी कर सकें।

संभल में रानी की बावड़ी मिलने पर बोलीं शिप्रा बाला- यह इलाका था हिंदू बहुल

संभल ।

उत्तर प्रदेश के संभल में 46 साल पुराना मंदिर मिलने के बाद डीएम को शिकायती पत्र दिया गया था, इसमें कहा गया था कि लक्ष्मण गंज में पहले बिलारी की रानी की बावड़ी थी। जिसके बाद खुदाई होने पर तीन मंजिला रानी की बावड़ी मिली है। यहां की रानी सुरेंद्र बाला की पोती शिप्रा बाला ने बताया कि पहले यह इलाका हिंदू बहुल था।

सुरेंद्र बाला की सबसे छोटी पोती शिप्रा बाला ने बताया कि मेरे पिता ने इस बदायूं के अनेजा को बेचा था क्योंकि प्रॉपर्टी में कई हिस्सेदार थे, लेकिन उन्होंने प्लॉटिंग करके इस जमीन को मुस्लिमों को बेच दिया। इस कोठी को भी अनेजा ने आधे से ज्यादा मुस्लिमों को बेच दिया। पहले यहां सभी हिंदू रहते थे।

उन्होंने कब्जे को लेकर कहा कि हम पांच बहनें हैं। हमारे लिए सौभाग्य की बात होगी कि हमारी प्रॉपर्टी हमें वापस मिल जाए। हालांकि प्रशासन का इरादा इस जमीन से निकालकर संरक्षित करने का है। वहीं राजस्व विभाग की नजर में यहां अतिक्रमण हुआ है।बता दें कि चंदौसी का लक्ष्मण गंज क्षेत्र 1857 से पहले हिंदू बहुल था। यहां सैनी समाज के लोग रहते थे, लेकिन अब यहां मुस्लिम आबादी ज्यादा संख्या में है।

रानी की बावड़ी में क्या-क्या है?

रानी की बावड़ी की खुदाई में 50 से ज्यादा मजदूर लगे हुए हैं, जबकि ऊपर से मिट्टी हटाने के लिए जेसीबी लगी हैं। जब बावड़ी के अंदर पहुंचे तब उसका दरवाजा पूरी तरह मंदिर जैसा दिखाई दिया। बावड़ी के अंदर एक सुरंग भी है, जैसे ही सीढ़ियां खत्म होती हैं, वैसे ही सुरंग है। यहां लगातार खुदाई चल रही है।ये बावड़ी करीब 10-12 मीटर लंबी और 28 फीट गहरी बताई जा रही है।

कितनी पुरानी है बावड़ी?

रानी की ये बाबड़ी करीब 150 साल पुरानी है। इसका इस्तेमाल पहले पानी स्टोर करने के लिए और सैनिकों के आराम करने के लिए किया जाता था इन दीवारों में अभी भी नमी है क्योंकि यहां पानी रहता था। वर्तमान में यहां जेसीबी लगी हुई है। अलग-अलग की मशीनें लाई गई हैं। खुदाई के दौरान सोमवार की सुबह ही सीढ़ियां मिली हैं।ये सीढ़ियों से होता हुआ रास्ता बावड़ी की ओर जाता है।

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स आखिर है क्या

उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन में ढेर हुए तीन संदिग्ध आतंकी

नई दिल्ली ।

पंजाब के गुरदासपुर में ग्रेनेड हमले में कथित रूप से शामिल तीन आतंकी संदिग्ध सोमवार सुबह पीलीभीत में उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस की संयुक्त टीम के साथ मुठभेड़ में मारे गए। पंजाब के पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने पाकिस्तान प्रायोजित खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ) मॉड्यूल के खिलाफ एक बड़ी सफलता बताया। यह एनकाउंटर रविवार देर रात हुआ। इस एनकाउंटर में मारे गए आरोपियों की पहचान गुरविंदर सिंह (25), वीरेंद्र सिंह उर्फ रवि (23) और जसप्रीत सिंह उर्फ प्रताप सिंह (18) के रूप में हुई है, यह सभी गुरदासपुर के रहने वाले थे। उत्तर प्रदेश पुलिस के अतिरिक्त महानिदेशक (कानून व्यवस्था) अमिताभ यश ने कहा कि तीनों गुरदासपुर में पुलिस चौकी पर ग्रेनेड हमले में शामिल थे। बताया जाता हैं कि पुलिस ने पहले तीनों आरोपियों को गिरफ्तार करने का प्रयास किया था, लेकिन अपराधियों ने गोलियां चला दीं।

जवाबी कार्रवाई में गुरविंदर सिंह, वीरेंद्र सिंह और जसनप्रीत सिंह की मौत हुई। इनके पास से एके सीरीज की दो राइफलें और कई ग्लॉक पिस्तौल बरामद की गई है। पंजाब पुलिस ने कहा है कि तीनों खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स के पाकिस्तान प्रायोजित मॉड्यूल का हिस्सा हैं। वहीं उत्तर प्रदेश के डीजीपी प्रशांत कुमार ने बताया कि यह एक साहसिक काम है और उत्तर प्रदेश और पंजाब पुलिस के बीच समन्वय का एक अच्छा उदाहरण है। एक सप्ताह के अंदर पंजाब के तीन पुलिस स्टेशनों को निशाना बनाया गया। इसमें सुरक्षा एजेंसियों को खालिस्तानी आतंकवादियों की भूमिका पर संदेह है। गुरदासपुर में बांगर पुलिस चौकी को निशाना बनाया गया, जबकि मंगलवार को अमृतसर के इस्लामाबाद पुलिस स्टेशन में विस्फोट हुआ। गुरदासपुर में बख्शीवाल पुलिस चौकी के बाहर भी विस्फोट हुआ था।इन विस्फोटों में कोई घायल नहीं हुआ।

क्या है खालिस्तानी जिंदाबाद फोर्स

खालिस्तान जिंदाबाद फोर्स (केजेडएफ), गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत प्रतिबंधित समूह है, इसका लक्ष्य एक संप्रभु खालिस्तान राज्य की स्थापना करना है। वैसे केजेडएफ की वास्तविक कैडर शक्ति और संगठनात्मक संरचना की विसतृत जानकारी नहीं है, लेकिन बताया जाता है कि इसमें अधिकांश जम्मू के सिख शामिल हैं।

जम्मू में फिर से संगठित होने का प्रयास

केजेडएफ के एक अन्य प्रमुख सदस्य रविंदर कौर उर्फ टूटू को 30 मार्च, 1998 को रुद्रपुर से गिरफ्तार किया गया था। रिपोर्ट के अनुसार, 6 जुलाई, 2005 को अयोध्या में अस्थायी राम मंदिर पर विफल आतंकवादी हमले के एक दिन बाद, जम्मू और कश्मीर पुलिस सूचना पर काम कर रही है कि केजेडएफ संगठन जम्मू में फिर से संगठित होने का प्रयास कर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उपभोक्ता के बढ़ते शोषण पर अंकुश जरूरी

बढ़ते बाजारवाद एवं उदारीकरण के इस दौर में जैसे ही हम अपनी जरूरत की कोई चीज या सेवा लेते हैं, तभी उपभोक्ता का ठप्पा हमारे ऊपर लग जाता है। कायदे से किसी चीज या सेवा के एवज में चुकाई जाने वाली कीमत में किसी भी तरह की घोखाधड़ी एवं ठगी नहीं होना चाहिए, लेकिन अक्सर उपभोक्ता ठगे जाते हैं। खराब गुणवत्ता की चीजें और सेवा प्रदाता से अपने अधिकारों के हक की लड़ाई ही जागरूक उपभोक्ता की पहचान है। उपभोक्ता दिवस मनाते हुए हम केवल उपभोक्ता अधिकारों की ही बात नहीं करते बल्कि उपभोक्ता की उन्नत एवं सम्यक् सोच को भी विकसित करते हैं।

(लेखक – ललित गर्ग)

राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस– 24 दिसम्बर, 2024)

भारत दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में एक है और यह आजादी की शताब्दी वर्ष 2047 तक उच्च मध्य आय के दर्जे तक पहुंचने की आकांक्षा के साथ विश्व बाजार बनने के पथ पर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। देश यह भी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि भारतीय बाजार एक ऐसी आदर्श बाजार व्यवस्था को स्थापित करें जिसमें उपभोक्ताओं की ठगी की बढ़ती घटनाएं पर पूर्णतः नियंत्रण हो। इसके लिये उपभोक्ता में उत्पादकता और गुणवत्ता संबंधित जागरूकता को बढ़ाने, जमाखोरी, कालाबाजारी, मिलावट, अधिक दाम, कम नाप–तौल, ठगी इत्यादि संकटों से उपभोक्ता को मुक्ति दिलाने एवं उपभोक्ता संरक्षण कानूनों के बारे में लोगों को जानकारी देकर उपभोक्ता के हितों की रक्षा करने के उद्देश्य से भारत में 24 दिसंबर को राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के रूप में मनाया जाता है। भारत में उपभोक्ता का मतलब ही ठगी का शिकार हो गया है। देश का प्रत्येक आदमी कहीं न कहीं अक्सर ठगा जा रहा है। आनलाइन बाजार व्यवस्था एवं ई–बाजारवाद में ठगी की घटनाएं एक बड़ी समस्या एवं चुनौती बन गयी है। सरकार ने उपभोक्ता के अधिकारों के संरक्षण के लिए कानून भी बनाया है। उन्हें जगाने के निरंतर प्रयास किये जा रहे हैं। फिर भी उपभोक्ता सोये हैं, जबकि मुनाफे के लिए छल के नए–नए तरीके आजमाए जा रहे हैं, क्योंकि दो तिहाई से ज्यादा आबादी अपने ही अधिकारों के प्रति सतर्क नहीं है। उपभोक्ताओं को शोषण से बचाने के लिए इसी दिन 24 दिसंबर, 1986 को भारत सरकार ने ऐतिहासिक उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम–1986 लागू किया गया था। इस अधिनियम एवं बाद में किये गये संशोधनों का उद्देश्य उपभोक्ताओं का दोषपूर्ण वस्तुओं, लापरवाह सेवाओं एवं अनुचित व्यापार प्रथाओं से संरक्षण करना है। उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के छह मौलिक अधिकार सुरक्षा का अधिकार, चुनने का अधिकार, सूचित किये जाने का अधिकार, सुनवाई का अधिकार, निवारण पाने का अधिकार एवं उपभोक्ता शिक्षा का अधिकार हैं। यह दिन भारतीय ग्राहक आन्दोलन के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा गया है। उपभोक्ता संरक्षण कानून से संबंधित महत्वपूर्ण तथ्य यह है की किसी भी शासकीय पक्ष ने इस विधेयक को तैयार नहीं किया बल्कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत ने प्रथमतः इस विधेयक का मसौदा तैयार किया। हम में से हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में उपभोक्ता है। कोई व्यक्ति जो अपने उपयोग के लिये सामान खरीदता है, वह उपभोक्ता है। उपभोक्ता क्योंकि संगठित नहीं हैं इसलिए हर जगह ठगा जाता है। इसलिए उपभोक्ता को जागना होगा और खुद को इन संकटों से बचाना होगा। बहुत कम उपभोक्ता जानते होंगे कि उनके क्या अधिकार हैं। राष्ट्रीय उपभोक्ता दिवस के माध्यम से उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाता है और इसके साथ ही अगर वह धोकाधड़ी, कालाबाजारी, घटतौली, ठगी आदि का शिकार होते हैं तो वह इसकी शिकायत कर सकें। इस कानून में जीवन एवं संपत्ति के लिए हानिकारक सामान और सेवाओं की बिक्री के खिलाफ सुरक्षा का अधिकार दिया गया है, खरीदी गई वस्तु की गुणवत्ता, मात्रा, क्षमता, शुद्धता, स्तर और मूल्य, जैसा भी मामला हो, उसके बारे में जानकारी का अधिकार एवं इसके लिए आवाज उठाने का अधिकार है। बढ़ते बाजारवाद एवं उदारीकरण के इस दौर में जैसे ही हम अपनी जरूरत की कोई चीज या सेवा लेते हैं, तभी उपभोक्ता का ठप्पा हमारे ऊपर लग जाता है। कायदे से किसी चीज या सेवा के एवज में चुकाई जाने वाली कीमत में किसी भी तरह की घोखाधड़ी एवं ठगी नहीं होना चाहिए, लेकिन अक्सर उपभोक्ता ठगे जाते हैं। खराब गुणवत्ता की चीजें और सेवा प्रदाता से अपने अधिकारों के हक की लड़ाई ही जागरूक उपभोक्ता की पहचान है। उपभोक्ता दिवस मनाते हुए हम केवल उपभोक्ता अधिकारों की ही बात नहीं करते बल्कि उपभोक्ता की उन्नत एवं सम्यक् सोच को भी विकसित करते हैं। आर्थिक विसंगतियों एवं विषमताओं को दूर करने के लिये उपभोक्ता जागृति जरूरी है। आज का उपभोक्तावादी दृष्टिकोण एक प्रकार का सम्मोहन बन गया है, हिस्टीरिया की बीमारी बन गया है। सम्मोहन करने वाला जैसा नचायेगा, उपभोक्ता वैसा ही नाचेगा, फिर उपभोक्ता संरक्षण कैसे संभव होगी? यह तभी संभव है जब हमारा उपभोग के प्रति सम्यक् दृष्टिकोण होगा। नया उपभोक्तावाद एक प्रकार से नई हिंसा का उपक्रम है। हिंसा, प्रतिस्पर्धा, सत्ता की दौड़ एवं आर्थिक साम्राज्य को इससे नया क्रूर आकार मिला है। क्योंकि उपभोक्तावाद की अंधी दौड़ ने व्यक्ति को संग्रह, सुविधा, सुख, भोग–विलास एवं स्वार्थ से जोड़ दिया है। स्वार्थों के संघर्ष में अन्याय, शोषण एवं अनैतिकता होने लगी। आज की उपभोक्तावादी एवं सुविधावादी जीवन–धारा में जैसे–जैसे भोगवाद बढ़ता जारहा है, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण, प्रकृति दोहन, आतंकवाद, युद्ध, संघर्ष की स्थितियों बढ़ती जा रही है। समाज, राष्ट्र एवं विश्व में व्याप्त प्रदर्शन, दिखावा एवं फिजुलखर्ची पर नियंत्रण जरूरी है।

सरकार की ओर से उपभोक्ताओं को जागरूक किया जा रहा है, उनके हितों का संरक्षण भी किया जा रहा है, इसी की निष्पत्ति है 'जागो ग्राहक जागो' जैसे अभियान। उपभोक्ता अधिकारों पर काम करने वाली एनजीओ कट्स (सीयूटीएस) इंटरनेशनल ने समय–समय पर सर्वे के माध्यम से पता लगाया है कि कितने उपभोक्ता ठगे जाते है और कितने उपभोक्ता अपने अधिकारों के प्रति सचेत है। उपभोक्ता मंत्रालय के व्यापक जागरूकता अभियान के बावजूद गलत उत्पाद बेचकर मुनाफा कमाने वालों की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी ठगी के शिकार 90 प्रतिशत लोगों ने तो कभी शिकायत ही नहीं की है। चार से पांच प्रतिशत उपभोक्ता ही कंपनी या उत्पाद निर्माता के पास अपनी शिकायत दर्ज कराते हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आनलाइन खरीद और साइबर क्राइम में वृद्धि के चलते लोगों में अपने आप जागरूकता बढ़ रही है। शहरी क्षेत्र के लोग कुछ ज्यादा जागरूक हुए हैं, जबकि गांवों के लोग अभी भी अनजान हैं। गांवों के लोग यह भी नहीं जानते कि खरीदारी से पहले आईएसआई, आईएसओ एवं एगमार्क जैसे गुणवत्ता प्रमाणन की छानबीन करनी चाहिए। इंटरनेशनल कंज्यूमर पालिसी एक्सपर्ट प्रो. बीजान मिश्रा का कहना है कि अगर किसी से प्रेरित होकर कोई व्यक्ति

उचित फोरम में चला भी गया तो गारंटी नहीं कि उसे समाधान मिल ही जाए। शिकायत दर्ज कराने वाले केवल 18 से 20 प्रतिशत उपभोक्ताओं को ही संतोषजनक समाधान मिलता है। बाकी को या तो समाधान नहीं मिला या कार्रवाई से संतुष्टि नहीं मिली। हालांकि सुखद संकेत है कि कई मामलों में त्वरित समाधान मिलने से उपभोक्ता निवारण तंत्र पर भरोसा धीरे–धीरे बढ़ रहा है। ई–प्लेटफार्म पर भरोसा नहीं होने पर भी खरीदारी बढ़ रही है। एक सर्वे में बात आई है कि शहरों में 56 प्रतिशत उपभोक्ता आनलाइन खरीद करने लगे हैं। हालांकि अलग बात है कि उन्हें आनलाइन खरीदे गए उत्पादों की गुणवत्ता पर भरोसा फिर भी नहीं होता। आज की बाजार शक्तियां उपभोक्ताओं का शोषण करती है। इन्हीं उपभोक्तावादी एवं बाजार शक्तियों के कारण जीवन में सुख का अभिप्राय केवल भोग और उपभोग को माना जाने लगा हैं। ऐसे में झूठी शानो–शौकत के दिखावे के चक्कर में उपभोक्ता अविवेकशील होकर अनावश्यक चीजों को भी थैले में भरकर घर ला रहा है। बाजार एवं उपभोक्तावादी संस्कृति के इस काले जादू के आगे उपभोक्ता बेबस एवं लाचार खड़ा हैं। जिसके कारण वस्तुओं की गुणवत्ता के स्तर में गिरावट आ रही हैं। कोई भी चीज मिलावटरहित मिलना अब संभव नहीं है। न चाहते हुए भी उपभोक्ता लूट का शिकार बन रहा है। इतना ही नहीं, उपभोक्तावादी संस्कृति ने भोगवादी जीवन जीने के लिए मनुष्य के समक्ष नए आयाम प्रस्तुत किए हैं तथा उसे सुविधाभोगी बना दिया है। भोग्य वस्तुओं का उपयोग ही जीवन का प्रमुख लक्ष्य बन गया है।

संपादकीय

पारदर्शी हो लोकतंत्र

हाल ही में केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा,वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कतिपय इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कदम उठाया गया। चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 93 में यह संशोधन किया गया। दलील दी गई कि इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने के लिये यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने के लिये वकील महमूद प्राचा ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका डाली थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा था। दरअसल, प्राचा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव संचालन से संबधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17–सी की प्रतियों की मांग याचिका के जरिये की थी। हालांकि, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, नामांकन फार्म, परिणाम व चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है। मगर दूसरी ओर आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रॉनिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते। सरकार के द्वारा हालिया संशोधन इस बात की पुष्टि करता है कि केवल नियमों में उल्लेखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिये उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पारदर्शिता की अवहेलना का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार के फैसले को चुनौती देने की बात कही है। दरअसल, चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि मतदान केंद्रों के अंदर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के दुरुपयोग से मतदान की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। दलील दी गई है कि इस फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी विमर्श गढ़ने के लिये किया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोकतांत्रिक शुचिता के लिये पारदर्शिता को क्यों नजरअंदाज किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीवंतता इसी बात में है कि नागरिकों के सूचना अधिकार का अतिक्रमण किसी भी तरह से न हो सके। निस्संदेह, इस चिंता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये तथ्यों से खिलवाड़ संभव है। बहुत संभव है अपनी सुविधा के लिये कतिपय राजनीतिक दल नये विमर्श गढ़ सकें। लेकिन इसके बावजूद आम नागरिकों को उस चुनावी प्रक्रिया को जानने का हक है जिसके जरिये सरकार बनती है। निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। कतिपय सुरक्षा चिंताओं के नाम पर पारदर्शिता का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर विपक्ष की मांगों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सजग–सतर्क विपक्ष लोकतंत्र की सफलता के लिये अनिवार्य शर्त भी है। ऐसे में एआई के खतरे के नाम पर हर सूचना के अधिकार पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता। वहीं ऐसे निर्णयों में विपक्ष की भागीदारी जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ दल पर निरंकुश व्यवहार का आरोप न लग सके।

सुरों के सरताज़ मोहम्मद रफ़ी

(लेखक– हर्षवर्धन पाण्डे)

(जन्म शताब्दी वर्ष पर विशेष)

मोहम्मद रफ़ी भारतीय संगीत और सिनेमा के अद्वितीय गीतकार, गायक और संगीतकार एक ऐसी शख्सियत हैं जिनका योगदान अविस्मरणीय है। आज भी ऐसा लगता है मानो उनका संगीत और आवाज़ भारतीय सिनेमा की आत्मा में समाहित हो गए हैं। रफ़ी साहब के व्यक्तित्व का प्रभाव सिर्फ उनके गीतों के माध्यम से ही नहीं बल्कि उनकी सरलता, विनम्रता और पेशेवर अंदाज में भी महसूस किया जा सकता था। रफ़ी का जन्म 24 दिसम्बर 1924 को पंजाब (अब पाकिस्तान) के अमृतसर जिले के कोटला सुलतान सिंह गांव में हुआ था। उनका परिवार संगीत के प्रति स्नेह रखने वाला था। इनके बड़े भाई की नाई दुकान थी। रफ़ी जब सात साल के थे तो वे अपने बड़े भाई की दुकान से होकर गुजरने वाले एक फकीर का पीछा किया करते थे जो उधर से गाते हुए जाया करता था। उसकी आवाज रफ़ी को पसन्द आई और रफ़ी उसकी नकल किया करते थे। उनकी नकल में अव्वलता को देखकर लोगों को उनकी आवाज भी पसन्द आने लगी। लोग नाई दुकान में उनके गाने की प्रशंसा करने लगे। उनके मन में संगीत का बीज एक भीख मांगने वाले फ़कीर को देखकर अंकुरित हुआ। तब उनके मन में भी उस फ़कीर जैसे गाने की इच्छा जगी। जब उन्होनें गाना शुरू किया तो पिता ने ही सबसे पहले विरोध किया जिसके लिए उनकी पिटाई भी हुई लेकिन संगीत को मन में बसाने की तमन्ना लिए रफ़ी कभी भी अपने लक्ष्य से नहीं डिगे। लाहौर में कुन्दनलाल सहगल जब अपना स्टेज शो करने निकले तब रफ़ी महज 13 बरस की उम्र में उनको सुनने गए। वहां मंच पर लाइट चली गई तो भीड़ शांत करने के लिए एक नौजवान को गाने का मौका मिला। रफ़ी ने ऐसा गाना उस स्टेज में गाया सब देखते रहे और सबको झूमने पर मजबूर कर दिया। तब संगीतकार श्यामसुन्दर ने उनकी प्रतिभा को पहचाना और मायानगरी में आकर प्लेबैक गायक बनने का मौका दिया और पंजाबी फिल्म गुल बलोच में गाना गाया।यह गाना रफी का ज़ीनत बेगम के साथ एक युगल गीत था जिसके बोल थे ~ नी सोहनिये नी हीरिये तेरी याद ने। इनके बड़े भाई मोहम्मद हमीद ने इनके संगीत के प्रति इनकी रुचि को देखा और उन्हें उस्ताद अब्दुल वाहिद खान के पास संगीत शिक्षा लेने को कहा। उनका रुझान शास्त्रीय संगीत की ओर तेजी से बढ़ा और उनका गायक बनने का सपना साकार होने की दिशा में कदम बढ़ने लगे। रफ़ी की गायन–प्रतिभा को पहचानते हुए संगीतकार फिरोज़ निज़ामी ने रफ़ी को आल इंडिया रेडियो लाहौर में नौकरी दिलवा दी। रफ़ी की हिन्दी गायकी की असल शुरुआत 1941 में हुई जब उन्होंने पहली बार रेडियो पाकिस्तान के लिए गाना गाया लेकिन उनका बॉलीवुड में प्रवेश 1944 में हुआ जब उन्होंने सोनिये नी हीरिये, तू हिंदू बनेगा मुसलमान बनेगा और अन्य छोटे–छोटे गीतों के माध्यम से हिंदी सिनेमा में अपनी अलहदा पहचान बनाने की दिशा में तेजी से अपने कदम बढ़ाये। हालांकि उन्हें असली पहचान 1946 में फिल्म गांव की गोरी से मिली जिसमें उनका गीत सोनिये नी हीरिये काफी हिट हुआ। भारत का वो दौर याद करें जब देश विभाजन के सदमे की त्रासदी से उबर ही रहा था। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की गोली मार कर हत्या कर दी गई थी। उस दौर में राजेंद्र कृष्ण के लिखे गीत सुनो सुनो ए दुनिया वालों, बापू की ये अमर कहानी को हुस्नराम भगत राम ने अपना संगीत से कालजयी बना डाला। इस नग्मे को रफ़ी साहब ने अपनी दिलकश आवाज़ से झंकृत करने का काम बखूबी किया। उस दौर में रफ़ी होने के मायने आप इस बात से समझ सकते हैं कि इस गीत को सुनने के लिए तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने ख़ासतौर से रफ़ी साहब को अपने दिल्ली निवास स्थान पर आमंत्रित किया और इस गीत सुनकर नेहरू की आँखें भी नम हो गई। भारत की आज़ादी की पहली वर्षगाँठ पर नेहरू ने उस दौर में रफ़ी को चाँदी का एक छोटा सा मेडल भेंट किया तब मोहम्मद रफ़ी की उम्र महज 24 बरस की रही जो उनके लिए किसी बड़े सम्मान से कम नहीं था। रफ़ी ने अपनी गायकी में विविधता और प्रयोग की कोई कमी नहीं छोड़ी। चाहे वह रोमांटिक गीत हों या फिर देशभक्ति गीत हों या फिर दर्द भरे नग्मे, रफ़ी की दिलकश आवाज़ में वह ताकत थी कि हर गीत उस दौर में अपनी पूरी कहानी खुद बयां कर देता था। उन्होंने अपने करियर के दौरान लगभग 28,000 से अधिक गीत गाए जो आज भी हर संगीत प्रेमी के दिल में गूंजते हैं। उनके गायन में जो मिठास थी वह अनमोल मानी जाती है। रफ़ीके गाने सिर्फ सुरों और शब्दों का मिलाज नहीं होते थे बल्कि उन गीतों में जो भावनात्मक गहराई थी जो उस दौर के रेडियो सुनंने वालों को दिल में उतार देती थी। तेरा मुझसे है पहले का नाता कोई (नौशाद द्वारा संगीतबद्ध), कुछ तो लोग कहेंगे(शंकर जयकिशन), आजकल पाँव ज़मीन पर नहीं (आर.डी. बर्मन) जैसे गीतों में रफ़ी की आवाज़ ने न केवल गीतों को संजीवनी दी बल्कि ये सभी गीत हिंदी सिनेमा की अनमोल धरोहर बन गए। रफ़ी ने हिन्दी सिनेमा के लिए बिना फीस लिये या बेहद कम पैसौं लेकर भी नायाब गीत गाए। उनका कहना था, मेरा काम घास – घोड़ा चिल्लाना नहीं है। मेरा काम इंसानों के काम आना है। इंसानो से दोस्ती करने का है। मेरा शौक, मेरी इबादत संगीत है। वह करना मुझे अच्छा लगता है इसलिए मैं कभी भी पैसे के लिए नहीं गाता। न मैंने कभी भी किसी से पहले से कोई समझौता किया जिसने जो दे दिया मैंने अपनी रोजी–रोटी समझकर रख लिया क्योंकि गायिकी मेरी अपनी जागीर नहीं थी। खुदा की दी हुई नायाब नेमत है।

रफ़ी की गायकी का एक महत्वपूर्ण पहलू यह था कि वे हर प्रकार के गीत गाने में माहिर थे। उन्होंने शास्त्रीय संगीत, सुगम संगीत, भक्ति गीत, भजन, ग़ज़ल, रोमांटिक गीत, हास्य गीत और यहां तक कि फ़िल्मी गानों के साथ भी प्रयोग किया। मन तड़पत हरि दर्शन को (बैजू बावरा), सारे जहाँ से अच्छा (पाकिस्तान दिवस पर गाया गया गीत) जैसी विविधताएं दर्शाती हैं कि रफ़ी का गायन सिर्फ एक शैली तक सीमित नहीं था। रफ़ी की आवाज़ में वह सहजता और सरलता थी जो उन्हें एक आम आदमी से जोड़ देती थी। उनकी आवाज़ में गंभीर सादगी नजर आती थी जो श्रोताओं के दिलों के भीतर उतर जाती थी। रफ़ी के संगीतकारों के साथ सम्बन्ध भी बड़े सौहार्दपूर्ण रहे।

(चिंतन-मनन)

धर्म की शरण

हर संसारी प्राणी अपनी सुरक्षा के लिए शरण की खोज करता है। प्राणी उपयुक्त शरण मिलने पर उसे स्वीकार भी कर लेता है। बहिर्दर्शी व्यक्ति अपने पारिवारिक जनों को शरण मानता है। परिवार के लोग किसी सक्षम सदस्य को शरण मानते हैं। किंतु वे तुम्हें त्राण और शरण देने में समर्थ नहीं हैं और तुम उनको त्राण या शरण देने में समर्थ नहीं हो। यह आगम–वाणी मनुष्य को अपनी सही स्थिति का बोध देती है। वह जब चारों ओर से अत्राण और अशरण होकर असहाय हो जाता है, उस समय उसकी अंतमरुखी चेतना में चार प्रकार की शरण आविर्भूत होती है– अर्हत्, सिद्ध, साधु और धर्म। ये चार तत्व ऐसे हैं, जो व्यक्ति को शात शरण दे सकते हैं। इन चारों शरणों में तीन तत्व किसी अपेक्षा से परे भी हो सकते हैं किंतु चौथा तत्व धर्म अपना निजी ही है। इसकी शरण में जाने के लिए कोई अपेक्षा नहीं केवल अपनी वृत्तियों को मोड़ने की जरूरत है। धर्म क्या है? जो सबको समता और शांति का पाठ पढ़ाए, वह धर्म है। जिस धर्म के सहारे सुख–सुविधा के साधन जुटाए जाते हैं, प्रतिष्ठा की कृत्रिम भूख को शांत किया जाता है, प्रदर्शन और आडंबर को प्रोत्साहन दिया जाता है, उस धर्म की शरण स्वीकार करने से शांति नहीं मिल सकती। ऐसा धर्म समता का सूत्र नहीं दे सकता। धर्म की व्याख्या में अब तक हजारों ग्रंथ लिखे जा चुके हैं, पर उनसे धर्म का सही रूप परिभाषित नहीं हो सका। क्योंकि अधिक व्याख्याकारों ने अपनी धारणा के परिवेश में उसे व्याख्यायित किया है। मेरे अभिमत से धर्म का अर्थ है स्वभाव। स्वभाव को उपलब्ध करने के लिए उसमें रमण करने की जरूरत है। जो व्यक्ति अपने स्वभाव में रमण कर लेता है, वह धर्म की शरण पा लेता है। उसे अपनी शरण उपलब्ध हो जाती है।

धर्म या स्वभाव– रमण का एक सूत्र है– पदार्थ प्रतिबद्धता का अभाव। कोई व्यक्ति अभाव या अतिभाव के कारण पदार्थ से प्रतिबद्ध नहीं होता है, यह वास्तव में धर्म नहीं है। अभाव में जो व्यक्ति संग्रह नहीं करता, वह त्यागी नहीं होता। इसी प्रकार अतिभाव में पदार्थ का विसर्जन करने वाला भी त्यागी नहीं हो सकता।

विचार मंथन

मोहन भागवत हमारे नेतृत्वकर्ता और अनुशासक नहीं : रामभद्राचार्य

(लेखक– सनत जैन)

हाल ही में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत, हिंदू संगठनों और हिंदू धर्माचार्य स्वामी रामभद्राचार्य के बयानों ने देश में ऊहा–पोह की स्थिति पैदा कर दी है। सार्वजनिक मंच पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सर्वोच्चता पर नई बहस शुरू हो गई है। रामभद्राचार्य द्वारा मोहन भागवत की टिप्पणी और हिंदू संगठनों के कामकाज पर व्यक्त असहमति को लेकर कड़े शब्दों में नाराजगी जताई है। रामभद्राचार्य ने कहा हिंदू समाज में विभिन्न दृष्टिकोण और विभिन्न विचारधारा मौजूद हैं।

आरएसएस की स्थापना का उद्देश्य हिंदू समाज को संगठित करना, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करना था। इसके तहत राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सभी अनुवांशिक संगठन, धार्मिक, बल्कि सामाजिक और राष्ट्रीय मुद्दों पर भी अपना पक्ष रखते रहे हैं। हिंदू धर्माचार्य भी अपने पारंपरिक विचारों और धार्मिक परंपराओं के साथ जुड़े रहते हैं। जब दोनों के दृष्टिकोण में अंतर सामने आता है, तो विचार–धाराओं का टकराव समय–समय पर पैदा होता है। रामभद्राचार्य का बयान यह बताता है, कि संघ के कार्य केवल सामाजिक संगठनों तक सीमित नहीं रह सकते हैं। धर्माचार्यों की राय को संघ द्वारा नजरअंदाज करने से गलतफहमियां पैदा हो सकती हैं। राममंदिर और अन्य धार्मिक मुद्दों पर आरएसएस के रुख को धर्माचार्य सराहनीय मानते हैं। वहीं धर्माचार्यों के मत का सम्मान करना संघ के लिए आवश्यक है। रामभद्राचार्य ने कहा ऐसा न होना हिंदू समाज के भीतर विभाजन का कारण बन सकता है। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने हिंदू धर्म और संस्कृति के मूल्यों की रक्षा में कई कदम उठाए हैं। उनके दृष्टिकोण से हर कोई सहमत हो, यह आवश्यक नहीं है। यह असहमति दर्शाती है, किसी भी बड़े आंदोलन या संगठन में आंतरिक संवाद और समालोचना का महत्व होता है। रामभद्राचार्य ने धर्म के नाम पर हो रहे अत्याचारों और गलतफहमियों पर प्रकाश डाला। जो यह संकेत करता है, समाज में हिंदू समाज की संस्कृति और रीति रिवाज को लेकर व्यापक चर्चा की जरूरत है। संघ और धर्माचार्यों के बीच यह मतभेद हिंदू संघटनों की एकता के लिए बड़ी चेतावनी है। संगठनों और व्यक्तियों की महत्वाकांछा के बीच समन्वय बनाना होगा। हिंदू समाज की एकता और विकास तभी संभव है। जब नेतृत्व में पारदर्शिता के साथ संवाद और एक–दूसरे की भूमिका को स्वीकार करने की भावना हो। संघ और धार्मिक संगठन अब सत्ता के साथ जुड़कर सत्ता के अंग बन गए हैं, जिसके कारण स्थितियां बिगड़ रही हैं। वर्तमान टकराव यह समझने का अवसर देता है। एक मजबूत और संगठित समाज के लिए विविध विचारधाराओं का समावेश कितना महत्वपूर्ण है। पिछले कुछ वर्षों से जिस तरह से धर्म को सत्ता के साथ जोड़कर सभी विचार–धाराओं और सभी धर्म को एक साथ लाने की जिद में अब हिंदू संगठनों में भी बिखराव का दौर शुरू हो गया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अभी तक हिंदू संगठनों का सिरमौर माना जाता था। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से हिंदू संगठनों को सत्ता का सुख मिला है उससे अहंकार जागृत हो गया है। उसके बाद से ही हिंदू संगठनों के बीच में अब एक नई प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है। पिछले 10 वर्षों में जिस तरह से हिंदुओं और मुसलमानों के बीच में धार्मिक ध्रुवीकरण तथा मुसलमान को दूसरे दर्जे का नागरिक समझते हुए हिंदू संगठनो का प्रभाव समाज मैं देखने को मिल रहा है। अब यह सत्ता की लड़ाई तक पहुंच गया है। रामभद्राचार्य का सार्वजनिक रूप से यह कहना कि मोहन भागवत हमारे अनुशासक नहीं हैं। हम उनके नियंत्रण में नहीं हैं। जिस तरह से हिंदू संगठनों द्वारा सोशल मीडिया में मोहन भागवत के खिलाफ कैंपिंग चलाना शुरु कर दिया है। उन्हें हिंदू विरोधी तक कह दिया है। यह सबसे चिंताजनक स्थिति है। हिंदू समाज और सरकार को इस स्थिति से सीख लेने की जरूरत है। यदि हिंदू संगठन भी अराजक होकर एक दूसरे के खिलाफ लड़ने लगेंगे, तो स्थितियों को सरकार किस तरह से संभाल पायेगी। सामाजिक, आर्थिक, व्यवस्थाएं कैसे कायम रखी जा सकेंगी। यह चिंतनीय प्रश्न आज हम–आप, सबके सामने हैं। भारत के सभी वर्गों के बीच में आपसी संवाद तथा सामाजिक एवं धार्मिक सद्भाव, आत्मीय संबंधों को सशक्त बनाने की जरूरत है। केंद्र सरकार, राज्य सरकारें, राजनीतिक दल, नागरिकों के धार्मिक और सामाजिक नेतृत्व को यह समझना होगा। एक दूसरे के विचारों का आदान–प्रदान और सम्मान ही स्थायी समाधान है। भारतीय न्यायपालिका की भी विशेष महत्वपूर्ण भूमिका है। भारतीय संस्कृति में हमेशा से विविधता को स्थान मिला है। विविधता ही सनातन धर्म और भारत की पहचान है। इस विविधता को एक बार पुनः स्वीकार करने की जरूरत है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इंडिया सीमेंट्स के शेयर में 11 फीसदी का उछाल

- इंडिया सीमेंट के शेयरों में पिछले एक साल में 47.12 फीसदी की तेजी आई

नई दिल्ली। इंडिया सीमेंट्स के शेयर ने सोमवार को बीएसई पर 11 फीसदी बढ़कर 376.30 रुपए पर पहुंच गया। इस तेजी का कारण भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) द्वारा अल्ट्राटेक सीमेंट के इंडिया सीमेंट्स में 32.72 फीसदी इक्विटी हिस्सेदारी को मंजूरी दे दी गई है। इस खबर का असर अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों पर भी पड़ा, जिन्होंने 1.4 फीसदी की बढ़ोतरी करके 11,585.40 रुपए के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए। इंडिया सीमेंट्स की टॉप सीमेंट कंपनी अल्ट्राटेक ने इंडिया सीमेंट्स के प्रमोटर्स और अन्य शेयरहोल्डर्स से 10.14 करोड़ शेयरों को खरीदने की मंजूरी दी थी, जो एक प्राइमरी एक्विजिशन है। कंपनी ने सार्वजनिक शेयरधारकों को 390 रुपए प्रति शेयर की कीमत पर कंपनी के 8.06 करोड़ शेयर हासिल करने के लिए ओपन ऑफर भी दिया। इसमें अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयरों में भी वृद्धि हुई और कंपनी ने हाल ही में सीसीआई की मंजूरी प्राप्त की। इंडिया सीमेंट सॉउथ इंडिया की बड़ी सीमेंट कंपनियों में से एक है और इसके शेयरों में पिछले एक साल में 47.12 फीसदी की तेजी आई है। अल्ट्राटेक सीमेंट के शेयर चार्ट पर अपने सभी अहम एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज से काफी ऊपर है और ट्रेंडलाइन के आंकड़ों के अनुसार इसका आरएसआई मिड-रेंज लेवल पर हैं।

मक्का से चमकेगी किसानों की किस्मत

नई दिल्ली। ग्रामीण क्षेत्रों में विकास के लिए खेती की विविधता में बदलाव की बहस हमेशा सम्मोहित करती रही है। सभी क्षेत्रों में किसानों के लिए यह एक सबसे महत्वपूर्ण विषय बन गया है। दुनिया भर में खानपान के लिए मांग का ताजा अध्ययन करते हुए विशेषज्ञों ने आगामी समय में किसानों के लिए अच्छे नतीजे देने के लिए अनाज की विविधता में रूचि दिखाई। मक्के और गन्ने के इथेनॉल प्रोडक्ट्स की पेशकश किसानों के लिए नए दरवाजे खोल सकती है। इंडो एग्री फ्यूचर फूड समिट में विशेषज्ञों ने एक मायने में उत्पन्न होने वाली समस्याओं की चिंता जताई। वे मानते हैं कि आने वाले समय में अनाज की मांग की पूर्ति करना एक विपरीत चुनौती हो सकता है। यहां तक कि खेती का रकबा भी घट रहा है, जो खानपान के स्रोतों पर दबाव डाल सकता है। इस समस्या का समाधान किसानों की खेती में विविधता लाने में ही है। दुनिया भर के किसानों के लिए, खाद्य प्रसंस्करण पर जोर देना और नए बायो प्रोडक्ट्स के विकसित करना एक साथ काम करने के लिए एक अच्छी शुरुआत हो सकता है।

कचरा रिसाइकिल उद्योग: विकास के लिए एक नई दिशा

11 लाख लोगों को मिलेगा रोजगार; 2030 तक तीन लाख करोड़ हो जाएगा इंडस्ट्री का आकार

हैदराबाद। रीसस्टेनिबिलिटी` लिमिटे के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने बताया कि देश के शहरी क्षेत्रों में हर दिन तीन लाख टन कचरा उत्पन्न हो रहा है, जिसमें से केवल 20 फीसदी ही रिसाइकल हो रहा है। इसका मतलब है कि कचरा रिसाइकल उद्योग में बड़ी संभावनाएं हैं। स्वच्छता अभियान और जनता की जागरूकता ने कचरा रिसाइकल के विकास के लिए एक नया मोड़ बनाया है। कंपनियां पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ कचरा रिसाइकल क्षमता को बढ़ाने के लिए नई तकनीकों में भारी निवेश कर रही हैं। रीसस्टेनिबिलिटी के अनुसार, इस उद्योग का आकार 2030 तक तीन लाख करोड़ रुपये तक बढ़ने की संभावना है, जो वर्तमान में 60,000 करोड़ रुपये है। इसके साथ ही कचरा राइसकल उद्योग में 1.25 लाख नौकरियां हैं, जिनसे 2030 तक 11 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हो सकता है। राष्ट्रीय व्यापक कचरा रिसाइकल कंपनियां जैसे हैदराबाद में स्थित रीसस्टेनिबिलिटी और उत्तर प्रदेश के लखनऊ में बहुमुखी कचरा रिसाइकल प्रोजेक्ट्स की योजना कर रही हैं। ये कंपनियां केवल कचरा का रिसाइकल न करके, बल्कि उससे अन्य उत्पादों का निर्माण भी कर रही हैं। उपरोक्त जानकारी के माध्यम से प्रकट हो रहा है कि कचरे का उपयोग करके वनस्पतियों की सुरक्षा और पर्यावरण की संरक्षा के लिए इन कंपनियों ने प्रेरित कार्रवाई शुरू की है।

चेन्नई की कंपनी ने अपने कर्मचारियों को गिफ्ट में दी टाटा की कार और बुलेट

कंपनी ने कहा, इस प्रकार की पहल कार्यकर्ताओं की प्रेरित क्षमताओं को देती है बढ़ावा

तमिलनाडु।

चेन्नई की लोजिस्टिक कंपनी सरमाउंट लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड ने अपने कर्मचारियों को खुश करने के लिए एक अनूठा कदम उठाया है। उन्होंने 20 कर्मचारियों को उनकी उत्कृष्टता की पहचान करते हुए टाटा की कार, एक्टिवा स्कूटी, और रॉयल एनफील्ड बाइक उपहार में दिए हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने इस महत्वपूर्ण कदम की प्रशंसा की और बताया कि इसका मकसद कर्मचारियों के प्रेरणा और कंपनी के लक्ष्यों में सफलता का सहारा देना है। इस उपहार के साथ, सरमाउंट लॉजिस्टिक्स ने अपनी कर्मचारियों की मेहनत की प्रशंसा की है और उन्हें संगठन में प्रस्तुतिकरण और उत्साह बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया है। कंपनी का विश्वास है कि इस प्रकार की पहल कार्यकर्ताओं की प्रेरित क्षमताओं को बढ़ावा देती है और संगठन को सफ़लता तक पहुंचाने में मदद करती है। कर्मचारियों की भलाई और संगठन में योगदान को सराहना करना सरमाउंट लॉजिस्टिक्स की प्राथमिकता है। अे धिकारी ने कहा कि हमारा उद्देश्य लॉजिस्टिक्स से जुड़ी चुनौतियों को हल करके सभी व्यवसायों के लिए इसे सरल बनाना है। इस प्रकार सरमाउंट लॉजिस्टिक्स ने कर्मचारियों के प्रदर्शन को सम्मानित करते हुए एक महत्वपूर्ण मुकम्मल उदाहरण प्रस्तुत किया है।

2024-25 में पश्चिम बंगाल का राजस्व व्यय, पूंजीगत व्यय से अधिक: रिपोर्ट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल का एक राजकोषीय व्यय रेटिंग एजेंसी की नजर में 2024-25 वित्त वर्ष की पहली छमाही में इसके पूंजीगत व्यय से अधिक हो गया है। रेटिंग एजेंसी के अनुसार इससे राजस्व व्यय और राजकोषीय व्यय के बीच बढ़ते असंतुलन का पता चलता है, जो भारतीय राज्यों में देखे गए व्यापक रुझानों के अनुरूप है। रे टिंग एजेंसी की ताजा रिपोर्ट में बताया गया है कि पश्चिम बंगाल ने राजस्व व्यय में 13.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है, जबकि पूंजीगत व्यय केवल 7.7 प्रतिशत बढ़ा है। रिपोर्ट में इस वृद्धि की जिम्मेदार कारण चुनावी वादों के लिए मुफ्त उपहार, आय सहायता और ऋण माफी को लागू करना बताया गया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 की पहली छमाही में पश्चिम बंगाल के राजस्व व्यय मजबूत रहा है और यह अन्य राज्यों की तुलना में उत्तम है। कुल मिलाकर, राज्यों ने वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में अपने बजटीय राजस्व व्यय का 41.5 प्रतिशत उपयोग किया है, जो वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही की तुलना में थोड़ा अधिक है।

प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण ढांचे में सुधार की मांग: सीआईआई

पीएसएल ढांचे में उभरते क्षेत्रों को शामिल किए जाने की सिफारिश

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) ने भारत के प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण (पीएसएल) ढांचे में महत्वपूर्ण सुधार किए जाने का अनुरोध किया है। उद्योग संगठन ने सुझाव दिया है कि इससे देश की उभरती आर्थिक प्राथमिकताओं के साथ बेहतर तालमेल हो सकता है। सीआईआई ने उभरते हुए क्षेत्रों को समर्थन देने के लिए अधिक विकास वित्त संस्थानों (डीएफआई) की स्थापना का भी आह्वान किया है। प्राथमिकता क्षेत्र के ऋण में बैंकों को अपने ऋण का एक हिस्सा महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कृषि, शिक्षा, आवास और छोटे उद्योगों के लिए रखना होता है। सीआईआई के एक व रिष्ठ अ धिकारी ने बताया कि पीएसएल ढांचा सफल रहा है, लेकिन इसे नए सिरे से दुरुस्त करने की जरूरत है। उन्होंने भी जोर दिया कि पीएसएल आवंटन में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में विभिन्न क्षेत्रों के बदलते योगदान और उनके विकास की क्षमता नजर आनी चाहिए। सीआईआई ने पीएसएल ढांचे में उभरते क्षेत्रों को शामिल किए जाने की सिफारिश की है, जिससे सतत विकास सुनिश्चित हो सके। उद्योग संगठन ने बुनियादी ढांचे और नवोन्मेषी विनिर्माण पर ही ध्यान देने को भी दिया है। सीआईआई की प्रस्तावित श्रृंखला में उद्योग संगठन ने ऋण वितरण में परिणाम-आधारित व्यवस्था में बदलाव की भी सिफारिश की है। उसका कहना है कि विकासात्मक परिणामों पर ज्यादा ध्यान देने पर जोर दिया जाए। इस प्रपोजल का मकसद भारत के विकास में महत्वपूर्ण उच्च विकास वाले क्षेत्रों को समर्थन करना है, जिससे देश का आर्थिक उद्यमिता और स्थिरता बनाए रह सके।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुम्बई।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। आज सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी होने से भी बाजार उछला है। निचले स्तर पर शेयरों की लिवाली और वैश्विक बाजारों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला।

इसके अलावा, आईटीसी, एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में तेज लिवाली से भी बाजार को समर्थन मिला।

सेंसेक्स के तीस शेयरों में से आईटीसी, टेक महिंद्रा, एचडीएफसी बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, इंडसइंड बैंक, टाइटन, भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक सबसे अधिक लाभ में रहे। दूसरी तरफ नुकसान में रहने वाले शेयरों में जोमैटो, मारुति, नेस्ले, एचसीएल टेक, बजाज फिनसर्व और टाटा मोटर्स शामिल हैं।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 499 अंक की तेजी के साथ 78,540 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 166 अंक की बढ़त के साथ 23,753.45 के स्तर पर बंद हुआ।

आज के कारोबार में निफ्टी के जिन शेयरों में सबसे अधिक बढ़त हुई उसमें जेएसडब्यू स्टील पहले नंबर पर रही। ये 2.15 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 937 के लेवल पर बंद हुए जबकि आईटीसी 2.07 फीसदी बढ़कर 474 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं हिंडाल्को के शेयर 1.85 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 634 के स्तर पर बंद हुआ, इंडसइंड बैंक 1.75 फीसदी उछाल के साथ 946 के स्तर पर बंद हुआ जबकि ट्रेंट के शेयर 1.68 फीसदी की बढ़त के साथ ही 6,946 के स्तर पर बंद हुए।

वहीं सबसे अधिक की गिरावट हीरो मोटोकोप के शेयरों में आई है। इसके शेयर आज 1.50 फीसदी नीचे आकर 4,275 के लेवल पर बंद हुए, जबकि मारुति 0.84 फीसदी नीचे आकर 10,810 के लेवल पर बंद हुए।

इसके बाद, एचसीएल टेक के शेयर 0.55 फीसदी नीचे आकर 1,901 के स्तर पर बंद हुए, जबकि एचडीएफसी लाइफ के शेयर 0.53फीसदी की गिरवट के साथ 620.50 के स्तर पर बंद हुए। बजाज फिनसर्व के शेयर 0.43 फीसदी गिरावट के साथ 1,563 के स्तर पर बंद हुए।

आज के कारोबार में बैंकिंग क्षेत्र में अच्छी बढ़त दिखी। बैंक निफ्टी 1.10 फीसदी उछलकर 51,318 के स्तर पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी मेटल 0.89 फीसदी बढ़ोतरी के साथ 8,891 के लेवल पर बंद हुआ। इसके बाद,निफ्टी फॉर्मा 0.31 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 22,572 के लेवल पर बंद हुआ. निफ्टी आईटी इंडेक्स में 0.13 फीसदी की तेजी आई है और यह 43,828 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी ऑटो 0.10 फीसदी की गिरावट के साथ 22,558 के स्तर पर बंद हुआ.

अन्य एशियाई बाजारों की बात करें तो दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की और हॉन्ग कॉन्ग का हैंगसेंग बढ़त में, जबकि चीन का शंघाई कम्पोजिट नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में ज्यादातर में गिरावट का रुख रहा। अमेरिकी बाजारों में शुक्रवार को तेजी थी। इससे पहले, पिछले पांच कारोबारी सत्रों में बीएसई सेंसेक्स 4,091.53 अंक टूटा था, जबकि एनएसई निफ्टी 1,180.8 अंक के नुकसान में रहा था।

इससे पहले आज सुबह बाजार बड़े उछाल के साथ खुले। एक्सचेंज के दोनों प्रमुख इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी में बढ़त देखी है। अन्य बाजारों में तेजी, मेटल स्टॉक्स में खरीदारी और अमेरिका के मुद्रास्फीति आंकड़े अच्छे रहने के चलते बाजार में उछाल देखने को मिल रहा है। सेंसेक्स 400 से ज्यादा अंक चढ़कर 78,488.64 पर खुला। इसी तरह निफ्टी-50 भी 150 से ज्यादा अंक का उछाल लेकर 23,738.20 अंक पर खुला।

टेस्ला ने फिर गाड़ियों को तकनीकी खामियों के कारण किया रिकॉल

नई दिल्ली।

एक बार फिर टेस्ला कंपनी ने अपनी गाड़ियों में तकनीकी खामियों के चलते रिकॉल किया है। इस रिकॉल में मॉडल 3, मॉडल वाय और साइबरट्रक जैसे लोकप्रिय मॉडल शामिल हैं। इस बार कंपनी ने टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम (टीपीएमएस) में खराबी की वजह से अमेरिका में 6.94 लाख से अधिक वाहनों को वापस बुलाया है। रिकॉल का कारण टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम की चेतावनी लाइट का काम न करना है। यह लाइट टायर के हवा के प्रेशर में गड़बड़ी की स्थिति में ड्राइवर को सतर्क करती है। चेतावनी लाइट के न जलने से टायर में कम या अधिक हवा होने का पता नहीं चल पाता, जिससे दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। इसके अलावा, अधिक प्रेशर से टायर फटने की भी आशंका रहती है। टेस्ला ने घोषणा की है कि इस समस्या को ओवर-द-एयर (ओटीए) सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिए हल किया जाएगा। यह प्रक्रिया डिजिटल रूप से गाड़ियों के सॉफ्टवेयर को अपडेट कर देगी, जिससे किसी भौतिक हस्तक्षेप की आवश्यकता नहीं होगी।

रिकॉल मैनेजमेंट फर्म बीझीकार की रिपोर्ट के अनुसार, 2024 की पहली तीन तिमाहियों में अमेरिका में जितने वाहन रिकॉल किए गए, उनमें से 21 प्रतिशत टेस्ला के थे। इस साल साइबरट्रक को ही छह बार बाजार से वापस बुलाया गया है। लगातार हो रहे रिकॉल से टेस्ला की विश्वसनीयता पर सवाल उठ रहे हैं। हालांकि, कंपनी का दावा है कि वह अपने सॉफ्टवेयर अपडेट्स के जरिए समस्याओं को जल्दी हल करने में सक्षम है।

जीएसटी काउंसिल अब पुरानी कार बेचने पर भी वसूलेगा टैक्स

- 18 फीसदी जीएसटी लागू किया जाएगा

नई दिल्ली। जीएसटी काउंसिल ने हाल ही में एक नया नियम लागू किया है, जिसके अनुसार अब कारों की बिक्री पर 18 फीसदी जीएसटी लागू किया जाएगा। इसका अर्थ है कि कार के खरीद मूल्य और बिक्री मूल्य के बीच के मार्जिन पर जीएसटी लागू होगा। यदि कोई व्यक्ति कार खरीदता है और उसे उसे कम कीमत पर बेचता है, तो भी टैक्स वसूला जाएगा। इस नियम से वाहन उद्योग और व्यापारियों के बीच चर्चा हो रही है। जबकि जीएसटी काउंसिल इसे पारदर्शिता और सटीक टैक्स वसूली के लिए एक कदम बताता है, तो कई व्यापारियों और उपभोक्ताओं ने इसे सवालों से घेर दिया है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह नियम जीएसटी के माध्यम से है, न कि कैपिटल गेन टैक्स से। यह नया नियम संपत्ति के लाभ या नुकसान पर वस्तु और सेवा पर कर लगाने का है, जिससे आम लोगों और व्यापारियों के बीच असमंजस का सिलसिला जारी है।

सेमीकंडक्टर स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजीज ने जुटाए 80 लाख डॉलर

- कंपनी निवेश का उपयोग अपने विस्तार के लिए करेगी

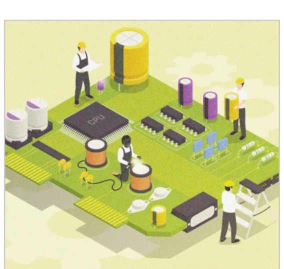

नई दिल्ली।

फैबलेस सेमीकंडक्टर डिजाइन स्टार्टअप माइंडग्रोव टेक्नोलॉजिज ने ए श्रृंखला राउंड में 80 लाख डॉलर जुटाए हैं। इस रकम का उपयोग कंपनी अपने कार्यबल का विस्तार करने और अपनी इन हाउस इंजीनियरिंग क्षमताओं को बढ़ाने में करेगी। कंपनी ने यह जानकारी दी है। इस दौर का सह नेतृत्व रॉकेटशिप वीसी और स्पेशियल इन्वेस्ट ने किया। निवेश से कंपनी को अपने पहले चिप के उत्पादन और बिक्री बढ़ाने में भी मदद मिलेगी। इस साल शुरुआत में मई 2024 में कंपनी ने सिक्योर आईओटी पेश किया था, जो भारत का पहला वाणिज्यिक ग्रेड उच्च प्रदर्शन माइक्रोकंट्रोलर एसओसी (सिस्टम ऑन चिप) और 28 एनएम पर तैयार किया गया। इसे उन इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज के लिए डिजाइन किया गया है जो घड़ियां, मीटर, ताले और एक्सेस कंट्रोल यूनिट को स्मार्ट में बदल रही हैं। साथ ही साथ प्रिंटर और प्वाइंट ऑफ सेल (पीओएस) मशीनों जैसी पावर डिवाइसों में यह काम आता है। चिप के अगले साल के मध्य तक बाजार में आने की संभावना है। इसके अलावा, माइंडग्रोव को भारत सरकार की सेमीकंडक्टर डिजाइन से जुड़ी प्रोत्साहन (डीएलआई) योजना के तहत एक नई चिप, विजन एसओसी तैयार करने के लिए भी 15 करोड़ रुपये की मंजूरी मिली है।

सरकार की नई योजना: बिना गारंटी मिलेगा 20 लाख तक का होम लोन!

- केंद्र सरकार जल्द ही नई होम लोन स्कीम का कर सकती है ऐलान

नई दिल्ली।

सरकार ने मध्यम और निम्न आय वर्ग के लोगों के लिए घर खरीदना और भी आसान बनाने के लिए एक नई योजना शुरू की है। इस स्कीम के तहत बिना गारंटी और कम दस्तावेजों के आधार पर लोगों को 20 लाख रुपये तक का होम लोन प्रदान किया जाएगा। यह योजना खासकर उन लोगों के लिए बनाई जा रही है, जिनके पास नियमित इनकम के प्रमाण नहीं है या जिनके पास संपत्ति गिरवी रखने का विकल्प नहीं है। सूत्रों के मुताबिक केंद्र सरकार जल्द ही इस नई होम लोन स्कीम का ऐलान कर सकती है। इस योजना के अंतर्गत ऋण अवधि 30 साल तक और न्यूनतम ब्याज दरों का प्रावधान होगा। लोन राशि पर 70 फीसदी तक की सरकारी गारंटी भी दी जाएगी। इसके साथ ही, 6.5 फीसदी तक की ब्याज सब्सिडी का भी प्रावधान होगा। यह कदम न केवल घर की मांग को बढ़ाएगा,

बल्कि लाखों लोगों के घर के सपनों को पूरा करने में मदद करेगा। इस योजना के माध्यम से, आवास सेक्टर को पुनर्जीवित करने में मदद मिलेगी और समृद्धि को बढ़ावा मिलेगा।

प्याज का एक महीने में 50 फीसदी गिरा थोक भाव

- प्याज की कीमतें 4000 रुपए प्रति क्विंटल से गिरकर 2000 रुपए प्रति क्विंटल हुई

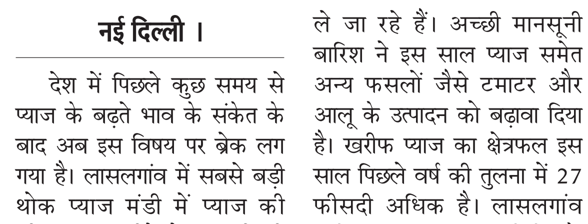

नई दिल्ली।

देश में पिछले कुछ समय से प्याज के बढ़ते भाव के संकेत के बाद अब इस विषय पर ब्रेक लग गया है। लासलगांव में सबसे बड़ी थोक प्याज मंडी में प्याज की कीमत एक महीने में 50 फीसदी गिर गई है। पिछले महीने तक जहां प्याज की कीमतें 4000 रुपए प्रति क्विंटल थीं, वहीं रविवार को यह 2000 रुपए प्रति क्विंटल हो गई। नई खरीफ फसल की आवक से प्याज का मार्केट में भाव गिर रहा है।

व्यापारियों का कहना है कि महाराष्ट्र, गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख प्याज उत्पादक क्षेत्रों में नए प्याज की आवक बढ़ने से रेट और भी गिर सकते हैं। प्याज व्यापारियों का कहना है कि खरीफ फसल का प्याज अधिक नमी के कारण लंबे समय तक भंडारित नहीं किया जा सकता, इसलिए किसान भरपूर उत्पादन के बावजूद इसे खुदाई के साथ ही बाजार में ले जा रहे हैं। अच्छी मानसूनी बारिश ने इस साल प्याज समेत अन्य फसलों जैसे टमाटर और आलू के उत्पादन को बढ़ावा दिया है। खरीफ प्याज का क्षेत्रफल इस साल पिछले वर्ष की तुलना में 27 फीसदी अधिक है। लासलगांव कृषि उत्पाद बाजार समिति के निदेशक ने बताया कि महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात जैसे प्रमुख उत्पादक राज्यों में प्याज की बढ़ती आवक से मंडी भाव गिर रहे हैं। इसके बावजूद, सरकार ने प्याज के निर्यात पर 20 फीसदी शुल्क लगाया है। निर्यात शुल्क की कटौती की मांग हो रही है और उम्मीद है कि इससे मांग और कीमतें बढ़ सकती हैं। खरीफ फसल की मजबूत आवक से अगले कुछ हफ्तों में खुदरा कीमतों में और नरमी आने की उम्मीद है। यहां भी पुरानी संगतियों के अनुसार प्याज की खुदरा कीमतें 60 रुपए प्रति किलोग्राम से घटकर 40 रुपए प्रति किलोग्राम हो गई हैं।

एसआईपी ग्रोथ में इंडेक्स फंड उच्च स्तर पर

- एक साल में 85 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी

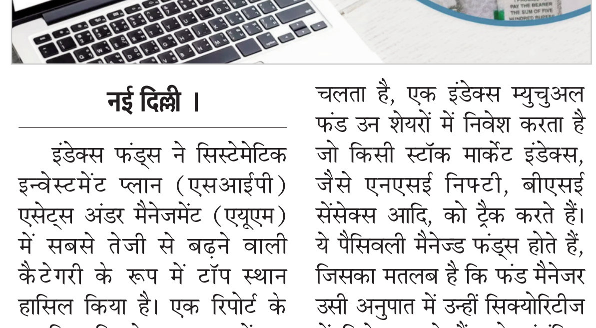

नई दिल्ली।

इंडेक्स फंड्स ने सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में सबसे तेजी से बढ़ने वाली कैटेगरी के रूप में टॉप स्थान हासिल किया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में इस कैटेगरी में 85 फीसदी की जोरदार बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसी अवधि के दौरान लाइव एसआईपी खातों में भी 80 फीसदी की ग्रोथ देखी गई, जो निवेशकों के बीच पैसिव इन्वेस्टमेंट स्ट्रैटजी की बढ़ती लोकप्रियता को दर्शाता है। रिपोर्ट के मुताबिक इंडेक्स फंड्स के लिए औसत एसआईपी टिकट साइज व्यापक म्युचुअल फंड उद्योग के समान है। हालांकि, इंडेक्स फंड्स की ग्रोथ रेट 14 फीसदी रही, जो उद्योग की कुल 8 फीसदी की ग्रोथ रेट से काफी अधिक है। जैसा कि नाम से पता चलता है, एक इंडेक्स म्युचुअल फंड उन शेयरों में निवेश करता है जो किसी स्टॉक मार्केट इंडेक्स, जैसे एनएसई निफ्टी, बीएसई सेंसेक्स आदि, को ट्रैक करते हैं। ये पैसिवली मैनेज्ड फंड्स होते हैं, जिसका मतलब है कि फंड मैनेजर उसी अनुपात में उन्हीं सिक्योरिटीज में निवेश करते हैं, जो संबंधित इंडेक्स में होती है, और पोर्टफोलियो कम्पोजिशन में कोई बदलाव नहीं करते। ये फंड उस इंडेक्स के बराबर रिटर्न देने का प्रयास करते हैं जिसे वे ट्रैक करते हैं। सितंबर 2024 तक इंडेक्स फंड्स के कुल एयूएम में से 60 फीसदी से ज्यादा हिस्सेदारी खुदरा निवेशकों की है, जबकि बाकी हिस्सा कॉरपोरेट्स और अन्य संस्थानों के पास है। यह दर्शाता है कि रिटेल निवेशक इंडेक्स फंड्स को एक सरल और किफायती निवेश विकल्प के रूप में तेजी से अपना रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय महिला टीम ने वेस्टइंडीज को रिकार्ड 211 रनों से हराया

वडोदरा (एजेंसी)। स्मृति मंधाना (91), हरलीन देओल (44) और प्रतिका रावल (40) की शानदार बल्लेबाजी के बाद रेणुका सिंह (पांच विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारतीय महिला टीम ने रविवार को पहले एकदिवसीय मुकाबले में वेस्टइंडीज को रिकार्ड 211 रनों से हरा दिया। इसी के साथ भारतीय टीम ने सीरीज में 1-0से बढ़त बना ली हैं।

भारत के 314 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने मात्र 11 के स्कोर अपने चार विकेट गवां दिये। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण के आगे वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज और किआना जोसेफ बिना खाता खोले ही पवेलियन लौट गई। डिएंड्रा डॉटिन (आठ) और रशादा विलियम्स (तीन) रन बनाकर आउट हुई। इसके बाद शमैन कैंपबेल और आलिया ऑलेन ने पारी संभालने का प्रयास किया। 11वें ओवर में रेणुका ने आलिया ऑलेन (13) को आउट कर साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद रेणुका ने शबीका गजनबी (तीन) बोल्ड कर अपना चौथा और भारत के लिए छठा विकेट झटका। जायडा जेम्स (नौ), करिश्मा रामहैरक (11), शमिला कॉनेल (आठ) और शमैन कैंपबेल (21) रन बनाकर आउट हुई। ऐफी फ्लेचर ने टीम के लिए सर्वाधिक (नाबाद 24) रनों की पारी खेली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को26.2 ओवर में 103 रन पर ढ़ेर कर मुकाबला रिकार्ड 211 रनों से जीत लिया। भारत की ओर रेणुका सिंह ने पांच विकेट लिये। प्रिया मिश्रा को दो विकेट मिले। तितास साधु और दीप्ति शर्मा ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले आज वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल की भारतीय सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 110रनों की साझेदारी की। 24वें ओवर में हेली मैथ्यूज ने प्रतिका रावल (40) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। 32वें ओवर में जायडा जेम्स ने स्मृति मंधाना को आउट कर भारतीय टीम को दूसरा झटका दिया। स्मृति मंधाना अपने शतक के करीब थी। उन्होंने 102 गेंदों में 13 चौके लगाते हुए (91) रनों की पारी खेली। हरलीन देओल ने 50 गेंदों में दो चौके और एक छक्का लगाते हुए (44) रन बनाये। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 23 गेंदों में तीन चौके और एक छक्के की मदद से (34) रन बनाये। ऋचा घोष 13 गेंदों में (26), जेमिमाह रॉड्रिग्स 19 गेंदों में (31) रन बनाकर आउट हुई। आखिरी ओवरों में जायडा जेम्स ने चार विकेट झटकर भारतीय टीम को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। दीप्ति शर्मा 12 गेंदों में (14) रन बनाकर नाबाद रही।

भारतीय टीम ने निर्धारित 50 ओवरों में नौ विकेट पर 314 रनों का स्कोर खड़ा किया। वेस्टइंडीज की ओर जायडा जेम्स ने आठ ओवरों में 24 रन देकर पांच विकेट झटके। हेली मैथ्यूज को दो विकेट मिले। डिएंड्रा डॉटिन ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

2025 जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। साल 2025 में भारत जूनियर विश्व कप निशानेबाजी की मेजबानी करेगा। विश्व कप निशानेबाजी में राइफल, पिस्टल और शॉटगन की प्रतियोगिताएं। यह हाल के दिनों में का तीसरा शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) का टूर्नामेंट होगा जो भारत में आयोजित किया जाएगा। राष्ट्रीय महासंघ के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, ''पिछले महीने रोम में आईएसएसएफ की कार्यकारी समिति की एक सार्थक बैठक हुई थी और सभी सदस्य महासंघों के अलावा आईएसएसएफ अध्यक्ष लुसियानो रॉसी ने भारत की शीर्ष अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी प्रतियोगिताओं की मेजबानी करने और खेल को वैश्विक स्तर पर आगे बढ़ाने में सहायता करने के तरीके की प्रशंसा की थी।''उन्होंने कहा, ''हमें तब इसकी उम्मीद थी पर अब जब मेजबानी मिलने की आधिकारिक पुष्टि हो गई है तो हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए उत्साहित हैं। '' वहीं भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के महासचिव सुल्तान सिंह ने कहा, ''आईएसएसएफ ने अपने पत्र में हमसे दो संभावित समय की पुष्टि करने का अनुरोध किया है जिसमें एक सितंबर-अक्टूबर में और दूसरा अक्टूबर के अंत तथा नवंबर की शुरुआत के दौरान है। हम आंतरिक रूप से बैठक के बाद शीघ्र ही उन्हें इसके बारे में बताएंगे जिससे सदस्य महासंघ इसके अनुसार तैयारी कर सकें।'' इससे पहले भारत ने दो महाद्वीपीय चैंपियनशिप और छह आईएसएसएफ प्रतियोगिताओं की मेजबानी की थी जिसमें दो विश्व कप फाइनल प्रतियोगिताएं और चार सीनियर आईएसएसएफ विश्व कप शामिल हैं। साल 2023 में सीनियर विश्व कप भी भारत में हुआ था।

रोहित में आत्मविश्वास की कमी, वह खुद पर संदेह करते हैं : संजय मांजरेकर

मेलबर्न (एजेंसी)। मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में होने वाले बॉक्सिंग डे टेस्ट के करीब आते ही पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने आलोचनाओं से घिरे कप्तान रोहित शर्मा को ऑस्ट्रेलिया के मजबूत गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी शैली पर पुनर्विचार करने को कहा है। इस साल टेस्ट क्रिकेट में निरंतरता के लिए संघर्ष कर रहे शर्मा को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारत के अभियान में सार्थक योगदान देने के लिए अपने दृष्टिकोण को फिर से समायोजित करने की आवश्यकता है, जो वर्तमान में 1-1 से बराबर है।

2024 में टेस्ट क्रिकेट में रोहित का फॉर्म निराशाजनक रहा है। 13 मैचों में उनका औसत 26.39 है, जो उनके आम तौर पर विश्वसनीय मानकों से काफी कम है। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के कारण श्रृंखला के पहले टेस्ट से चूक गए लेकिन एडिलेड में गुलाबी गेंद के टेस्ट के लिए लौटने के बाद दो पारियों में केवल 9 रन ही बना सके। ब्रिसबेन के बारिश से प्रभावित तीसरे टेस्ट में उन्होंने नंबर 6 पर बल्लेबाजी की और अपने एकमात्र आउटिंग में सिर्फ 10 रन बनाए।

मांजरेकर ने कहा, 'उसने वह बड़ा खेल खेला है। दक्षिण अफ्रीका में उसने एक पारी में ऐसा खेला था, जिसमें एक छोटा लक्ष्य था और पीछे चले गए, और रोहित शर्मा वास्तव में अच्छा दिखे। लेकिन ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच में गेंदबाजों से वह जूझ रहे हैं, सभी शानदार गेंदबाजी कर रहे हैं, उन लोगों का सामना करना आसान नहीं है क्योंकि उनके शॉट वास्तव में उच्च जोखिम वाले शॉट हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में भी गेंदबाजों को परेशान करने के लिए ऐसा करने की कोशिश की, लेकिन आक्रामक शॉट खेलते हुए आउट हो गए।'

मांजरेकर ने कहा, 'उसमें आत्मविश्वास की कमी है और वह खुद पर संदेह करता है। जब वह न्यूजीलैंड के खिलाफ उस घरेलू श्रृंखला में खेले और भारतीय पिचों पर उनका डिफेंस टूट रहा था, तो यह थोड़ा चौंकाने वाला था।' मांजरेकर के अनुसार, शर्मा की ठोस रक्षात्मक नींव पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थता टेस्ट क्रिकेट में महंगी पड़ रही है। उन्होंने रोहित के मौजूदा संघर्षों की तुलना 2021 के इंग्लैंड दौरे के दौरान उनके प्रदर्शन से की, जहां उन्होंने अनुशासन और रक्षा-उन्मुख दृष्टिकोण के साथ बल्लेबाजी की। 2021 में रोहित ने इंग्लैंड में एक असाधारण टेस्ट सीरीज खेली, जिसमें उन्होंने 42 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए।

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम ने न्यूजीलैंड को 75 रनों से हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। एश्ले गार्डनर (74), फोबे लिचफील्ड (50) रनों की अर्धशतकीय पारी के बाद एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग (तीन-तीन विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम ने सोमवार को तीसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड को 75 रनों से हरा दिया हैं। इसी के साथ ऑस्ट्रेलिया ने तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज 2-0 से अपने नाम कर ली। एनाबेल सदरलैंड को उनके शानदार प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' और प्लेयर ऑफ द सीरीज' से नवाजा गया।

ऑस्ट्रेलिया के 290 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड के लिए बेला जेम्स और अमेलिया केर की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये 43 रन जोड़े। नौवें ओवर में सदरलैंड ने बेला जेम्स (24) को बोल्ड कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद अमेलिया केर ने सूजी बेट्स के साथ मोर्चा संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिय 63 रनों की साझेदारी हुई। 20वें ओवर में सदरलैंड ने सूजी बेट्स (53)को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अगले ही ओवर में अमेलिया केर (22) रनआउट होकर पवेलियन लौट गई। इसके बाद कप्तान सोफी डिवाइन (25), ब्रुक हैलीडे (27) रन बनाकर आउट हुई। मैडी ग्रीन 35 गेंदों में (39) रन बनाकर नाबाद रही। न्यूजीलैंड के निचले क्रम का कोई भी बल्लेबाज ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजी आक्रमण के आगे नहीं टिक सका। न्यूजीलैंड की पूरी टीम 43.3 ओवर में 215 के स्कोर पर सिमट गई। ऑस्ट्रेलिया के लिए एनाबेल सदरलैंड और अलाना किंग ने तीन-तीन विकेट लिये। किम गर्थ और डार्सी ब्राउन ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। एलिसा हीली और फोबे लिचफील्ड की ऑस्ट्रेलियाई सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 88 रन जोड़े। 15वें ओवर में अमेलिया केर ने हीली (39) को आउट कर न्यूजीलैंड को पहली सफलता दिलाई। फोबे लिचफील्ड (50) को रोजमेरी मैयर ने आउट किया। एलीस पेरी (14), बेथ मूनी (दो), एनाबेल सदरलैंड (42)रन बनाकर आउट हुई। एश्ले गार्डनर ने 62 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (74) रनों की पारी खेली। ताहलिया मैकग्राथ, किम गार्थ (10-10) रन बनाकर आउट हुई। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलिया की महिला टीम को 49 ओवर में 290 के स्कोर पर समेट दिया।

न्यूजीलैंड की ओर से अमेलिया केर ने चार और रोजमैरी मेयर ने तीन विकेट लिये। सोफी डिवाइन ने दो बल्लेबाजों को आउट किया।

रोहित शर्मा ठीक, मेलबर्न टेस्ट में खेलेंगे : आकाशदीप

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा तेज गेंदबाज आकाशदीप ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा ठीक हैं और 26 दिसंबर से यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में खेलेंगे। इससे पहले रविवार को अभ्यास के दौरान रोहित के अलावा बल्लेबाज केएल राहुल और स्वयं आकाशदीप को भी चोट लगी थी पर उन्होंने मीडिया से बात करने के दौरान कहा कि इस प्रकार की चोट लगती रहती हैं और ये भी खेल का एक हिस्सा है। इसमें चिन्ता की कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा, जब आप क्रिकेट खेलते हैं तो ऐसी चोटें तो लगती रहती हैं। मुझे लगता है ये अभ्यास विकेट सफेद गेंद के लिए थी, यही वजह थी कि कई बार गेंद नीचे रह रही थी। लेकिन ये सब अभ्यास सत्र में सामान्य बात है, किसी भी तरह की कोई गंभीर समस्या नहीं है। रोहित को रविवार को अभ्यास के दौरान घुटने में गेंद लगी थी जिसके बाद वह आइस पैक लगाकर बैठे दिखे थे। रोहित और राहुल के अलावा अभ्यास सत्र में यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली और शुभमन गिल भी नई गेंद से अभ्यास करते दिखे। रोहित स्पिन गेंदबाजी के खिलाफ अभ्यास कर रहे थे, जहां वह पुल शॉट खेलने के प्रयास में चोटिल हो गये। अभ्यास सत्र खत्म होने तक रोहित ठीक नजर आ रहे थे और वह आराम से कोच और टीम के साथियों के साथ बात करते हुए चल रहे थे। वहीं राहुल को दाहिने हाथ पर और आकाश दीप को भी बल्लेबाजी के दौरान हाथ में चोट लगी थी। लेकिन मीडिया से बात करने के बाद उन्होंने इस चोट को मामूली करार दिया।

बॉक्सिंग डे टेस्ट में शुभमन पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव रहेगा

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की नजरें यहां एमसीजी मैदान पर 26 दिसंबर बॉक्सिंग डे पर शुरु हो रही चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में बेहतर प्रदर्शन पर रहेंगी। शुभमन अब तक इस सीरीज में एक बार भी बड़ा स्कोर नहीं बना पाये हैं। एशियाई देशों के बाहर अब तक उनका रिकार्ड अच्छा नहीं रहा है जिससे भी वह बेहतर करना चाहेंगे। साल 2022 के बाद से ही एशिया के बाहर उनका प्रदर्शन बेहद निराशाजनक रहा है। शुभमन ने साल 2021 ब्रिसबेन टेस्ट के बाद से ही 16 पारियों में 17.80 की औसत से 267 रन बनाए हैं। साल 2021 में गिल ने 146 गेंदों में 91 रन की दमदार पारी खेली थी लेकिन उसके बाद से ही उनका

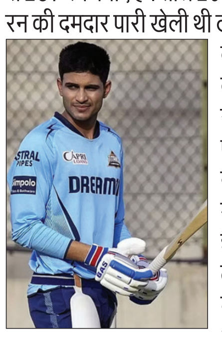

बल्ला खामोश है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जारी टेस्ट सीरीज में शुभमन तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर रहे हैं लेकिन तीन पारियों में वह उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट गिल ने नहीं खेला था। लेकिन दूसरे टेस्ट में वह अंतिम ग्यारह का हिस्सा थे और सिर्फ 59 रन ही बना सके। पहली पारी में 31 और दूसरी पारी में उन्होंने 28 रन ही बनाए। बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। सीरीज के शुरुआती तीन मैच खेले जा चुके हैं। पर्थ में खेला गया पहला टेस्ट भारत ने जीता जबकि उसके बाद एडिलेड टेस्ट में उसे हार झेलनी पड़ी तो गाबा टेस्ट ड्रॉ रहा। वहीं भारतीय बल्लेबाज इस सीरीज में अभी तक विफल रहे हैं। शुभमन की खराब फॉर्म भी टीम के लिए चिंता का विषय बन गई है। आने वाले समय को देखते हुए भारतीय क्रिकेट को शुभमन गिल, यशस्वी जायसवाल जैसे युवा खिलाड़ियों से ही उम्मीदें रहेंगी। शुभमन में सभी को टीम का भविष्य नजर आता है। यही कारम है कि उन्हें टीम में लगातार अवसर मिलते रहते हैं।

पाकिस्तान ने वर्षा बाधित मैच में दक्षिण अफ्रीका को 36 रनों से हराया

जोहान्सबर्ग (एजेंसी)। सैम अयूब (101) की शतकीय, बाबर आजम (52) और कप्तान मोहम्मद रिजवान (53) की अर्धशतकीय पारियों के बाद सुफिया मकिम की शानदार गेंदबाजी की बदौलत पाकिस्तान ने रविवार को वर्षा बाधित तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हरा दिया। इसी जीत के साथ ही पाकिस्तान ने तीन मैचों की श्रृंखला 3-0 से अपना नाम कर ली।

309 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने सात ओवर में 44 रन पर अपने नो विकेट गंवा दिए। कप्तान तेम्बा बवूमा (आठ) और टोनी डीजॉर्जी (26)रन बनाकर आउट हुये। रासी वान दर दुसें (35) और एडन मारक्रम (19) रन बनाकर आउट हुये। द. अफ्रीका की ओर से हेनरिच क्लासेन ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया। क्लासेन 43 गेंद में 12चौके और दो छक्के लगाते हुए (81) रन बनाए। पाकिस्तानी गेंदबाजी आक्रमण के आगे द. अफ्रीका के नियमित अंतराल पर विकेट गिरते रहे। मार्को यानसन (26) और कगिसो रबाड़ा (14) रन बनाकर आउट हुये। कोरिन बोश ने (नाबाद 40) रनों की पारी खेली। द. अफ्रीका 42 ओवर में 271 रन बना सका और उसे डकवर्थ लुइस नियम के आधार पर 36 रनों से हार का सामना करना पड़ा।

पाकिस्तान के लिए इस मैच में पर्दापण करने वाले सुफियान मुकीम ने सबसे ज्यादा चार विकेट लिये। शाहीन शाह अफरीदी और नसीम शाह को दो-दो विकेट मिले। मोहम्मद हसनैन और सैम अयूब ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इस मैच में जीत दर्ज करते ही पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका को उसी के घर में क्लीन स्वीप करने वाली विश्व की पहली टीम बन गई। पाकिस्तान के सैम अयूब को उनकी शानदार बल्लेबाजी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच और 'प्लेयर ऑफ सीरीज' से नवाजा गया। इससे पहले कल देर रात पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए दक्षिण अफ्रीका को जीत के लिए 309 रनों का लक्ष्य दिया था। दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बारिश के कारण मैच को 47 ओवर का कर दिया गया था। बल्लेबाजी करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने पहले ही ओवर में अब्दुल्लाह शफीक (शून्य) का विकेट गवां दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये बाबर आजम ने सैम अयूब के साथ पारी को संभाला। दोनों बल्लेबाजों के बीच दूसरे विकेट के लिये 114 रनों की साझेदारी हुई। 23वें ओवर में वेना मफाका ने बाबर आजम (52) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद बल्लेबाजी करने कप्तान ने भी सैम का साथ पकड़ लिया। 35वें ओवर में कॉर्बिन बॉश ने सैम अयूब को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को तीसरी सफलता दिलाई। अयूब ने 94 गेंदों में 13 चौके और दो छक्कों की मदद से (101) रनों की पारी खेली। मोहम्मद रिजवान ने 52 गेंदों में पांच चौके एक छक्का लगाते हुए (53)रन बनाये। आगा सलमान ने 33 गेंदों में तीन चौके और दो छक्के लगाते हुए (48) रन बनाये। शाहीन शाह अफरीदी (शून्य) को रबाड़ा ने अपना शिकार बनाया। तय्यब ताहिर (28) और मोहम्मद हसनैन (चार) रन बनाकर आउट हुये। इन दोनों को मार्को यानसन ने आउट किया। नसीम शाह पांच रन बनाकर नाबाद रहे। पाकिस्तान ने निर्धारित 47 ओवरों में नौ विकेट पर 308 रनों का स्कोर खड़ा किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाड़ा ने तीन बल्लेबाजों को आउट किया। ब्योर्न फोर्टेन और मार्को यानसन ने दो-दो विकेट लिये। वेना मफाका और कॉर्बिन बॉश ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

सिंधु , वैंकट के साथ शादी के बंधन में बंधीं

उदयपुर । भारतीय महिला बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने रविवार को यहां अपने मंगेतर वेंकट दत्ता साई के साथ शादी के बंधन में बंध गयीं। सिंधु ओर वेंकट की शादी पारंपरिक तरीके से परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में हुई। सिंधु के पति वेंकट हैदराबाद में आई टी कंपनी पॉसाइडेक्स टेक्नोलॉजीज के कार्यकारी निदेशक हैं। केन्द्रीय संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत भी शादी में उपस्थित थे और उन्होंने सोशल मीडिया में शादी की पहली तस्वीर साझा की हैं। शेखावत ने लिखा, कल शाम उदयपुर में ओलंपियन सिंधु और वेंकट दत्ता साई के विवाह समारोह में शामिल होकर बहुत खुशी हुई। इस जोड़े को उनके नए जीवन के लिए शुभकामनाएं और आशीर्वाद। जश्न अभी जारी है क्योंकि यह जोड़ा 24 दिसंबर को सिंधु के गृहनगर हैदराबाद में रिसेप्शन पार्टी आयोजित करेगा। सिंधु के पिता ने कहा कि दोनों परिवार एक-दूसरे से अच्छी तरह परिचित हैं, लेकिन शादी की योजना एक महीने के भीतर ही बन गई। जोड़े ने यह तारीख इसलिए चुनी क्योंकि सिंधु अगले साल से शुरू होने वाली ट्रेनिंग और प्रतियोगिताओं में व्यस्त रहेंगी।

पाक क्रिकेटर अयूब ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में शतक लगाकर बनाया रिकार्ड

जोहानसबर्ग । पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज सैम अयूब ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां तीसरे और अंतिम एकदिवसीय में 94 गेंदों में 101 रन बना दिये। उन्होंने अपनी इस पारी में 13 चौके लगाए और 2 छक्के लगाये। यह इस युवा बल्लेबाज के एदिवसीय करियर का तीसरा शतक है। सैम ने पहले मैच में भी शतकीय पारी खेली थी। इस खिलाड़ी ने अपने तीनो शतक इस साल विदेशी धरती पर लगाई हैं। इस प्रकार इस युवा ने अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के एक रिकार्ड की बराबरी की है। इस प्रकार सैम ने एक साल में विदेशी धरती पर एकदिवसीय शतक लगाने के मामले में विराट की बराबरी की है। कोहली ने इससे पहले साल 2018 और 2019 में विदेश में तीन एकदिवसीय शतक लगाये थे। कोहली के अलावा महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने 2001, राहुल द्रविड़ ने 1999, मोहम्मद हफीज ने 2011 और सलीम इलाही ने साल 2002 में विदेशी धरती पर तीन एकदिवसीय शतक लगाये हैं। एक साल में विदेश में सबसे अधिक एकदिवसीय शतक का रिकार्ड रोहित के नाम दर्ज है। उन्होंने 2019 में 6 शतक लगाये थे। उनके बाद सनथ जयसूर्या ने साल 2006 और कुमार संगाकारा ने साल 2015 में पांच-पांच शतक लगाये थे। वहीं सैम के अलावा पाकिस्तान के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीसरे एकदिवसीय में अर्धशतक लगाया। ये उनका एकदिवसीय में 34 वां अर्धशतक है। उनके अब 120 एकदिवसीय पारियों में 5957 रन और उन्हें 6000 रन पूरे करने के लिए केवल 43 रनों की ही जरुरत है।

ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा : शास्त्री

मेलबर्न । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व मुख्य कोच रवि शास्त्री ने कहा है कि भारतीय गेंदबाजों को ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हैड पर अंकुश लगाना होगा। हैड ने अब तक इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो शतक लगाये हैं और सबसे अधिक रन बनाये हैं। शॉर्ट बॉल को जल्दी पहचानने की क्षमता के कारण ही वह बड़े शॉट लगाने में सफल हुए हैं। इस सीरीज की अपनी पहली पारी में 11 रन पर आउट होने के बाद से ही हेड ने अपने अगले तीन मैचों में 89, 140 और 152 रन बनाए हैं। उन्होंने गुलाबी गेंद के दिन-रात्रि टेस्ट में भी अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी जिसमें ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से जीत दर्ज कर 1-1 से बराबरी हासिल की थी। शास्त्री ने कहा कि मुझे लगता है कि वह बहुत चतुर क्रिकेटर है। मैंने उन्हें तीन साल पहले देखा था पर अब लगता है कि उनमें काफी सुधार हुआ है। विशेष रूप से वह जिस तरह शॉर्ट गेंदों को खेलते हैं। पहले वह इस गेंद को खेलने के लिए तैयार रहते थे पर अब उन्होंने इसे छोड़ना भी सीख लिया है। गेंद की 'लाइन एवं लेंथ को जल्दी से परखने की क्षमता हैड को सही स्ट्रोक खेलने का समय देती है। शास्त्री ने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमेशा शॉर्ट गेंद पर बड़ा शॉट लगाना होता है। वह या तो इसे छोड़ने या बड़े शॉट लगाने के लिए तैयार रहते हैं और अगर गेंद मिडिल या ऑफ स्टंप है, तो वह इसे स्कायर के सामने भी मारते हैं। जब वह लय में होते हैं तो उन्हें रोकना कठिन हो जाता है। शास्त्री ने कहा कि वह लेंथ अच्छी तरह पकड़ लेता है। यह उनकी सबसे बड़ी ताकत है। और उनके पास ऑफसाइड के लिए शानदार शॉट होते हैं। इसलिए उन्हें रोकना मुश्किल है। इसके साथ ही वह सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में हैं। भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को ऑस्ट्रेलिया के लगभग हर बल्लेबाज के लिए कठिन रहा है पर हैड ने उनका भी सामना आसानी से किया है। शास्त्री ने कहा कि हम सभी जानते थे कि वह खतरनाक है, इसलिए उसे जल्द से जल्द रोकना जरुरी है।

मोहम्मद शमी को झटका, बड़े टूर्नामेंट से बाहर, बीसीसीआई ने भी कर दिया कंफर्म

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के बाकी बचे 2 टेस्ट मैचों में चयन के लिए फिट नहीं माना गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने सोमवार को बताया कि बाएं घुटने की सूजन की चिंताओं के कारण उन्हें फिलहाल ऑस्ट्रेलिया नहीं भेजा जाएगा। शमी एड़ी की चोट और उसके बाद की सर्जरी के कारण एक साल खेल मैदान से दूर रहे थे। उन्होंने इंदौर में मध्य प्रदेश के खिलाफ रणजी ट्रॉफी में बंगाल के लिए वापसी कर 7 विकेट लिए थे। वह सैयद मुश्ताक अली टी20 ट्रॉफी में भी खेले और 11 मैचों में 7.85 की इकॉनमी रेट से 9 विकेट लिए, जिसमें हैदराबाद के खिलाफ 3-21 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर था।

बीसीसीआई के खेल विज्ञान प्रमुख नितिन पटेल, शक्ति और कंडीशनिंग कोच निशांत बोरदोलोई, चयनकर्ता अजय रात्रा और एसएस दास शमी की फिटनेस पर नजर जमाए हुए थे। शमी के घरेलू क्रिकेट में बढ़िया प्रदर्शन के कारण उनके ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे में शामिल होने की खबरें सामने आई थीं लेकिन इसी बीच बीसीसीआई के संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया के शमी के फिटनेस अपडेट ने इस तेज गेंदबाज की ऑस्ट्रेलिया में आखिरी दो टेस्ट मैच खेलने की सभी उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

सैकिया ने कहा कि शमी के जोड़ों पर बढ़ते भार के कारण उनके बाएं घुटने में मामूली सूजन देखी गई है। लंबे समय के बाद मैदान पर वापसी करना और लगातार ओवर करने के कारण ऐसी सूजन आ ही जाती है। वर्तमान चिकित्सा मूल्यांकन के आधार पर, बीसीसीआई मेडिकल टीम ने निर्धारित किया है कि उनके घुटने को गेंदबाजी भार के नियंत्रित प्रदर्शन के लिए अधिक समय की आवश्यकता है। नतीजतन, उन्हें बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के शेष दो टेस्ट के लिए विचार के लिए उपयुक्त नहीं माना गया है।

सैकिया ने यह भी कहा कि शमी बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में मेडिकल स्टाफ के मार्गदर्शन में लक्षित ताकत और कंडीशनिंग का काम करना जारी रखेंगे। शमी को 21 दिसंबर को हैदराबाद में बंगाल के पहले विजय हजारे ट्रॉफी लीग चरण के मैच से आराम दिया गया था और सैकिया ने कहा कि 50 ओवर की प्रतियोगिता में उनकी भागीदारी उनके बाएं घुटने की प्रगति पर निर्भर करेगी।

ब्रिस्बेन टेस्ट समाप्त होने के बाद भारत के कप्तान रोहित शर्मा ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में शमी की प्रगति के बारे में पूछे जाने पर राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) से शमी की प्रगति पर अपडेट देने को कहा। लेकिन बीसीसीआई ने यह स्पष्ट कर दिया है कि शमी ऑस्ट्रेलिया नहीं जाएंगे, ऑस्ट्रेलिया में भारत के तेज गेंदबाजी विकल्प जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, हर्षित राणा, नितीश कुमार रेड्डी और प्रसिद्ध कृष्णा बने रहेंगे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टूटे हुए कांच के टुकड़ों का कुछ इस तरह से करें रियूज

अक्सर हम सभी टूटे हुए कांच के टुकड़ों को फेंक देते हैं। लेकिन अब जब भी आपको टूटे हुआ कांच मिले तो उसे फेंकने की बजाय उसका नए तरीके से इस्तेमाल करें। आप कांच के टुकड़ों से कई चीजें बना सकती हैं और पुरानी चीजों को नया लुक भी दे सकती हैं। जी हां, यह एक दम सच है। आज हम आपको बताएंगे कि आप टूटे हुए कांच के टुकड़ों से आप क्या-क्या बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसके बारे में।

फ्रेम बनाएं

अगर आप टूटे कांच को फेंक देती हैं तो अगली बार ऐसा न करें क्योंकि आप टूटे हुए कांच से घर की दीवारों को सजा सकती हैं। जी हां, आप कांच के टूटे हुए टुकड़ों से एक बेहद ही सुंदर फ्रेम बना सकती हैं। यह फ्रेम आपके घर की दीवारों की खूबसूरती बढ़ाएगा। साथ ही कुछ सावधानियां बरतते हुए आप आसानी से कांच से फ्रेम बना सकती हैं। चलिए जानते हैं इसे बनाने का तरीका।

आवश्यक सामान

- कैनवास
- कांच के टूटे हुए टुकड़ें
- फैब्रिक पेंट
- ग्लू

बनाने का तरीका

- कांच के टूटे हुए टुकड़ों से फ्रेम बनाने के लिए सबसे पहले आपको एक कैनवास चाहिए होगा। आप कैनवास का साइज अपने घर की दीवार के हिसाब से चुन सकती हैं।
- इसके बाद फ्रेम को अट्रैक्टिव लुक देने के लिए आपको कांच के टुकड़ों को पेंट करना होगा।
- कांच के टुकड़ों को अलग-अलग कलर्स से पेंट कर लें।
- पेंट करने के बाद उन्हें सूखने के लिए कुछ देर हल्की धूप में रख दें।
- जब कांच पर पेंट सूख जाएं इसके बाद व्हाइट कैनवास पर इन्हें ग्लू की मदद से चिपका लें।
- आप चाहें तो कांच के टुकड़ों को किसी पैटर्न में भी चिपका सकती हैं। इससे आपका फ्रेम मीनिंगफुल लगेगा
- लीजिए तैयार है आपका कांच के टुकड़ों से बना फ्रेम।

टेबल टॉप सजाएं

अगर आप फर्नीचर पुराना हो गया है तो आप अपने टेबल की टॉप को कांच के टुकड़ों से सजा सकती हैं। इससे आपके टेबल टॉप को नया लुक मिल जाएगा और अब आप दोबारा इसका इस्तेमाल कर पाएंगी। चलिए जानते हैं कैसे सजाएं कांच के टुकड़ों से टेबल टॉप को।

आवश्यक सामान

- कांच के टुकड़े
- ग्लू
- टेबल

बनाने का तरीका

- अगर आपका टेबल पुराना हो गया है तो उसे नया लुक देने के लिए आप कांच के टुकड़ों से टेबल के टॉप को सजा सकती हैं।
- इससे आपके टेबल को एक नया लुक मिलेगा।
- टेबल टॉप को सजाने के लिए सबसे पहले लकड़ी के टेबल पर ग्लू की मदद से कांच के टुकड़ों को चिपका लें।
- आप कांच के टुकड़ों को किसी भी तरीके से चिपका सकती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका नया टेबल टॉप।

गमला सजाएं

अब आपको बाजार से मंहगे और सजावटी गमले खरीदने की जरूरत नहीं होगी क्योंकि अब आप बेहद ही कम पैसे खर्च करके आसानी से घर पर गमले को सजा सकती हैं। आप कांच के टुकड़ों से गमला भी सजा सकती हैं। इसके लिए बस आपको कोई पुराना गमला चाहिए होगा। चलिए जानते हैं इसे कैसे बनाया जाता है।

आवश्यक सामान

- गमला
- कांच के टुकड़े
- फ्रैबिक कलर्स
- ग्लू

बनाने का तरीका

- गमले को नया लुक देने के लिए सबसे पहले उसे अच्छे से साफ कर लें।
- इस बात का ध्यान रखें कि गमले के बाहरी हिस्से पर किसी भी प्रकार की गंदगी जमी नहीं होनी चाहिए।
- इसके बाद कांच के टुकड़ों को एक ही कलर से पेंट कर लें।
- एक ही रंग आपके गमले को और भी सुंदर बनाएंगे।
- पेंट करने और सूखने के बाद ग्लू की मदद से एक-एक करके कांच के टुकड़ों को गमले पर चिपका लें।
- इस प्रकिया को तब तक दोहराएं जब कि आप पूरे गमले पर कांच के टुकड़े नहीं चिपका लेती हैं।
- लीजिए तैयार है आपका खूबसूरत गमला।

इन बातों का रखें खास ध्यान

- आपको कांच के टुकड़ों को पकड़ने के लिए गलव्स का इस्तेमाल करना चाहिए।
- इन कांच से बनी चीजों को अपने बच्चों की पहुंच से दूर रखें।
- इस बात का ध्यान रखें कि जब आप कांच के टुकड़ों से चीजें बना रही हों तो आपके आस- पास लोग न हों।

आपके पसंदीदा रंग में छिपा है आपके व्यक्तित्व का राज

हर व्यक्ति का अपना पसंदीदा रंग होता है। पसंदीदा न होने पर भी, हर किसी की रंगों के लिए कुछ प्राथमिकताएं जरूर होती हैं। आमतौर पर हर कोई अपनी पसंद के रंग के हिसाब से ही कपड़े पहनता है। रंग का चुनाव ऐसा होता है जो आपके बारे में बहुत कुछ बताता है कि आप कैसे कार्य करते हैं, आपका व्यक्तित्व कैसा है, आपका स्वभाव कैसा है और दूसरे आपको कैसे देखते हैं। वैसे जरूरी नहीं है कि आपके व्यक्तित्व का रंग वही हो जो आप हमेशा पहनते हैं, यह आमतौर पर वह रंग होता है जो आपको सबसे ज्यादा उत्साहित करता है। लेकिन ये वास्तविकता है कि किसी भी व्यक्ति का पसंदीदा रंग उसके बारे में बहुत कुछ बयां करता है।

काला रंग

यदि आपको काला रंग पसंद है, तो इस बात की तरफ इशारा करता है कि आप स्वभाव से शर्मीले हैं लेकिन जब भी स्थिति की आवश्यकता हो, अपने मन की बात कहने में विश्वास करें। आप आसानी से निराश नहीं होते हैं और जीवन की हर बाधा को दूर करने का प्रयास करते हैं। आप शक्ति और नियंत्रण के लिए प्रयास करते हैं, आप अपनी बातों को गोपनीय रखने पर जोर देते हैं और किसी के सामने खुली किताब की तरह नहीं आते हैं। केवल करीबी दोस्त और रिश्तेदार ही जानते हैं कि आपके जीवन में क्या महत्वपूर्ण है। आप अपने आस-पास और अपने द्वारा की जाने वाली चीजों में भी निर्मलता बनाए रखना पसंद करते हैं।

लाल रंग

लाल रंग आमतौर पर खतरे का संकेत देता है। हालांकि, रंगों का अर्थ विभिन्न पहलुओं में अलग-अलग होता है। अगर आपको लाल रंग पसंद है तो बताता है कि आप बाहरी दुनिया को पसंद करने वाले स्वभाव के हैं। आप आसानी से दोस्त बना सकते हैं और अजनबियों से बात कर सकते हैं। आप अपना जीवन एक राजा या रानी की तरह जीने में विश्वास रखते हैं। आप बिना किसी डर के अपने सपनों (जानें सपनों का मतलब) को समर्पित रहते हैं और उनके पीछे भागते हैं। इतना ही नहीं आप हर हाल में अपने सपनों को पूरा करने की कोशिश करते हैं।

गुलाबी रंग

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है और आप अपने आस-पास के लोगों को सहज महसूस कराते हैं। आप स्वभाव से भावुक हैं और अपनी भावनाओं का सामना करने से नफरत करते हैं। आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन को संतुलित बनाए रखना पसंद करते हैं क्योंकि आप दोनों को समान रूप से महत्व देते हैं। आप सपने देखने वाले स्वतंत्र उत्साही स्वभाव के व्यक्ति हैं।

नीला रंग

आपकी पसंद के रंग के हिसाब से ऐसा हो सकता है कि जब आप बहुत ही मधुर और मृदुभाषी दिखने की कोशिश करते हैं, तो लोगों को यह नहीं पता होता है कि आपके पास एक और पक्ष है जहां आप कठिन परिस्थितियों में अपने लिए खड़े हो सकते हैं। आप वफादार हैं और दोस्तों और परिवार के बहुत करीब हैं। आप स्वभाव से बहुत अधिक संवेदनशील भी हैं और नाटकीय परिस्थितियों को प्रोत्साहित नहीं करते हैं।

हरा रंग

यदि आपका पसंदीदा रंग हरा है तो आप एक स्वतंत्र उत्साही व्यक्ति हैं और जीवन में रोमांच का आनंद लेते हैं। आप एक अत्यंत सामाजिक, अविश्वसनीय, स्नेही और वफादार व्यक्ति हैं। हालांकि, आप अक्सर बेचैन रहते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप एक चतुर व्यक्ति हैं, जो व्यापार प्रवृत्तियों के बारे में सहज समझ रखते हैं।

सफेद रंग

आप हर चीज में अच्छाई देखना पसंद करते हैं। आप एक ऐसे व्यक्ति हैं जो लोगों को शांत कर सकते हैं और स्वयं शांत रहने में विश्वास करते हैं। आप अक्सर अपने शब्दों को सावधानी से चुनते हैं और हर कोई आपके बारे में बहुत कुछ नहीं जानता है। आप एक दयालु आत्मा हैं और लोगों की मदद करने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं, भले ही वे अजनबी क्यों न हों।

पीला रंग

यह परिभाषित करता है कि आप एक बहुत ही दिलकश स्वभाव के व्यक्ति हैं। आप आशावादी हैं और गलत होने वाली चीजों को छोड़ने से इंकार करते हैं। आप बहुत ज्यादा भरोसेमंद हैं और हमेशा जीवन के उज्जवल पक्ष को देखते हैं। आप गौरवशाली हैं और किसी भी जगह पर अपनी राय देने से डरते नहीं हैं। आपके व्यक्तित्व की वजह से लोग आपकी कंपनी पसंद करते हैं।

पर्पल कलर

आप एक कहानीकार हैं और दूसरे लोगों के विचार और राय सुनना पसंद करते हैं। आप स्वभाव से होशियार और मजाकिया हैं। आपको लोगों को सलाह देना पसंद है और आप इसे अपने दिल से पसंद करते हैं। आप स्वभाव से स्वतंत्र हैं और अपने आप में ऐसी क्षमता रखते हैं जो आपको दूसरों से अलग बनाती है।

इस तरह आपके पसंद के रंगों से आपके व्यक्तित्व का पता लगाया जा सकता है। हालांकि ये एक सामान्य अवधारणा है और हर एक व्यक्ति के हिसाब से अलग प्रभाव डालती है।

बच्चे का हौसला बनें

सारा साल पढ़ाई स्कूल जाने के बाद बच्चों में जहां फाइनल एग्जाम का डर बना रहता है, वहीं इस बात की खुशी भी होती है कि वह नई क्लास में जाने वाले हैं। इसी के साथ पेरेंट्स को यह परेशानी सताती है कि कहीं इस बार पढ़ाई में उनके बच्चे के आगे कोई और स्टूडेंट न निकल जाए। अव्वल आने की इस होड़ में पेरेंट्स द्वारा बनाया गया दवाब उनके लिए मानसिक परेशानी बन जाता है। ऐसे में बच्चो को डांट-फटकार कर पढ़ाने की बजाए उनकी प्रॉब्लम को समझने की जरूरत है। कई बार तो कुछ पेरेंट्स बच्चों को न पढ़ने पर सजा भी देते हैं, जो कि बिल्कुल गलत बात है। मनोविज्ञानिक भाषा में इस समस्या को एंग्जाइटी डिसऑर्डर कहते हैं। बच्चे को इसमें धकेलने की बजाए इससे निकालने की कोशिश करें।

एंग्जाइटी डिसऑर्डर

बहुत से बच्चों में यह समस्या देखने को मिलती है। इस समस्या के कारण उनका स्वभाव बहुत ही चिड़चिड़ा हो जाता है, जिसके कारण वह जो कुछ भी परीक्षा के लिए याद करते है वह सब कुछ भूल जाते हैं। फेल होने का डर, आत्मविश्वास में कमी भी इसी समस्या की निशानी है। कई बार तो तनाव से ग्रसित बच्चे घर से स्कूल के लिए निकल जाते हैं लेकिन स्कूल पहुंचते ही नहीं। इसी वजह से कुछ बच्चे गलत संगत में भी फंस जाते हैं। ऐसे में माता-पिता को उसे डांट कर पढ़ाने की बजाए प्यार से समझाने की जरूरत है। पढ़ाई में आने वाली मुश्किलों के लिए डांटें नहीं बल्कि उनकी मदद करें। इन तरीकों से तनाव रहित कर सकते हैं।

टाइम-टेबल को दें अहमियत

अगर आप चाहते है कि आपके बच्चे परीक्षा के दिनों में घबराएं नहीं तो आप शुरू में ही उनकी पढ़ाई का टाईम-टेबल बनाएं ताकि समय रहते उनका पाठ्यक्रम पूरा कर सकें। जिससे बाद में उन्हें स्लेबस दोहराने का भी टाईम मिल जाए। इसे अपनाने से उन्हें परीक्षा के दिनों में किसी तरह का डर नहीं रहेगा और वह जो भी याद करेंगे, उसे कभी भी भूलगा नहीं।

पेपर पैटर्न को समझना जरूरी

एग्जाम में बैठने से पहले बच्चों को पेपर का तरीका समझने की बहुत जरूरत होती है। इससे बच्चे को किसी तरह की कंफ्यूजन नहीं रहेगी। ऐसे में आप बच्चे को पिछली बार का पैटर्न पेपर हल करने को दें। इस से भी उनका तनाव बहुत कम होगा। फाइनल परीक्षा में उसे किसी तरह की घबराहट नहीं होगी।

परीक्षा में जाने से पहले

डेट शीट आ जाने पर खुद भी बच्चे के साथ कमर कस लें। उसे पौष्टिक आहार खिलाएं ताकि किसी तरह की कमजोरी उसके प्रदर्शन में बाधा न बने। दूध, ड्राई फ्रूट, दहीं, सूप, सलाद आदि बैस्ट हैं। उस पर किसी तरह का दवाब न डालें, कुछ भी नया पढ़ाने की कोशिश न करें। ऐसा करने से वह पहला पढ़ा भी भूल सकता है। पढ़ाई के अलावा थोड़ा हंसी-मजाक, गेम्स या फिर उसका फेवरेट प्रोग्राम भी देखने को दें लेकिन इसका समय सीमित होना बहुत जरूरी है। इससे वह परीक्षा अच्छे से दे पाएगा।

परीक्षा शुरू होने पर

सबसे पहले परीक्षा में वहीं प्रश्न का जबाव देने की सलाह दें जो उन्हें अच्छी तरह से आता हो। बच्चें प्रश्न पत्र को पढ़ने में हड़बड़ी न करें। अगर आपको किसी प्रश्न का जबाव नहीं आता। उस पर उलझे रहने की बजाए अगले सवाल को हल करें। सारा पेपर हल करने पर इसे जमा करने से पहले एक बार जांच लें। समय सीमा के बारे में बच्चे को बताना भी बहुत जरूरी है।

साड़ी के साथ स्टाइल की जा सकती हैं यह डिफरेंट स्टाइल बेल्ट

अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं।

साड़ी हमेशा ही भारतीय महिलाओं के स्टाइल का एक अहम हिस्सा रही है। चाहे घर हो या ऑफिस, महिलाएं इसे हर जगह पहनना पसंद करती हैं। साड़ी आउटफिट के साथ सबसे अच्छी बात यह है कि आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से बेहद आसानी से स्टाइल कर सकती हैं और इस तरह आपको हर बार एक न्यू लुक मिलता है। हालांकि, अगर आप एक सिंपल तरीके से साड़ी को पहन रही हैं और उसमें भी अपने लुक को खास बनाना चाहती हैं तो इसका सबसे अच्छा तरीका है कि आप इसके साथ बेल्ट को स्टाइल करें। साड़ी के साथ बेल्ट का चलन पिछले कुछ समय से काफी बढ़ गया है। जिसके कारण आप कई तरह की बेल्ट्स को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। तो आज हम आपको कुछ ऐसी बेल्ट्स के बारे में बता रहे हैं, जो साड़ी के साथ बेहद अच्छी लगती हैं और आप भी उसे आसानी से कैरी कर सकती हैं।

लेदर बेल्ट

अगर आप एक स्टाइल एक्सपेरिमेंट करना चाहती हैं तो ऐसे में आप लेदर बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। आमतौर पर, लेदर बेल्ट को जींस या पैंट सूट के साथ पेयर किया जाता है। लेकिन अगर आप साड़ी में अपने स्टाइल को यूनिक बनाना चाहती हैं तो लेदर बेल्ट को स्टाइल करें। हालांकि, लेदर बेल्ट को साड़ी के साथ पहनते समय ध्यान दें कि आपकी साड़ी का कलर भी थोड़ा लाइट ही हो।

वाइड बेल्ट

अगर आप अपनी बेल्ट को ही अपने ओवर ऑल लुक में सेंटर ऑफ अट्रैक्शन बनाना चाहती हैं तो ऐसे में आप एक वाइड बेल्ट को अपने स्टाइल का हिस्सा बना सकती हैं। साड़ी के साथ वाइड बेल्ट देखने में काफी अच्छी लगती हैं। इन वाइड बेल्ट में आप मैचिंग बेल्ट से लेकर एंब्रायडिड बेल्ट का ऑप्शन चुन सकती हैं।

मैचिंग बेल्ट

यह एक ऐसा लुक है, जो अमूमन महिलाओं को इन दिनों काफी पसंद आ रहा है। इस लुक में आप अपनी साड़ी से मैचिंग बेल्ट को स्टाइल करें। आमतौर पर, इस लुक में आपकी साड़ी से मैचिंग ब्लाउज होता है और उसी मैचिंग फैब्रिक व कलर की बेल्ट को आप साथ में स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह आपको बेल्ट में एक सटल लुक मिलता है, जो देखने में काफी अच्छा लगता है।

एंब्रायडिड बेल्ट

अगर आप किसी पार्टी के लिए रेडी हो रही हैं तो ऐसे में आप एंब्रायडिड बेल्ट के ऑप्शन को चुन सकती हैं। यह बेल्ट आपके लुक को बेहद स्टनिंग बनाता है। इस बेल्ट की मदद से एक सिंपल साड़ी को भी डिजाइनर लुक दे सकती हैं। आप चाहें तो फ्रिल साड़ी के साथ भी एंब्रायडिड बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं।

थिन सिल्वर बेल्ट

यह आपको एक बेहद ही एलीगेंट लुक देता है। इस लुक में आप प्लेन साड़ी के साथ भी थिन सिल्वर बेल्ट को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप केजुअल्स से लेकर पार्टी तक में आसानी से कैरी कर सकती हैं। इस बेल्ट की खासियत यह है कि इसे किसी भी तरह की साड़ी के साथ आसानी से स्टाइल किया जा सकता है।

ब्लैक बेल्ट

अगर आप एक ऐसी बेल्ट की तलाश में हैं जो हर तरह की साड़ी के साथ जचे तो ऐसे में आप ब्लैक बेल्ट को अपनी साड़ी के साथ स्टाइल कर सकती हैं। आप ब्लैक बेल्ट में भी डिफरेंट स्टाइल के ऑप्शन को चुन सकती हैं। खासतौर से, रेड कलर साड़ी के साथ ब्लैक बेल्ट बेहद ही स्टनिंग लुक देती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पंजाब के निकाय चुनावों में आप को जीत मिलने के बाद भी लगे कई झटके

सीएम भगवंत मान के क्षेत्र संगरूर में 29 में से केवल सात पर ही मिली जीती

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के निकाय चुनावों में सबसे बड़ी पार्टी बनने के बाद भले ही आम आदमी पार्टी (आप) अपनी पीठ थपथपाने में लगी हो लेकिन इसे पार्टी के लिए खतरे की घंटी माना जा रहा है। निकाय चुनावों ने पांच नगर पालिकाओं में से आप को केवल पटियाला में पूर्ण बहुमत हासिल हुआ है। वह बात अलग है कि लुधियाना और जलंधर में भी आप सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

खास बात यह है कि पंजाब के सीएम भगवंत मान के क्षेत्र संगरूर में ही पार्टी को झटका लगा है। जनाकारों की माने तो यह सीएम भगवंत मान और आप दोनों के लिए खतरे की घंटी है। संगरूर में काउंसिल के चुनावों में आम आदमी पार्टी 29 में से केवल सात पर ही जीती है। वहीं कांग्रेस ने 9 और बीजेपी ने तीन पर जीत हासिल की है। वहीं लुधियाना में दो मौजूदा विधायकों की पत्नी भी चुनाव हार गईं हैं।

आप की पंजाब इकाई के अध्यक्ष अमन

अरोड़ा ने दावा किया कि उनकी पार्टी ने स्थानीय निकाय चुनावों में इतिहास रच दिया है, जहां 522 वार्डों में से आधे से ज्यादा पर जीत हासिल की है। उन्होंने कहा कि यह शानदार जीत आप की जन-समर्थक शासन व्यवस्था और पारदर्शी राजनीति के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है। 55 फीसदी वॉर्ड में आम आदम पार्टी ने जीत हासिल की है। कांग्रेस ने 20 फीसदी (191), बीजेपी ने सात और शिरोमणि अकाली दल को 3 फीसदी वॉर्ड ही हासिल हुए हैं। संगरूर में शिरोमणि अकाली दल ने अपने प्रत्याशी नहीं उतारे थे इसके बाद भी आप को नुकसान उठाना पड़ा। यहां से 10 निर्दलीयों ने जीत दर्ज की है जिनमें से तीन को शिरोमणि अकाली दल का समर्थन मिला था।

पटियाला में हाईकोर्ट ने 60 में से सात वॉर्डों पर चुनाव पर रोक लगा दी थी। यहां आप को 35 सीटों पर जीत मिली है। बीजेपी और कांग्रेस ने चार-चार सीटें जीतीं हैं। एसएडी को दो पर जीत मिली है। आम आदमी पार्टी के आठ पार्षद निर्विरोध चुने गए हैं। अरोड़ा ने कहा कि विपक्ष फालतू में ही संगरूर में चुनाव में गड़बड़ियों को लेकर प्रदर्शन कर रहा था। अगर चुनाव में गड़बड़ी होती तो हमारी पार्टी का यह हाल ना होता।

लुधियाना में 95 में से 41 पर आम आदमी पार्टी को जीत मिली है। यहां भी पार्टी को बहुमत नहीं मिल पाया है। यहां विधायक गुरप्रीत सिंह गोगोई की पत्नी सुखचैन कौर और अशोक पराशर की पत्नी मीनू पाराशर को भी हार का सामना करना पड़ा। अमृतसर में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बन गई है। फगवाड़ा में किसी बी दल को बहुमत नहीं मिला है। यहां कांग्रेस और बीएसपी के गठबंधन ने सबसे ज्यादा सीटें हासिल कीं। जलंधर में आम आदमी पार्टी को 85 में से 39 सीटें मिलीं वहीं दूसरे नंबर पर 34 सीटों लेकर कांग्रेस रही।

निर्धारित मार्ग से भटक गई वंदे भारत एक्सप्रेस, मडगांव की जगह कल्याण की ओर मुड़ गई

मुंबई । छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल (सीएसएमटी)–मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग से भटक गई। दरअसल, ट्रेन मडगांव जा रही थी, लेकिन ठाणे जिले के दीवा स्टेशन पर तकनीकी खराबी के कारण वह दूसरे रास्ते पर चली गई। ट्रेन के दूसरे रास्ते पर जाने से गोवा की यात्रा में 90 मिनट की देरी हुई। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि कोंकण जाने वाली ट्रेनों द्वारा इस्तेमाल होने वाला दिवा–पनवेल रेलवे मार्ग पर पनवेल स्टेशन की ओर बढ़ने के बजाय एक्सप्रेस ट्रेन सुबह छह बजकर 10 मिनट पर कल्याण की ओर मुड़ गई। इस घटना के कारण मध्य रेलवे पर मुंबई की लोकल ट्रेन सेवाओं में देरी हुई। रेलवे ने बताया कि घटना दिवा जंक्शन पर डाउन फास्ट लाइन और पांचवीं लाइन के बीच बिंदु संख्या 103 पर सिग्नलिंग और दूरसंचार प्रणाली में गड़बड़ी के कारण हुई। दिवा जंक्शन से कोंकण की ओर जाने वाली सभी ट्रेन नियमित मार्ग पर पनवेल स्टेशन जाती हैं। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि ट्रेन अपने निर्धारित मार्ग से भटक गई, जिसके बाद वह कल्याण स्टेशन पहुंच गई। इसके बाद वह दिवा जंक्शन पर वापस लौटी और फिर ट्रेन ने दिवा–पनवेल मार्ग पर मडगांव के लिए रवाना किया गया। रेलवे ने बताया, 'ट्रेन पांचवीं लाइन से होकर करीब सात बजकर चार मिनट पर कल्याण स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर छह पर पहुंची। ट्रेन को सात बजकर 13 मिनट पर छठी लाइन से होते हुए दिवा स्टेशन पर वापस लाया गया।' जून 2023 में शुरू की गई सीएसएमटी–मडगांव वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनल से सुबह पांच बजकर 25 मिनट पर रवाना होती है और उसी दिन दोपहर एक बजकर 10 मिनट पर गोवा के मडगांव पहुंचती है।

रामगढ़ में रंगदारी वसूलने वाले गिरोह का पर्दाफाश, 13 आरोपी गिरफ्तार

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले की पुलिस ने ट्रांसपोर्टरों, कारोबारियों, खदान संचालकों और ठेकेदारों को धमकी देकर उनसे रंगदारी वसूलने वाले कुख्यात पांडेय और श्रीवास्तव गिरोहों के 13 अपराधियों को गिरफ्तार किया है। दोनों गिरोहों ने धमकी देने और रंगदारी वसूलने के लिए मासिक तनख्वाह पर युवकों को बहाल कर रखा था। रांची, हजारीबाग तथा रामगढ़ जिलों में दोनों गिरोहों के अलग–अलग ठिकानों पर छापेमारी के दौरान ये गिरफ्तारियां हुई हैं। पतरातू के एसडीपीओ पवन कुमार ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि दोनों गैंग के शातिर अपराधियों के पास से दो हथियार, जिंदा कारतूस, रंगदारी में वसूली गई रकम, धमकी के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले मोबाइल, कारोबारियों और ठेकेदारों की लिस्ट और कई तस्वीरें बरामद की गई हैं। गिरफ्तार किए गए पांडेय गिरोह के अपराधियों में हजारीबाग जिले के बड़कागांव थाना क्षेत्र अंतर्गत नापोखुर्द गांव निवासी सुनील कुमार और सूरत कुमार दास, रामगढ़ जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र के पुराना बुध बाजार निवासी राजविंदर सिंह उर्फ आकाश उर्फ गोलू, राजवीर सिंह उर्फ कैप्टन, मोहित कुमार ठाकुर, रेलिगड़ा निवासी ब्रजेश कुमार, भुरकुंडा थाना क्षेत्र का रिवर साइड निवासी वशिष्ठ कुमार उर्फ बिट्टू, कुजू ओपी क्षेत्र के आरा डूमरबेड़ा निवासी सरफराज अहमद, भुरकुंडा ओपी क्षेत्र के बजरंग चौक, रिवर साइड निवासी राजवीर सिंह, प्रेम कुमार और हरपीत सिंह शामिल हैं। पुलिस की पूछताछ में पता चला है कि पांडेय गिरोह के गिरफ्तार 11 अपराधियों ने हाल में 13 लाख रुपये की रंगदारी वसूली थी। इसी तरह श्रीवास्तव गिरोह के गिरफ्तार अपराधियों में रांची जिले के सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत कोकर, डेलाटोली निवासी साहिल सिंह और लालपुर थाना क्षेत्र के न्यू नगराटोली निवासी राहुल शर्मा शामिल हैं। जेल में बंद श्रीवास्तव गैंग के सरगना अमन श्रीवास्तव एवं शिव शर्मा के इशारे पर उनके गुर्गे कोयला क्षेत्र के खदान संचालकों, ट्रांसपोर्टरों, ठेकेदारों और कंपनी संचालकों से रंगदारी वसूलते थे।

फुटपाथ पर सो रहे नौ लोगों को ट्रक ने कुचला, 2 बच्चों समेत 3 की मौत 6 घायल

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में बड़ा दर्दनाक हादसा हुआ है। यहां फुटपाथ पर सो रहे नौ लोगों को एक ट्रक ने कुचल दिया। इसमें दो बच्चों सहित तीन लोगों की मौत हो गई जबकि 6 लोग घायल है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है,जहां उनका उपचार चल रहा है। एक सीनियर पुलिस अधिकारी ने बताया कि केसनंद फाटा इलाके में फुटपाथ पर कई लोग सो रहे थे। इनमें से ज्यादातर मजदूर थे। रात के वक्त ट्रक फुटपाथ पर चढ़ गया और हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। पुलिस अधिकारी ने बताया कि हमने ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि कहीं ड्राइवर नशे की हालत में तो नहीं था। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच की जा रही है। बताया जाता है कि यह हादसा रविवार देर रात करीब 12.30 बजे हुई। घटना पुणे के वाघोली इलाके में हुई, जहां कई लोग फुटपाथ पर सो रहे थे। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद ट्रक ड्राइवर को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना में घायल हुए अन्य छह लोगों को सासून अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उद्धव ठाकरे के सामने संकट, पार्टी का एक धड़ा चाहता है कांग्रेस से गठबंधन तोड़ा जाए

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव 2024 में मिली शर्मनाक हार के बाद से महाविकास अघाड़ी गठबंधन मुश्किलों का सामना कर रही है। नतीजों के बाद से शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे की भी टेंशन बढ़ गई है। दरअसल, उद्धव की पार्टी के कुछ नेताओं को दो टूक कहना हैं कि पार्टी को चुनाव में नुकसान कांग्रेस से गठबंधन के कारण हुआ है। हाल ही में शिवसेना (यूबीटी)निरीक्षकों की बैठक में पार्टी के एक धड़े ने उद्धव ठाकरे से कांग्रेस से गठबंधन तोड़ने की मांग की है।

शिवसेना (यूबीटी) निरीक्षकों की बैठक से बड़ी जानकारी सामने आई है सूत्रों के मुताबिक, शिवसेना(यूबीटी) के एक धड़े ने उद्धव से कांग्रेस से गठबंधन तोड़ने की मांग की है। इस धड़े का कहना है कि कांग्रेस से गठबंधन की वजह से नुकसान हो रहा है, कांग्रेस के वजह से हमारे हिंदूत्व पर सवाल खड़े हो रहे हैं। यह धड़ा आगामी बीएमसी चुनाव में एकला चलो के लिए ठाकरे पर दबाव बना रहा है।

वहीं शिवसेना (यूबीटी) नेता सुभाष देसाई ने बयान जारी किया है। देसाई ने कहा कि हमारे कार्यकर्ताओं का एक वर्ग चाहता है कि बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ा जाए। उन्हें लगता है कि विधानसभा में नुकसान हुआ। इस बारे में उद्धव अंतिम फैसला लेने वाले है।

हाल ही में शिवसेना यूबीटी के वरिष्ठ नेता संजय राउत ने भी बीएमसी चुनाव अपने दम पर लड़ने के संकेत दिए थे। राउत ने कहा था कि कार्यकर्ताओं की इच्छा है कि महानगरपालिका चुनाव अपने दम पर लड़ा जाए। संजय राउत ने कहा था कि मुंबई में हमारी ताकत है। मुंबई में हमें लड़ना चाहिए ये कार्यकर्ताओं की इच्छा है।

महाराष्ट्र में खत्म नहीं हुआ सियासी टेंशन, अब प्रभारी मंत्री बनने पर रार

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव हुए नया सीएम,नई सरकार,सबकुछ हो गया लेकिन सियासी टेंशन खत्म नहीं हुआ है।विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने से पहले 39 मंत्रियों को शपथ दिलाई गई और अब उनके विभागों का बंटवारा भी हो गया है। सीएम फडणवीस ऊर्जा, कानून एवं न्यायपालिका, सामान्य प्रशासन विभाग और सूचना एवं प्रचार विभाग भी संभालेंगे। उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को शहरी विकास, आवास और लोक निर्माण विभाग (सार्वजनिक उद्यम) आवंटित किया गया है। वहीं अजित पवार को वित्त एवं योजना और राज्य उत्पाद शुल्क विभाग मिला है। विभागों के आवंटन को लेकर खींचतान के बाद अब प्रभारी मंत्री बनने को लेकर तनातनी देखने को मिल रही है। दरअसल प्रभारी मंत्री को जिले के विकास का जिम्मा दिया जाता है। जिला

विकास और योजना का फंड भी उसके नियंत्रण में रहता है।

शिव सेना के मंत्री भारत गोगावाले और संजय शिरसाट ने पहले ही रायगढ़ और छत्रपति संभाजीनगर जिलों पर दावा ठोक दिया है। वहीं एसीपी और बीजेपी की नजर भी इन जिलों पर है। फडणवीस की सरकार में 42 मंत्री बनाए गए हैं लेकिन 12 जिले ऐसे भी हैं जहां से कोई मंत्री नहीं बना है। वहीं कुछ जिलों से कई विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह मिली है। ऐसे में उनके बीच अब डिस्ट्रिक्ट गार्जियन बनने की होड़ लगी है।पिछली सरकार में सावंतवाड़ी से शिवसेना के विधायक दीपक केसरकर को मुंबई सिटी की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि इस बार बीजेपी किसी भी समझौते के मूड में नजर नहीं आ रही है। चुनाव परिणामों के बाद बीजेपी का यह रुख पहले भी देखा जा चुका है. वहीं सिरसाट ने दावा किया है कि संभाजीनगर में उनको गार्जियन बनाने का केवल ऐलान बाकी है। वहीं यहां से बीजेपी के विधायक अतुल सावे ने कहा कि महायुति जो भी फैसला लेगी उन्हें स्वीकार होगा। उन्होंने कहा, मुख्यमंत्री ने मुझपर पहले भी विश्वास किया है और इसीलिए तीन विभाग दिए गए हैं। वहीं रायगढ़ में अदिति तटकरे और गोगावले के बीच खींचतान हो सकती है। एनसीपी के मंत्री मानिकराव कोकाते ने कहा कि जिले में पार्टी के सात विधायक हैं। वहीं बीजेपी के पांच और शिवसेना के दो हैं। ऐसे में नासिक पर भी उनका ही दावा मजबूत है।

बेटी की ससुराल में पड़े रहना भी क्रूरता : कोर्ट ने पति को दे दी तलाक की इजाजत

कोलकाता। बेटी की ससुराल में ज्यादा दिन तक पड़े रहना घातक हो सकता है। घरवालों और दोस्तों का लंबे समय तक टिक जाना भी क्रूरता है। कलकत्ता हाई कोर्ट ने इसी आधार पर 19 दिसंबर को एक व्यक्ति को तलाक की मंजूरी दे दी। कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहाकि पति की मर्जी के खिलाफ पत्नी के दोस्तों या रिश्तेदारों का लंबे समय तक उसके घर में रहना क्रूरता है। कई बार ऐसे हालात में जबकि पत्नी खुद भी घर में नहीं है, रिश्तेदारों की वहां मौजूदगी से अपीलकर्ता की जिंदगी पर गहरा असर पड़ा होगा। महिला के पति ने साल 2008 में शादी के तीन साल बाद ही तलाक की अर्जी फाइल की थी। इन दोनों की शादी पश्चिम बंगाल के नाबाद्वीप में हुई थी। बाद में साल 2006 में यह दोनों कोलाघाट चले आए, जहां पति काम करता था। साल 2008 में पत्नी कोलकाता के नारकेलडांगा चली गई। उसका कहना था कि यहां पर रहना उसके लिए ज्यादा सुविधाजनक था, क्योंकि यह सियालदह से नजदीक पड़ता है, जहां वह काम करती है। हालांकि पूछताछ के दौरान उसने दावा किया कि वह अपने पति से दूर इसलिए हुई क्योंकि वह असहाय हो गई थी। साल 2008 में कोलाघाट स्थित पति के घर से पत्नी के चले जाने के बाद भी उसका परिवार और एक दोस्त वहीं ठहरे रहे। साल 2016 में पत्नी उत्तरपारा चली गई। पति का कहना है कि पत्नी का उससे दूर रहता क्रूरता है। इसके अलावा उसने यह भी कहाकि पत्नी किसी तरह का संबंध रखने या फिर बच्चे पैदा करने की इच्छुक नहीं है।

धर्म का अधूरा ज्ञान अधर्म की ओर ले जाता है इसे समझने की जरुरत

आरएसएस प्रमुख भागवत ने धर्म के नाम पर हो रहे अत्याचार पर रखे विचार

अमरावती। महाराष्ट्र के अमरावती में महानुभाव आश्रम के शताब्दी समारोह में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि धर्म का महत्व है, लेकिन इसे सही ढंग से समझने और सिखाने की जरूरत है। धर्म का अधूरा या अनुचित ज्ञान अधर्म की ओर ले जाता है। धर्म को समझना कठिन है और इसके नाम पर होने वाले उत्पीड़न और अत्याचार धर्म की सही समझ की कमी के कारण होते हैं। मोहन भागवत ने कहा कि धर्म सत्य का आधार है। यह सृष्टि के आरंभ से अंत तक का मार्गदर्शक है और इसलिए इसे सनातन कहा जाता है। धर्म की रक्षा करना जरूरी है, क्योंकि यह सत्य, अहिंसा, शांति और समानता की भावना को जागृत करता है। संप्रदाय कभी लड़ना नहीं सिखाता, वह हमेशा समाज को जोड़ने का काम करता है। आरएसएस प्रमुख ने कहा कि धर्म को समझाने के लिए संप्रदायों की जरुरत होती है। बाबा ने इसे स्पष्ट किया है कि धर्म को समझने के लिए बुद्धि की जरूरत होती है। जिसके पास सही विवेक और बुद्धि होती है, वही सही मायनों में धर्म और संप्रदाय की गहराई को समझ सकता है।

बीजेपी के सहयोगी दल के नेता ने की शाह की आलोचना, रालोद ने पद से हटाया

लखनऊ। देश के गृह मंत्री अमित शाह के बाबा साहेब आंबेडकर पर दिए गए बयान की आलोचना करना रालोद के प्रवक्ता को भारी पड़ गया। रालोद की एक विज्ञप्ति जारी कर कहा कि राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी के आदेश के बाद प्रवक्ताओं को पद से हटाया गया है। रालोद के संगठन महासचिव त्रिलोक त्यागी ने यह चिट्ठी जारी की है। बताया जा रहा है कि कमल गौतम कुछ महीने पहले ही बीजेपी की सदस्यता ले चुके हैं। बता दें रालोद बीजेपी का सहयोगी दल है। रालोद प्रवक्ता कमल गौतम ने कहा था कि डॉ आंबेडकर पर अमित शाह ने जो बयान दिया वह सही नहीं है। बाबा साहेब को लोग भगवान मानते हैं और मानते रहेंगे। आप लोग कानून व्यवस्था के आदमी हैं। भगवान के मंदिर में भी अत्याचार हो रहा है। मंदिर में घुसने पर भी मार पिटाई हो रही है। ऐसे मामलों में कोई कारवाई नहीं कर रहे हैं। ऐसे बयान की जरुरत नहीं है। हम गृह मंत्री अमित शाह से माफी मांगने की अपील करते हैं। रालोद प्रवक्ता कमल गौतम के इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स ने बीजेपी और जयंत चौधरी को ट्रोल किया। माना जा रहा है कि फजीहत के बाद रालोद ने अपने सभी प्रवक्ताओं को पद से हटाने का फैसला लिया है। प्रवक्ताओं के नए पैनल का ऐलान जल्द किया जाएगा।

खेती के विकास से ही विकसित राष्ट्र सपना साकार होगा: धनखड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने रविवार को चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 के विजेताओं को संबोधित करते हुए कहा कि कृषि ग्रामीण विकास की रीढ़ है। जब तक कृषि का विकास नहीं होगा, ग्रामीण परिदृश्य को नहीं बदला जा सकता और जब तक ग्रामीण परिदृश्य नहीं बदलेगा, हम विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा नहीं रख सकते। धनखड़ ने कृषि, ग्रामीण विकास और पत्रकारिता में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 प्रदान किए। इस अवसर पर अपने संबोधन में धनखड़ ने चौधरी चरण सिंह की असाधारण विरासत की सराहना करते हुए ग्रामीण विकास, किसानों के कल्याण एवं समावेशी विकास के प्रति उनके अथक समर्पण का उल्लेख किया।

चौधरी चरण सिंह पुरस्कार 2024 में कृषि, ग्रामीण विकास और पत्रकारिता में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सुश्री नीरजा चौधरी को व्यावहारिक पत्रकारिता के प्रति समर्पण के लिए कलाम रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। जल संरक्षण में उनके अग्रणी प्रयासों के लिए डॉ. राजेंद्र सिंह को सेवा रत्न पुरस्कार प्रदान किया गया। कृषि अनुसंधान और नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए डॉ. फिरोज हुसैन को कृषक उत्थान पुरस्कार प्रदान किया गया। श्री प्रीतम सिंह को कृषि उत्कृष्टता में उनके योगदान के लिए किसान पुरस्कार प्रदान किया गया। इस अवसर पर केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि चौधरी चरण सिंह देश के उत्कृष्ट व्यक्तित्वों में से एक थे। वह एक ऐसे व्यक्ति थे जो पारदर्शिता, जवाबदेही, ईमानदारी, ग्रामीण विकास और किसानों के लिए प्रतिबद्धता तथा अपने विचारों को व्यक्त करने में निडर थे।

चौधरी चरण सिंह के योगदान को कम मान्यता मिलने पर चिंता जताते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि जब लोग ऐसे व्यक्ति के महान योगदान का मूल्यांकन करने में अदूरदर्शिता दिखाते हैं तो मन को ठेस पहुंचती है। उनके अद्भुत गुण, गहरी लगन और ग्रामीण भारत के बारे में उनका ज्ञान दुनिया भर के प्रबुद्ध व्यक्तियों के लिए चिंतन का विषय है। एक धरतीपुत्र के रूप में, वह न केवल ग्रामीण भारत के बारे में बल्कि शहरी भारत के बारे में भी सजग थे और उनकी दूरदृष्टि हमारी सभ्यतागत लोकाचार से जुड़ी हुई थी। भारत की आर्थिक प्रगति पर चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस समय भारत पहले से कहीं ज़्यादा तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। निस्संदेह, हमारी अर्थव्यवस्था फल-फूल रही है। हम वैश्विक स्तर पर पांचवें सबसे बड़े देश हैं और जापान और जर्मनी से आगे निकलकर तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर हैं लेकिन 2047 तक विकसित देश बनने के लिए हमारी आय में आठ गुना वृद्धि होनी चाहिए जो एक बड़ी चुनौती है।

राहुल गांधी को नोटिस भेजने पर भड़की कांग्रेस बोली- ऐसे जजों को बर्खास्त करो

*** जाति जनगणना पर दिए बयान को लेकर बरेली कोर्ट में दाखिल की गई है याचिका**

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव में जाति जनगणना पर दिए बयान से नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बरेली की जिला कोर्ट ने राहुल को उनके इस बयान को लेकर नोटिस जारी किया है। इस पर कांग्रेस भड़क गई और कहा कि ऐसे जजों को तुरंत ही उनके पद से बर्खास्त कर देना चाहिए। उनको जो गरीबों व अन्य से जुड़े मामले हैं, उस पर फैसला सुनाना चाहिए। बरेली कोर्ट ने राहुल गांधी को नोटिस जारी करते हुए 7 जनवरी को कोर्ट में पेश होने के लिए कहा है।

बरेली जिला अदालत द्वारा राहुल गांधी को नोटिस दिए जाने पर कांग्रेस नेता उदित राज ने कहा कि यह न कोई खबर है और न ही इस पर कोई चर्चा होनी चाहिए। ऐसे मानसिक बीमार लोगों के पास याचिका फाइल करने के

लिए समय होता है। कोर्ट की क्या दुर्दशा हो चुकी है। सुप्रीम कोर्ट की बात लोअर कोर्ट नहीं मान रही हैं। ऐसे मामले में भी नोटिस करना, जिसका कोई मतलब नहीं है, यह बकवास है। ऐसे जजों को तुरंत बर्खास्त कर देना चाहिए। लगता है अनपढ़ लोग हैं। या तो राजनीति दबाव में काम कर रहे हैं। जो मामले लंबित हैं गरीबों के, उस पर फैसला लेना चाहिए।

राज ने कहा कि जाति जनगणना पर राहुल गांधी ने उसका प्रचार किया, यह तो हमारा मुद्दा है। यह तो सामाजिक न्याय है, सबको भागीदारी देने की बात है। जिनकी पर्चेजिंग पावर नहीं है, उनके लिए योजनाएं बनाएं, उससे देश तरक्की करेगा। इससे बड़ा हित का मुद्दा इस समय भारत की राजनीति में है ही नहीं। याचिका में याचिकाकर्ता ने कहा है कि हमें लगा कि जाति जनगणना पर चुनाव के दौरान राहुल गांधी द्वारा दिया गया बयान देश में गृहयुद्ध शुरू करने की कोशिश की तरह है। शुरू में याचिका एमपी-एमएलए कोर्ट में दायर की गई थी, जहां इसे खारिज कर दिया गया था। याचिकाकर्ता ने जिला न्यायाधीश कोर्ट में अपील करके मामले को आगे बढ़ाया।

याचिकाकर्ता ने इस बात पर जोर दिया कि राहुल गांधी के बयान से देश में विभाजन और अशांति फैलने की संभावना है, जिसके लिए न्यायिक हस्तक्षेप की जरुरत है। इस बीच राहुल गांधी ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के इस्तीफे की मांग जारी रखी। उन्होंने दावा किया कि संविधान पर आक्रमण हुआ है और बीजेपी, पीएम मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान करके बहुत बड़ी गलती की है।

भारतीय वायुसेना में पायलटों की भारी कमी, कैग की रिपोर्ट से हुआ खुलासा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय वायुसेना में इन दिनों पायलटों की भारी कमी है। इससे ऑपरेशनल रेडिनेस की तैयारी में दिक्कत होगी। यानी अचानक से कई फ्रंट पर जरूरत पड़ जाए, वायुसेना के पास पायलट कम हैं। इसका खुलासा किया है कॉम्पट्रोलर एंड ऑडिटर जनरल (कैग) ऑफ इंडिया ने किया है। इस पर रक्षा मामलों की संसदीय समिति ने भी अपनी चिंता जाहिर की है। कैग ने अपनी रिपोर्ट में इंडियन एयरफोर्स में पायलटों की कमी के आंकड़ें बताए हैं। फरवरी 2015 में 486 पायलटों की कम थी। जो 2021 के अंत तक 596 हो गई। जबकि 2016 से 2021 के बीच 222 ट्रेनी पायलटों को भर्ती करने का प्लान था। लेकिन वायुसेना टारगेट पूरा नहीं कर सकी। अब स्थिति गंभीर हो गई है।

जानकार का मानना है कि पायलटों की भर्ती में कई प्रकार की चुनौतियां होती हैं। इसलिए ये कमी महसूस की जा रही है। कॉमर्शियल एविएशन सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है। घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों में पैकेज ऑफर बहुत ज्यादा हैं।लाइफस्टाइल संतुलित और स्थिर है। अनुभवी मिलिट्री पायलट्स सर्विस से निकल कर वहां जा रहे हैं।

42 स्क्वॉड्रन चाहिए, हैं सिर्फ 31 ही

संसदीय समिति ने देखा कि पायलट-टू-सीट रेशियो 1.25¬1 प्रत्येक फाइटर जेट के लिए हैं। शांति के समय ये आंकड़ा ठीक है। लेकिन जब जंग की स्थिति होगी तब ये स्थिति गंभीर हो सकती है। इसके साथ ही वायुसेना वर्तमान में 31 स्क्वॉड्रन्स के साथ अपनी ड्यूटी परफॉर्म कर रही है।

नए एयरक्राफ्ट्स के आने और पुराने को हटाने में समय लग रहा है। इसकी वजह से भारतीय वायुसेना की एरियल कॉम्बैट कैपेबिलिटी कमतर होती चली जाएगी। कैग और संसदीय समिति की रिपोर्ट ने तत्काल और तेजी से इन दोनों दिशाओं की तरफ मोदी सरकार को कदम उठाने को कह चुकी है।

वायुसेना ने एयरफोर्स कॉमन एडमिशन टेस्ट (एफसीएटी) और एयर फोर्स सेलेक्शन बोर्ड (एएफएसबी) ने रिक्रूटमेंट प्रोसेस को तेज किया है। इस डिजिटल कैंपने दिशा के तहत नई शुरूआत दी गई है।

संक्षिप्त समाचार

बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत

साओ पाउलो, एजेंसी। दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के मिनास गेरैस राज्य में एक राजमार्ग पर बस और ट्रक की टक्कर में 38 लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मिनास गेरैस अग्निशमन विभाग ने बताया कि शनिवार सुबह हुए इस हादसे में घायल 13 अन्य लोगों को टियोफिलो ओटोनी शहर के पास के अस्पतालों में ले जाया गया। बताया जा रहा है कि बस साओ पाउलो से चली थी और उसमें 45 यात्री सवार थे। अधिकारियों ने कहा कि जांच के बाद ही दुर्घटना का कारण स्पष्ट हो सकेगा। प्रत्यक्षदर्शियों ने बचाव दल को बताया कि बस का टायर फटने से बस अनियंत्रित हो गई और एक ट्रक से टकरा गई। हादसे के दौरान एक कार भी उस बस से टकरा गई, कार में तीन यात्री सवार थे और तीनों की जान बच गई। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने घटना पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने शनिवार को एक बयान जारी करके कहा, ''मुझे बेहद अफसोस है और मैं दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करता हूं।'' परिवहन मंत्रालय के अनुसार, इस वर्ष ब्राजील में यातायात दुर्घटनाओं में 10 हजार से अधिक लोग मारे गए हैं।

अल्बानिया ने टिकटॉक को एक साल के लिए बंद करने का फैसला किया

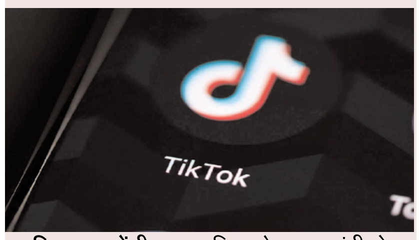

तिराना, एजेंसी। अल्बानिया के प्रधानमंत्री ने वीडियो सेवा 'टिकटॉक' पर खासकर बच्चों में हिंसा को बढ़ावा देने का आरोप लगाते हुए उसे एक साल के लिए बंद किए जाने की शनिवार को घोषणा की। अल्बानियाई अधिकारियों ने नवंबर के मध्य में टिकटॉक पर शुरू हुए झगड़े के बाद एक किशोर की दूसरे किशोर द्वारा चाकू घोंपकर हत्या किए जाने की घटना के बाद शिक्षकों और अभिभावकों के साथ 1,300 बैठक कीं। प्रधानमंत्री एडी रामा ने शिक्षकों और अभिभावकों के साथ एक बैठक में कहा कि टिकटॉक ''सभी के लिए पूरी तरह से बंद किया जाएगा... अल्बानिया गणराज्य में टिकटॉक उपलब्ध नहीं होगा। रामा ने कहा कि यह फैसला अगले साल से लागू होगा। वहीं टिकटॉक ने चाकू घोंपने वाले किशोर के मामले पर ''अल्बानिया सरकार से तत्काल स्पष्ट जानकारी'' मुहैया कराने को कहा है। कंपनी ने कहा कि उसे ''इस बात का कोई सबूत नहीं मिला है कि अपराधी या पीड़ित का 'टिकटॉक अकाउंट' था और कई रिपोर्ट ने वास्तव में पुष्टि की है कि इस घटना से जुड़े वीडियो टिकटॉक पर नहीं बल्कि किसी अन्य मंच पर साझा किए गए थे।'' स्थानीय शोधकर्ताओं के अनुसार देश में टिकटॉक इस्तेमाल करने वालों में बच्चों की संख्या सबसे अधिक है।

ब्राजील में भीषण सड़क हादसा, बस में आग लगने से 38 लोगों की मौत

ब्राजील, एजेंसी। ब्राजील में शनिवार को बस में आग लगने से एक भीषण हादसा हुआ। इस हादसे में बस सवार 38 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में 13 लोग घायल बताए जा रहे हैं। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि दक्षिण-पूर्वी ब्राजील के राज्य मिनास गेरैस में सड़क दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 38 हो गई है, जबकि 13 अन्य घायल हैं। हादसे में घायल लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। यह हादसा शनिवार को सुबह टेओफिलो ओटोनी नगरपालिका में हुआ, जब ट्रक से ग्रेनाइट का एक बड़ा ब्लॉक सड़क पर गिर गया, जिससे बस विपरीत दिशा में जा रहे ट्रक से टकरा गई। वाहनों के टकराने के बाद बस में आग लग गई। संघीय राजमार्ग पुलिस के अनुसार, बस के पीछे जा रही कार ने उसमें टक्कर मार दी। पुलिस ने समाचार एजेंसी सिन्हुआ को बताया कि अधिकांश मौत टक्कर के बाद बस में लगी आग के कारण हुई। टेओफिलो ओटोनी के अधिकारियों के अनुसार, कार सवार तीन लोगों सहित 13 घायल हो गए, जिनकी हालत गंभीर है। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो इस हादसे की वजह बस का टायर फटना है।

वानुअतु द्वीप पर आया 6.1 तीव्रता का भूकंप

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के वानुअतु द्वीप पर रविवार तड़के 6.1 तीव्रता का भूकंप आया। इससे इमारतें हिल गईं। हालांकि भूकंप के चलते कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। इससे कुछ दिन पहले आए 7.3 तीव्रता वाले भूकंप में 12 लोगों की मौत हो गई थी। रविवार को आया भूकंप में 40 किमी की गहराई पर था।

अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना ने हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हवाई हमला किया, अपना ही विमान मार गिराया

सना, एजेंसी। अमेरिकी-ब्रिटिश नौसेना गठबंधन ने रविवार तड़के यमन के होदेदाह में हूती ठिकानों पर हवाई हमला किया। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, हमले में होदेइदाह के अल-लुहय्याह क्षेत्र की एक साइट को निशाना बनाया गया, जिसमें आगे कोई विवरण नहीं दिया गया और न ही किसी के हताहत होने की सूचना दी गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ ने हूती द्वारा संचालित अल-मसीरा टीवी के हवाले से बताया कि गठबंधन ने कथित हमले पर अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है। यूएस सेंट्रल कमांड ने एक्स पर एक बयान जारी कर कहा कि शनिवार रात को सना में हूतियों के मिसाइल भंडारण फैसिलिटी और एक कमांड-एंड-कंट्रोल यूनिट पर सटीक हवाई हमले किए। बयान में कहा गया है कि कमांड बलों ने लाल सागर के ऊपर कई हूती के वन-वे अटैक ड्रोन और एक एंटी-शिप क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया। हवाई हमले हूतियों द्वारा मध्य इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल हमले की जिम्मेदारी लेने के कुछ घंटों बाद हुए। तेल अवीव में हुए हमले में 20 इजरायली घायल हो गए थे। इस बीच, अमेरिकी सेना ने बताया कि नौसेना द्वारा यमन में हवाई हमले किए जाने के दौरान लाल सागर के ऊपर ÷फ्रेंडली फायर÷ में एक अमेरिकी एफ/ए-18 लड़ाकू विमान को गलती से मार गिराया गया।

घटना के दौरान, दो अमेरिकी नौसेना पायलटों को गोली लगी। हालांकि, उन्हें बचा लिया गया, जबकि एक पायलट को

मामूली चोट आई। नवंबर 2023 से हूती विद्रोहियों ने इजरायली शहरों पर रॉकेट और ड्रोन हमले जारी रखे हैं और लाल सागर में इजरायल से जुड़े शिपिंग को निशाना बनाते रहे हैं। जवाब में, क्षेत्र में तैनात अमेरिकी नेतृत्व वाली नौसेना गठबंधन सशस्त्र समूह को रोकने के प्रयास में जनवरी से ही हूतियों के ठिकानों पर नियमित हवाई हमले कर रही है। पिछले सप्ताह, हूती सैन्य अधिकारियों ने घोषणा की कि अमेरिकी और ब्रिटिश विमानों ने लाल सागर तट के साथ पश्चिमी यमन में एक रणनीतिक प्रांत होदेदाह के खिलाफ एक नया आक्रमण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, सहयोगी बलों ने होदेदाह के दक्षिणी भाग में अत-तुहायता जिले को निशाना बनाया, हालांकि हवाई बमबारी के बारे में विशेष विवरण तुरंत प्रकट नहीं किया गया।

यमन में हूतियों के ठिकानों को निशाना बनाया : अमेरिकी सेना ने शनिवार देर रात यमन की राजधानी सना में एयरस्ट्राइक कर विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले किए। इन हमलों में हूती विद्रोहियों के मिसाइल स्टोरेज सेंटर और कमांड सेंटर को निशाना बनाया गया। अमेरिकी सेना के मुताबिक उसने ये एयरस्ट्राइक दक्षिणी लाल सागर, बाब अल-मन्देब और अदन की खाड़ी में अमेरिकी नौसेना के युद्धपोतों और कार्गो शिप हूती विद्रोहियों के हमलों को रोकने के लिए की है। सेना ने बताया कि उसने हूती विद्रहियों के कई ड्रोन और एक क्रूज मिसाइल को भी मार गिराया है। अमेरिका और ब्रिटेन ने पिछले कुछ महीनों में यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर हमले तेज किए हैं। अमेरिकी सेना ने बताया था कि एयरक्राफ्ट कैरियर ट्रूमैन 15 दिसंबर को मिडिल-ईस्ट में पहुंच गया है। हालांकि तब ये साफ नहीं किया गया था कि उसे लाल सागर में तैनात किया गया है।

अक्टूबर में बी2 बॉम्बर से हमला किया था। : अमेरिकी एयरफोर्स ने 17 अक्टूबर को यमन में हूती विद्रोहियों के ठिकानों पर बमबारी की थी। अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने बताया था कि एयरफोर्स ने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से यमन की राजधानी सना के नजदीक 5 ठिकानों को निशाना बनाया। ऑस्टिन के मुताबिक इस हमले के लिए राष्ट्रपति बाइडेन ने निर्देश दिए थे। ये हमले हूती विद्रोहियों के हथियारों को नष्ट करने के मकसद किए गए थे। हूती विद्रोहियों ने भी हमले की पुष्टि की थी। हालांकि इसमें कितना नुकसान हुआ है इस बारे में उन्होंने जानकारी नहीं दी। हूती के डिप्टी हेड नसरुद्दीन आमेर ने कहा था कि अमेरिका को इसकी कीमत चुकानी होगी। अमेरिका ने हमला करने से एक महीने पहले ही में हिंद महासागर में मौजूद सीक्रेट मिलिट्री बेस डिएगो गार्सिया पर क्र2 स्टील्थ बॉम्बर की तैनाती की थी।

आतंकियों ने पाकिस्तान में मचाया खून-खराबा, 16 सैनिक मार डाले; कई घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। उत्तर-पश्चिम पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत के दक्षिण वजीरिस्तान जिले में शनिवार तड़के आतंकियों ने एक सुरक्षा चेक पोस्ट पर हमला कर दिया। इस हमले में पाकिस्तानी सेना के 16 सैनिक मारे गए, जबकि 8 अन्य घायल हुए हैं। सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, यह हमला आतंकवादियों के संगठित और घातक योजना का हिस्सा था।

हालिया घटनाओं से जुड़ा मामला : इस हमले से कुछ दिन पहले पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने सरारोगा क्षेत्र में एक खुफिया-आधारित अभियान चलाया था। इस अभियान में सुरक्षा बलों ने दो आतंकवादियों को मार गिराया था और दो अन्य को गिरफ्तार किया था। सूत्रों ने बताया कि आतंकवादियों ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे दक्षिणी वजीरिस्तान जिले के माकेन में लिटा सार चेक पोस्ट पर हमला किया।

आतंकवाद प्रभावित क्षेत्र : दक्षिण वजीरिस्तान पाकिस्तान के सात अर्ध-स्वायत्त जनजातीय क्षेत्रों में से एक है। यह क्षेत्र लंबे समय से आतंकवादियों के लिए शरणस्थली रहा है। यहां पाकिस्तानी सेना एक दशक से भी अधिक समय से प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े आतंकवादियों के खिलाफ अभियान चला रही है।

बढ़ती चुनौतियां : इस हमले ने एक बार फिर पाकिस्तान के आतंकवाद प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा चुनौतियों को उजागर किया है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह हमला आतंकवादियों की सक्रियता को रोकने के लिए किए जा रहे अभियानों का प्रतिशोध हो सकता है। सरकार और सुरक्षा एजेंसियां फिलहाल इस घटना की जांच कर रही हैं और क्षेत्र में सुरक्षा कड़ी कर दी गई है।

कांगो में बुसिरा नदी में नौका पलटने से 38 लोगों की मौत, 100 से अधिक लापता

किंशासा, एजेंसी। अक्टूबर में देश के पूर्वी भाग में क्षमता से अधिक यात्रियों को ले जा रही एक नाव के डूब जाने से कम से कम 78 लोग मारे गए थे और जून में किंशासा के निकट हुई ऐसी ही दुर्घटना में 80 लोगों की जान चली गयी थी। कांगो में क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे लोगों से भरी एक नौका के शुक्रवार देर रात बुसिरा नदी में पलट जाने से 38 लोगों की मौत हो गई और 100 से अधिक लोग लापता हैं। स्थानीय अधिकारियों एवं प्रत्यक्षदर्शियों ने यह जानकारी दी। नौका पलटने की यह घटना ऐसे समय में हुई है जब करीब चार दिन पहले ही देश के उत्तर-पूर्व में एक अन्य नाव के डूबने से 25 लोग मारे गए थे। नौका पलटने की हालिया घटना में अब तक 20 लोगों को बचाए जाने की पुष्टि हुई है। दुर्घटनास्थल के पास स्थित इंगेंडे शहर के मेयर जोसफ जोसफ कांगोलिंगोली ने बताया कि नौका कांगो के उत्तर-पूर्व में जलक्षेत्र में थी और इसमें अधिकतर वे व्यापारी सवार थे जो क्रिसमस मनाने के लिए घर लौट रहे थे। इंगेंडे के निवासी एनडोलो कैडी ने बताया कि नौका में ''400 से अधिक लोग सवार थे और यह नौका बोएंडे के रास्ते में पड़ने वाले दो बंदरगाहों इंगेंडे और लूलो से होकर गुजरी थी, इसलिए ऐसा लगता है कि मृतक संख्या अधिक होगी।

ट्रंप के करीबी और टीवी शो निर्माता मार्क बर्नेट बने ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी टीवी जगत में बड़ा नाम मार्क बर्नेट को यूके में विशेष दूत बनाया है। बर्नेट ने ट्रंप के रियलिटी शो द अप्रेन्टिस को बनाया था। बर्नेट ट्रंप के सबसे करीबी सहयोगी माने जाते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म ट्रूथ सोशल पर लिखा कि टेलीविजन प्रोडक्शन और व्यापार में खुद को बेहतर रूप से स्थापित करने वाले मार्क बर्नेट यूके में विशेष राजदूत के तौर पर कूटनीतिक कौशल दिखाएंगे। वे राजदूत से हटकर अलग भूमिका में काम करेंगे। साथ ही उनकी नियुक्ति के लिए अमेरिकी सीनेट की मंजूरी की जरूरत नहीं होगी। ट्रंप ने कहा कि मार्क व्यापार, निवेश और सांस्कृतिक क्षेत्र में आदान-प्रदान के साथ राजनयिक संबंधों को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। इसे पहले ट्रंप ने बैंकर वॉरेन स्टीफंस को ब्रिटेन में अमेरिकी राजदूत बनाया था।

कौन हैं बर्नेट : मार्क बर्नेट अमेरिकी टीवी जगत में बड़ा नाम हैं। लंदन में जन्मे बर्नेट ने सर्वाइवर नामक रियिलटी शो बनाया था। इसके साथ ही उन्होंने शार्क टैंक और द वायस जैसे शो भी बनाए। बर्नेट 2018 से 2022 तक एमजीएम वर्ल्ड वाइड टीवी ग्रुप के अध्यक्ष भी रहे। 2004 में बर्नेट द्वारा शुरू किया गया कार्यक्रम द अप्रेन्टिस काफी लोकप्रिय हुआ। इसी शो के जरिये ही डोनाल्ड ट्रंप ने राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के तौर पर पहली बार सामने आए थे। बर्नेट के शो ने ट्रंप को नई पहचान दी। साथ ही उनके बारे में कायम धारणाओं को बदला।

लगातार हो रहीं नियुक्तियां : इससे पहले ट्रंप ने सोशल मीडिया मंच के जरिये किंबर्ली गिलफॉयल को ग्रीस के लिए अमेरिका का राजदूत नामित किया। गिलफॉयल लंबे समय से ट्रंप की समर्थक रही हैं और उनके बेटे डोनाल्ड ट्रंप जूनियर

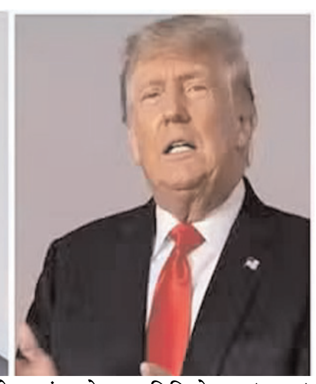

से उनकी सगाई हुई थी। वहीं ट्रंप ने अपने करीबी और अरबपति उद्योगपति डेविड सैक्स को व्हाइट हाउस का एआई और क्रिप्टो जार नियुक्त किया है। डेविड सैक्स कृत्रिम बुद्धिमत्ता और क्रिप्टो करेंसी पर ट्रंप सरकार को सलाह देंगे। इसके अलावा स्पेसएक्स के मालिक व अरबपति कारोबारी एलन मस्क के करीबी जेरेड इसाकमैन को नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) प्रमुख चुना गया था। वहीं सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ सोशल के सीईओ डेविन न्युनेस को राष्ट्रपति का खुफिया सलाहकार बोर्ड का प्रमुख नियुक्त किया गया।

दुनिया का सबसे मजबूत पत्ता जल लिली, इस पर बैठकर आसानी से पार कर सकते हैं नदी : वॉशिंगटन, एजेंसी। प्रकृति ने ऐसे कई रहस्य अपने पास समेट कर रखे हैं, जिसकी कल्पना आज भी हम इंसान नहीं कर सकते हैं. आज हम आपको एक पत्ते के बारे में बता रहें हैं जो 80 किलो का वजन आसानी से उठा सकता है. इसे पत्ते को दुनिया का सबसे बड़ा और अद्भुत पत्ता माना जाता है, इसी वजह से वैज्ञानिकों ने इसे गार्डन के अजूबा श्रेणी में रखा है. गोल आकार के इस पत्ते का व्यास 3 मीटर तक होता है और इसके पत्ते किनारे ऊपर की तरफ मुड़े होते हैं. इतना ही नहीं पत्ते के निचले भाग और डंठल पर नुकीले कांटे होते हैं. यह पत्ता मजबूत होता है कि इस पत्ते पर एक बड़ा आदमी आसानी से आराम से बैठ सकता है. इसके पत्ते 80 किलो तक का वजन सहन कर सकते हैं, हालांकि इसके लिए दोनों तरफ से बराबर सपोर्ट की जरूरत होती है. इसे विक्टोरिया अमेजोनिका जिसे जल लिली के नाम से जाना जाता है।

पोप फ्रांसिस ने गाजा में बमबारी को बताया क्रूरता, इस्राइल ने दोहरा मापदंड अपनाने का लगाया आरोप

गाजा, एजेंसी। पोप फ्रांसिस ने इस्राइल की ओर से गाजा में लगातार की जा रही बमबारी को क्रूरता करार दिया। वहीं इस्राइल ने इसका जवाब दिया है। इस्राइल ने पोप फ्रांसिस पर दोहरा मापदंड अपनाने का आरोप लगाया। पोप फ्रांसिस ने क्रिसमस संबोधन के दौरान कहा कि येरूशलम के कैथोलिक बिशप ने शुक्रवार को गाजा पट्टी में कैथोलिकों से मिलने के लिए प्रवेश करने की कोशिश की थी, लेकिन उन्हें प्रवेश नहीं दिया गया। कल बच्चों पर बमबारी की गई। यह क्रूरता है। यह युद्ध नहीं है।

इसके जवाब में इस्राइल के विदेश मंत्रालय ने कहा कि पोप की टिप्पणियां निराशाजनक हैं, क्योंकि वह जिहादी आतंकवाद के खिलाफ इस्राइल की लड़ाई के सच्चे संदर्भ से अलग हैं। क्योंकि यह युद्ध इस्राइल पर थोपा गया है। इस्राइल की ओर से कहा गया कि दोहरे मापदंडों और यहूदी राज्य, उसके लोगों को अलग-थलग करने के बारे में कई बार बात की जा चुकी है। इस्राइल ने कहा कि क्रूरता वह है जब आतंकी बच्चों के पीछे छिपकर इस्राइल के बच्चों की हत्या करते हैं। क्रूरता वह है जब

आतंकी एक शिशु और बच्चे सहित 100 लोगों को 442 दिन से बंधक बनाए हुए हैं। इनसे दुर्व्यवहार किया जा रहा है। मगर पोप ने इस सब को नजरअंदाज कर दिया है। इस्राइल का यह भी कहना है कि वह लोगों को बेवजह मारना नहीं चाहता है। मगर हमास गाजा के लोगों को ढाल बनाकर हमले कर रहा है। इसलिए इस्राइल को लगातार जवाब देना पड़ रहा है।

यह है मामला : हमास ने बीते साल सात अक्टूबर को इस्राइल पर बड़ा आतंकी हमला किया था, जिसमें 1200 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी और 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। अभी भी 100 लोग हमास की कैद में हैं। इस हमले के जवाब में इस्राइल ने गाजा पर हवाई और जमीनी हमला किया, जिसमें 45 हजार से ज्यादा लोग मारे गए।

ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा चीन? रिपोर्ट में खुलासा- परमाणु हथियारों का इस्तेमाल कर सकता है ड्रैगन

बीजिंग, एजेंसी। अमेरिका के रक्षा विभाग की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि चीन, ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इस साल चीन ने सैन्य तौर पर ताइवान पर काफी दबाव बनाया और कई बार ताइवान की सीमा का उल्लंघन किया। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अब चीन एक कदम आगे बढ़कर ताइवान पर हमले की तैयारी कर रहा है। इतना ही नहीं अमेरिका की एक रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि ताइवान को लेकर परमाणु युद्ध हो सकता है।

अपनी रॉकेट फोर्स को मजबूत कर रही पीएलए : मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिका के रक्षा विभाग ने हाल ही में मिलिट्री एंड सिक्योरिटी डेवलेपमेंट इन्वोल्विंग द पीपल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना नामक रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि चीन की सेना ताइवान को हवाई और समुद्री रास्ते से ब्लॉक करने की रणनीति पर काम कर रही है और युद्ध की स्थिति में चीन की सेना द्वारा ताइवान पर मिसाइल और एयरस्ट्राइक की जा सकती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पीएलए (चीनी सेना) अपनी रॉकेट फोर्स को मजबूत कर रही है, साथ ही ताइवान स्ट्रेट के आसपास चीन ने नई मिसाइल बटालियन तैनात की हैं।

युद्ध में परमाणु हथियारों का हो सकता है इस्तेमाल : अमेरिका के ही सेंटर फॉर स्ट्रैटेजिक एंड इंटरनेशनल स्टडीज और मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट

ऑफ टेक्नोलॉजी ने एक अन्य रिपोर्ट प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि ताइवान युद्ध में परमाणु हथियारों का इस्तेमाल हो सकता है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि अमेरिका अगर अपने परमाणु हथियारों का जखीरा बढ़ाने और उसे आधुनिक करने का फैसला करता है तो भी चीन, ताइवान पर परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करने से पीछे नहीं हटेगा। अमेरिका में नीति निर्माताओं का एक वर्ग मानता है कि चीन को ताइवान पर हमला करने से रोकने और चीन पर दबाव बनाने के लिए अमेरिका को अपने परमाणु हथियारों को आधुनिक करना चाहिए, लेकिन अब नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इसका चीन पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा।

जर्मनी में कार हमले में 7 भारतीय भी घायल, विदेश मंत्रालय ने हमले की निंदा की

बर्लिन, एजेंसी। भारत ने जर्मनी के मैगडेबर्ग शहर में शुक्रवार को क्रिसमस मार्केट पर कार हमले की कड़ी निंदा की है, जिसमें पांच लोगों की मौत हो गई और 200 से अधिक लोग घायल हो गए। हमले में 7 भारतीय भी घायल हुए हैं। भारतीय विदेश मंत्रालय ने घटना पर बयान जारी करते हुए दुख जताया। मंत्रालय ने अपने बयान में कहा- हम जर्मनी के मैगडेबर्ग में क्रिसमस मार्केट पर हुए इस भयानक हमले की कड़ी निंदा करते हैं। इस हमले में कई अनमोल जीवन नष्ट हो गए हैं, और कई लोग घायल हुए हैं। हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं पीड़ितों और उनके परिवारों के साथ हैं। मंत्रालय ने बताया कि भारतीय मिशन घायल हुए भारतीय नागरिकों और उनके परिवारों के साथ संपर्क में है। उन्हें हर संभव मदद मुहैया कराई जा रही है। घायल हुए 7 भारतीय नागरिकों में से 3 को अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

सऊदी का आरोपी हमलावार गिरफ्तार : क्रिसमस मार्केट में हमले के आरोप में सऊदी अरब के एक डॉक्टर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी हमलावार 2006 से जर्मनी के पूर्वी राज्य सैक्सोनी-अनहाल्ट में रह रहा है। सैक्सोनी-अनहाल्ट ने आरोपी की गिरफ्तारी के बाद बताया कि, हमलावार ने घटना को अकेले ही अंजाम दिया है। हमले के पीछे उसका मकसद पता नहीं चल सका।

हमले पर दुनिया की प्रतिक्रिया : इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने घटना को निर्दोषों पर क्रूर हमला बताते हुए कड़ी निंदा की। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री इसे भयावह बताते हुए जर्मनी को सर्मथन देने का वादा किया। वहीं टेस्ला के मालिक इलॉन मस्क ने नाराजगी जताते

हुए जर्मन चांसलर ओलाफ शोल्ज से इस्तीफे की मांग कर दी। मैगडेबर्ग में हर साल क्रिसमस मार्केट लगता है मैगडेबर्ग, जर्मनी के सैक्सनी-आन्हाल्ट राज्य की राजधानी है। यह शहर एल्बे नदी के किनारे स्थित है और इसकी आबादी लगभग 2.40 लाख है। यह शहर बर्लिन से लगभग डेढ़ घंटे की ड्राइव की दूरी पर स्थित है। मैगडेबर्ग में साल में एक बार क्रिसमस मार्केट लगता है और बड़ी संख्या में भीड़ होती है। हमलावर को 2016 में मिला था शरणार्थी का दर्जा द गार्जियन के मुताबिक, हमलावर का नाम तालेब है। वह एक मनोचिकित्सक है। तालेब 2006 से जर्मनी में रह रहा था, उसे 2016 में शरणार्थी का दर्जा दिया गया। वह मैगडेबर्ग शहर से करीब 40 किलोमीटर दूर बर्नबर्ग में मेडिकल प्रैक्टिस कर रहा था। उसने हमला करने से पहले एक बीएमडब्ल्यू कार किराए पर ली थी। फिलहाल हमलावर का कट्टरपंथियों से किसी तरह का संबंध नहीं मिला है। 2016 में ऐसी घटना में गई थी 13 लोगों की जान यह घटना 19 दिसंबर 2016 को बर्लिन में हुई एक बड़ी आतंकी घटना की याद दिलाती है, जब एक इस्लामिक चरमपंथी ने ट्रक से क्रिसमस बाजार में भीड़ पर हमला किया था।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत में नकली डॉक्टर सर्टिफिकेट के मास्टरमाइंड रसेश गुजराती और भूपेंद्र रावत को क्राइम ब्रांच ने फिर से गिरफ्तार

जेल में न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के मुख्य सूत्रधार के रूप में रसेश गुजराती

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वर्ष 2020 में सूरत क्राइम ब्रांच ने 1 करोड़ 4 लाख के एम.डी. ड्रग्स मामले में कुल 19 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस मामले में आदिल नूरा सितंबर 2020 से जेल में है। आदिल ने हाईकोर्ट में अपनी मां की तबीयत खराब होने का हवाला देकर जमानत के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट पेश किया था, जिसमें एंजियोग्राफी और एंजियोप्लास्टी की आवश्यकता बताई गई थी।

डॉक्टर के हस्ताक्षर और सील का गलत उपयोग किया गया।

हाईकोर्ट के आदेश से जांच के दौरान क्राइम ब्रांच ने खुलासा किया कि यह मेडिकल सर्टिफिकेट पूरी तरह से नकली है। डॉक्टर शोभित सिंह ठाकुर

ने यह सर्टिफिकेट तैयार किया था, जिसमें डॉक्टर दिलीप तडवी के हस्ताक्षर और सील का गलत तरीके से उपयोग किया गया था।

डॉ. शोभित सिंह ठाकुर का पर्दाफाश

पूछताछ के दौरान क्राइम ब्रांच ने पता लगाया कि डॉ. शोभित सिंह ठाकुर एक फर्जी डॉक्टर है और सूरत के पांडेसरा इलाके में एक नकली अस्पताल चला रहा था। उसके पास न तो कोई लाइसेंस था और न ही कोई डिग्री। इस सर्टिफिकेट के पीछे मुख्य सूत्रधार के रूप में रसेश गुजराती और भूपेंद्र रावत के नाम सामने आए।

> 2020 में 1 करोड़ से अधिक के एम.डी. ड्रग्स की हेराफेरी के मामले में जेल में न्यायिक हिरासत में बंद आरोपी का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने के मुख्य सूत्रधार के रूप में रसेश गुजराती सामने आया था। पांडेसरा पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी की थी। आरोपी ने 1400 से अधिक लोगों को फर्जी सर्टिफिकेट दिए हैं। आरोपी ने जमानत के लिए मेडिकल सर्टिफिकेट पेश किया।

रसेश गुजराती – नकली डॉक्टर सर्टिफिकेट का मास्टरमाइंड

रसेश गुजराती पहले से ही पुलिस के रडार पर था और इस मामले में उसने शोभित सिंह ठाकुर को फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट बनाने में मदद की थी। क्राइम ब्रांच ने उसकी गिरफ्तारी कर मामले की गहराई से जांच शुरू की है। उसके खिलाफ फर्जी दस्तावेज बनाने और उनका उपयोग करने जैसे गंभीर आरोप हैं। पांडेसरा पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। उसने 1400 से अधिक लोगों को नकली सर्टिफिकेट दिए हैं।

क्राइम ब्रांच ने इस मामले में आगे बैंक डेटा और लेनदेन की जांच शुरू कर दी है। डीसीपी भावेश रोजिया ने बताया कि इस गिरोह में शामिल अन्य लोगों की गिरफ्तारी के लिए गहन जांच की जा रही है।

शेयर मार्केट और गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर धोखाधड़ी का पर्दाफाश

90 लाख की धोखाधड़ी मामले में विभिन्न बैंक खातों का उपयोग करने वाले सात आरोपियों की गिरफ्तारी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर की साइबर क्राइम सेल ने शेयर मार्केट और गोल्ड ट्रेडिंग के नाम पर लोगों से लाखों रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपियों को पकड़ा है। इस धोखाधड़ी में आरोपियों ने फेसबुक और अन्य ऑनलाइन प्लेटफार्म्स के जरिए लोगों से संपर्क किया और आकर्षक मुनाफे का लालच देकर निवेश कराया। पीड़ितों को प्रॉफिट के कुछ रुपये दिए गए और बाकी के मुनाफे को बढ़ाने के लिए और पैसे की मांग की गई, जिससे धोखाधड़ी की गई। इस पूरे धोखाधड़ी के मामले में लगभग 90 लाख रुपये की धोखाधड़ी होने का खुलासा हुआ है।

90 लाख की धोखाधड़ी की गई

इस मामले में शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपियों ने फेसबुक के माध्यम से शेयर मार्केट और गोल्ड ट्रेडिंग में निवेश से बड़े मुनाफे का लालच दिया था। इसके लिए विभिन्न वेबसाइटों पर पंजीकरण करवा कर निवेश कराया गया था। पीड़ितों को आश्वासन देने के लिए लगभग 5 लाख रुपये का प्रॉफिट निकालने की अनुमति दी गई थी। बाकी के मुनाफे के लिए पीड़ित से अतिरिक्त पैसे की मांग की गई और अंततः कुल 90,40,366 रुपये की धोखाधड़ी की गई।

सूरत साइबर क्राइम द्वारा इस मामले में मुख्य भूमिका निभाने वाले और विभिन्न बैंक खातों का उपयोग करने वाले कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

1.पार्थ भरतभाई परमार– मुख्य आरोपी पार्थ परमार ने कोस्मोस को-ऑप. बैंक के खाते को कमीशन पर लेकर ऑपरेट किया था। इस खाते में 7.99 करोड़ के ट्रांजेक्शन हुए थे।

2.भरत कातरिया– इस आरोपी ने अपना आईसीआईसीआई बैंक खाता अन्य आरोपी अनिल कलसरिया को कमीशन के लिए दिया था। इस खाते में 1.84 करोड़ के ट्रांजेक्शन हुए थे।

3.अनिल कलसरिया– भरत कातरिया का बैंक खाता आगे फ्रॉड के लिए इस्तेमाल किया गया था।

4.हार्दिक कच्छी – इस आरोपी ने अपना बैंक खाता अन्य अपराधों के लिए कमीशन पर दिया था।

5.जयदेव गरनियाना– जयदेव पर फ्रॉड में कई लोगों को धोखा देने का आरोप है।

6.अभिषेक मिश्रा – ऑटो चालक अभिषेक ने अपना बैंक खाता किराए पर देकर धोखाधड़ी के पैसे जुटाए थे।

7.जिग्नेश वल्लभभाई मोहनभाई भलाणी–अभिषेक मनोज कुमार मिश्रा के इंडसइंड बैंक से सेल्फ चेक द्वारा पैसे निकालकर साइबर क्राइम के पैसे प्राप्त किए थे।

धोखाधड़ी में उपयोग किए गए बैंक खाते और फंड ट्रांजेक्शन

इस मामले में शामिल बैंक खातों में करोड़ों रुपये के लेन-देन होने का खुलासा पुलिस जांच में हुआ है। पीड़ित देश के विभिन्न राज्यों से हैं, और इनमें से 50 से अधिक मामले नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल पर दर्ज किए गए थे।

लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर 50 लाख की फिरौती की धमकी

“50 लाख तैयार रखो, नहीं तो गोली मार दूंगा।” पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

ट्रांसपोर्ट मालिक को धमकी दी गई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के डिंडोली इलाके में फिरौती मांगने की सनसनीखेज घटना सामने आई है। डिंडोली के रीजेंट प्लाजा के पास रहने वाले ट्रांसपोर्ट मालिक महारुद्र उर्फ रामबोल ठाकुर से लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर 50 लाख की फिरौती की धमकी दी गई।

ऑफिस से बाइक पर घर जा रहे थे। पुलवामा शहीद चौराहे के पास, एक अज्ञात व्यक्ति ने उनकी बाइक रोक दी। वह व्यक्ति बाइक पर आया था और उसने कमर से हथियार निकालकर महारुद्र का नाम पूछकर पुष्टि की।

उस अज्ञात व्यक्ति ने खुद को लॉरेंस बिश्नोई का आदमी बताया और महारुद्र के मोबाइल से किसी अज्ञात व्यक्ति को

उसने महारुद्र को उनके ऑफिस में प्रोटेक्शन मनी भेजने की चेतावनी दी। साथ ही धमकी दी कि अगर पैसे नहीं भेजे गए, तो उनके घर पर फायरिंग की जाएगी। इस घटना ने उनके परिवार को और भी ज्यादा डर और तनाव में डाल दिया।

शिकायत दर्ज होते ही डिंडोली पुलिस ने तुरंत कार्रवाई शुरू की। मोबाइल नंबर के आधार पर जांच करते हुए फिरौती

इस घटना से पूरे इलाके में दहशत का माहौल बन गया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत जांच शुरू की और कुछ ही घंटों में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

अज्ञात व्यक्ति ने बाइक रोककर 50 लाख की फिरौती मांगी

महारुद्र उर्फ रामबोल ठाकुर, जो डिंडोली उत्सव रेजिडेंसी में रहते हैं और “जगदंबा एक्सप्रेस कार्गो सर्विस” नाम से ट्रांसपोर्ट का व्यवसाय करते हैं, शनिवार रात लगभग 11:30 बजे अपनी

कॉल किया। कॉल के बाद, उसने धमकी देते हुए कहा, “50 लाख रुपये की फिरौती तैयार रखो, नहीं तो गोली मार दूंगा।”

इस धमकी से डरे महारुद्र ने अपने रिश्तेदार के बेटे शुभम से चर्चा की और तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

शाम को फिरौती मांगने वाले ने फोन कर धमकी दी

जब महारुद्र पुलिस में शिकायत दर्ज करा रहे थे, उसी दौरान शाम को फिर से फिरौती मांगने वाले व्यक्ति का फोन आया। इस बार

मांगने वाले मामले में शामिल चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों में रूपेश, आदित्य, वैभव समेत दो नाबालिग भी शामिल हैं, जो स्थानीय गेंगस्टर हैं।

इस मामले में आरोपियों ने लॉरेंस बिश्नोई का नाम इस्तेमाल कर झूठा डर फैलाकर फिरौती वसूलने की कोशिश की थी। पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार करने के बाद उनसे पूछताछ की है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या इस मामले में अन्य लोग भी शामिल हैं।

RTE एक्ट के तहत पढ़ाई करने वाले 100 छात्रों का एडमिशन रद्द

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

फीस न भरने पर स्कूल ने LC देने को कहा, अभिभावकों में गुस्सा; DEO ने कहा- ‘अभिभावकों ने गलत जानकारी देकर प्रवेश प्राप्त किया’

सूरत में RTE (राइट टू एजुकेशन) के तहत स्कूलों में प्रवेश प्राप्त करने में नियमों में गड़बड़ी का गंभीर मामला सामने आया है। RTE के तहत एडमिशन पाने वाले बच्चों के अभिभावकों की आय नियमों से अधिक होने का पता चलने पर जिला शिक्षा अधिकारी ने अलग-अलग स्कूलों के 100 छात्रों का एडमिशन रद्द कर दिया है। इसके बाद स्कूल ने अभिभावकों को फीस भरने पर ष्ट (लिविंग सर्टिफिकेट) देने की बात कही, जिससे अभिभावकों में गुस्सा फैल गया है।

सूरत के अडाजन क्षेत्र स्थित भूलका भवन में सुबह-सुबह अभिभावक एकत्रित हुए थे और जिला शिक्षा अधिकारी के इस कदम के खिलाफ गुस्से का इजहार किया था। जिला शिक्षा विभाग के अनुसार, शहर में 100 से अधिक छात्रों का एडमिशन रद्द किया गया है। यह पता चला है कि अभिभावकों ने गलत जानकारी देकर प्रवेश प्राप्त किया था। RTE नियमों के तहत, केवल उन माता-पिता के बच्चों को प्रवेश मिल सकता है, जिनकी वार्षिक आय 1,50,000 रुपये से कम हो। शिक्षा विभाग की जांच में यह सामने आया कि कुछ अभिभावकों के घर आलीशान बंगलों में थे, जहां फ्रिज, एसी और कार जैसी सुविधाएं उपलब्ध थीं।

बच्चों का एडमिशन रद्द होने पर अभिभावक स्कूल पहुंचे और गुस्से के साथ कहा कि, “हमारी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं होने के बावजूद, स्कूल ने हमारी आय अधिक होने का दावा करते हुए एडमिशन रद्द कर दिया, जो अन्याय है।” इसके बाद DEO ने कहा, “अभिभावकों ने गलत जानकारी देकर प्रवेश प्राप्त किया है, और कुछ अभिभावकों के घरों का वास्तविक मूल्य साढ़े चार लाख रुपये से अधिक था।”

शिक्षा विभाग ने RTE के तहत प्रवेश पाने वाले छात्रों के अभिभावकों के घरों और बैंक खातों की जांच की। इस जांच में कई माता-पिताओं की वास्तविक आय और जीवनशैली RTE नियमों का उल्लंघन करती हुई पाई गई। कुछ अभिभावकों के घरों का वास्तविक मूल्य साढ़े चार लाख रुपये से अधिक था।

जिला शिक्षा अधिकारी भगीरथ परमार ने बताया, “अब तक 100 से अधिक छात्रों का एडमिशन रद्द किया जा चुका है। अभिभावकों ने गलत जानकारी देकर नियमों का उल्लंघन किया है। अभी भी चार से पांच स्कूलों में जांच बाकी है, और इस आंकड़े में वृद्धि होने की संभावना है।”

RTE के तहत प्रवेश पाने वाले कुछ अभिभावकों ने स्कूल द्वारा दबाव बनाने की शिकायत की है। भूलका भवन स्कूल में अभिभावकों को यह सूचना दी गई थी कि वे फीस भरें या फिर अपने बच्चों के लिए ट्रांसफर सर्टिफिकेट (LC) ले आएं।

>> श्रीमद् भागवत कथा का समापन >> श्री श्याम मंदिर का भव्य आयोजन

“होली खेल रहे बांके बिहारी..” फूलों की होली का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्री श्याम सेवा ट्रस्ट द्वारा वीआईपी रोड़ स्थित श्री श्याम मंदिर, सूरतधाम में आयोजित अमृत महोत्सव के अंतिम दिन सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा का समापन फूलों की होली के साथ हुआ। कथा के दौरान वृंदावन के कलाकारों द्वारा फूलों की होली एवं महारास प्रस्तुत किया गया। इस दौरान “होली खेल रहे बांके बिहारी...” एवं “बांके बिहारी की देख छटा, मेरे मन है गयो लटा-पटा...” पर भक्त भाव विभोर होकर नाचने लगे। इसके पश्चात हवन पूजा का आयोजन किया गया।

सोमवार को श्रीमद् भागवत कथा में व्यासपीठ से गौरव कृष्ण गोस्वामी ने कृष्ण सुदामा प्रसंग पर बोलते हुए कहा की अशांत व्यक्ति सुखी नहीं रह सकता जीवन में कितना भी धन ऐश्वर्य की सम्पन्नता हो लेकिन यदि मन में शान्ति नहीं है तो वह व्यक्ति कभी भी सुखी नहीं रह सकता। वहीं जिसके पास धन की कमी भले ही हों सुख सुविधाओं की कमी हो परन्तु उसका मन यदि शान्त है तो वह व्यक्ति वास्तव में परम सुखी है। व्यक्ति अपना मूल्य समझे और विश्वास करे कि हम संसार के सबसे महत्व पूर्ण व्यक्ति है। तो वह हमेशा कार्यशील बना रहेगा। क्योंकि समाज में सम्मान अमीरी से नहीं ईमानदारी एवं सज्जनता से प्राप्त होता है।

आयोजन के अंतिम दिन श्री श्याम सेवा ट्रस्ट के कार्यकारिणी द्वारा महाराज का सम्मान कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। इस मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष कैलाश हाकिम, सचिव राजेश दोदराजका, कोषाध्यक्ष केदारमल अग्रवाल आयोजन के संयोजन प्रकाश तोदी, सुशील गाड़ोदिया, कमल टाटनवाला, ओमप्रकाश सिहोटिया, महेश अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

अग्रवाल पिकलबॉल चैंपियनशिप में खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट युवा शाखा द्वारा रविवार को अग्रवाल पिकलबॉल चैंपियनशिप का आयोजन वेसु स्थित पिकलर के कोर्ट्स पर किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार ने बताया कि इस चैंपियनशिप में 24 टीमों ने भाग लिया। शाम 5 बजे से शुरू हुए इस आयोजन में हर टीम ने जबरदस्त प्रतिस्पर्धा की एवं खिलाड़ियों ने अपना दमखम दिखाया। विजेताओं को ट्रस्ट द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर मुख्य अथिति के रूप में पिकलबॉल एसोसिएशन के अध्यक्ष जिग्नेश पाटिल के अलावा ट्रस्ट के सचिव अनिल शोरेवाला, राहुल अग्रवाल, नीरज अग्रवाल, युवा अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल, प्रशांत, अंकित, समर्थ, भरत, संचित, तरुण आदि उपस्थित रहें।

बाबा साहेब आंबेडकर के अपमान का विरोध, मांडवी में कांग्रेस नेताओं द्वारा गृह मंत्री से इस्तीफे की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मांडवी तालुका कार्यालय में कांग्रेस समिति के नेताओं ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा संविधान निर्माता बाबा साहेब आंबेडकर के अपमान के खिलाफ प्रदर्शन किया और उनके इस्तीफे की मांग की। सुरत जिला कांग्रेस समिति के अध्यक्ष मनहरभाई पटेल की अगुवाई में तालुका कांग्रेस समिति के नेताओं ने प्रदर्शन करते हुए ड्यूटी पर तैनात प्रांत

अधिकारी को एक आवेदन पत्र सौंपा, जिसमें कहा गया कि भारतीय संसद भवन में गृह मंत्री अमित शाह ने दिए गए बयान में डॉ. बाबा साहेब आंबेडकर का अपमान किया है।

भारत के करोड़ों लोगों का अपमान किया गया है,